

जबलपुर सोमवार 2 नवम्बर 2026 > कार्तिक कृष्ण पक्ष, अष्टमीं

वर्ष 32 अंक 125 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 29.5°C
न्यूनतम तापमान 17.0 °C

सूर्योदय - 6.16 | सूर्यास्त - 5.32

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



सरदार पटेल जयंती पर विशाल निःशुल्क... ⏩ 4



53 साल की हुईं ऐश्वर्या राय ,... ⏩ 7



पीवी सिंधु ने जीता बैडमिंटन का हाइलो ओपन... ⏩ 10

समृद्ध किसान-समृद्ध मध्य प्रदेश हमारा लक्ष्य: डॉ. यादव

स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने बताई प्राथमिकताएं

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। इस वर्ष स्थापना दिवस की मूल भावना 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' है। किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर अपने ब्लॉग में साझा की हैं। उन्होंने प्रदेश की गौरवशाली विरासत, विकास यात्रा और भविष्य की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध मध्यप्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्य प्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा।

रोजगार-स्वरोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिलाएं विकास की नेतृत्वकर्ता

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।





रामलीला मैदान से राहुल गांधी की हुंकार

वोट चोरी करने वालों को देश से भागने नहीं देंगे

नई दिल्ली।

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित 'इंडिया' गठबंधन की महारैली के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान की रक्षा और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ तीखे तेवर दिखाए। रैली में उमड़ी लाखों की भीड़ का धन्यवाद करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आप सब यहां दूर-दूर से चलकर आए हैं। आपने देश को, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक स्पष्ट संदेश दे दिया है। ये किसी एक राजनीतिक दल या केवल नेताओं की आवाज नहीं है। ये भारत के युवाओं, किसानों और मजदूरों की सम्मिलित आवाज है। उन्होंने आगे कहा, ये आवाज साफ कह रही है कि हम हिंदुस्तान में लोकतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे और संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे। आपके पास कितना भी पैसा या पावर क्यों न हो, आप संविधान से बड़े नहीं हो सकते। चुनावी निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने दावा किया, देश में सालों से वोट चोरी हो रही है। ममता बनर्जी ने बंगाल का उदाहरण दिया, लेकिन मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक और 2024 के लोकसभा चुनाव- इन सभी में वोट चोरी हुई है। ईवीएम के अलावा वोटर लिस्ट से नाम हटाकर और नए नाम जोड़कर यह गड़बड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और नफरत से देश की आत्मा चिल्ला रही है। देश का हर युवा और नागरिक शांति और मोहब्बत चाहता है। ये विरोध प्रदर्शन किसी एक दल का नहीं, बल्कि हिंदुस्तान के संविधान और लोकतंत्र को बचाने का एक साझा आंदोलन है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा, 2024 के चुनाव के बाद 11.53 करोड़ (130 मिलियन) वोटरों को लिस्ट से बाहर कर दिया गया। यानी हर 7 में से 1 वोटर (लगभग 15 प्रतिशत वोटर्स) को लिस्ट से हटा दिया गया। चुनाव में एनडीए और हमारे बीच महज 3 प्रतिशत का अंतर था, जबकि उसके बाद 15 प्रतिशत वोटर्स को हटा दिया गया। इसका सीधा मतलब है कि चुनावी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। इस महारैली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले, टीएमसी नेता ममता बनर्जी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेता शामिल रहे।

ज्ञानेश कुमार को जेल जाना पड़ेगा

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, ज्ञानेश कुमार को अपने पद से हटना होगा और उन्हें जेल जाना पड़ेगा। ये कोई छोटी-मोटी चोरी नहीं है, बल्कि देश के हर नागरिक की आवाज और लोकतांत्रिक अधिकारों की चोरी है। इसे कानून की भाषा में रेरेस्ट ऑफ द रेयर अपराध और देशद्रोह माना जाना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के बिना न तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन पाते और न अमित शाह गृह मंत्री।

शिव की बारात जैसा भारत चाहिए

राहुल गांधी ने कहा, आपने शिव की बारात के बारे में सुना होगा, जिसमें हर किसी को शामिल होने और नाचने की अनुमति होती है। हमें ऐसा ही भारत चाहिए, जहां किसान मेहनत करे तो उसे उसकी उपज का फल मिले और छात्र 18 घंटे पढ़ाई करे तो उसे शिक्षा और रोजगार मिले। हमें ऐसा देश नहीं चाहिए जहां हर एयरपोर्ट, रेलवे, बिजली और मोबाइल नेटवर्क अडानी का हो।

मत सोचिए, आप भाग नहीं सकते

सत्ताधारी दल को चेतावनी देते हुए राहुल गांधी ने कहा, अमित शाह कहते हैं कि नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जा रहे। मैं आपको बताता हूं कि वो कहीं जा भी नहीं सकते और अगर जाना भी चाहेंगे तो हम उन्हें जाने नहीं देंगे। ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे हैं। आपने जो वोट चोरी की है और देश को बेचा है, उसके लिए देश आपसे न्याय मांगेगा। आप भाग नहीं सकते, आपके और अमित शाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

पंजाब में आप के दो विधायकों का इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब में पटियाला जिले की समाना विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी विधायक चेतन सिंह जोड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दोनों नेताओं का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब आम आदमी पार्टी ने एक दिन पहले ही 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने अभी तक समाना और सनौर विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए हैं। ऐसे में दोनों विधायकों के इस्तीफे के बाद पंजाब की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

चैंबर में दम घुटने से 4 की मौत

उज्जैन। उज्जैन-देवास रोड स्थित श्रीगंगा होटल में चैंबर की सफाई के दौरान चार लोगों की मौत हो गई। चारों एक के बाद एक चैंबर में फंसते चले गए। उन्हें बचाने के लिए अंदर उतरे दो अन्य लोगों की भी तबीयत बिगड़ गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। घटना रात के समय हुई। चार लोग होटल का ओवरग्राउंड चैंबर साफ करने उतरे थे। मृतकों की पहचान कमलेश तंबोली, नितिन वाहिद, मनोज मीणा और वाहिद के रूप में हुई है।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर फिर महंगा

नई दिल्ली (वार्ता)। त्योहारों से पहले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं, हालांकि घरेलू इस्तेमाल वाले सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने रविवार से दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी है। अक्टूबर में इसकी कीमत 2,810 रुपये थी। इस प्रकार दिल्ली में यह 10 रुपये महंगा हुआ है। अन्य शहरों में भी कीमतों में कर और परिवहन लागत के आधार पर थोड़े-बहुत अंतर के साथ लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की गई है।

बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत शयनयान ट्रेन को हरी झंडी

बेंगलुरु (वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री एच एल.डी. कुमारस्वामी और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को यहाँ के सर एम विश्वसरैया टर्मिनल से बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी के साथ ही देश को तीसरी और कर्नाटक की पहली वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस मिल गयी। यह ट्रेन बेंगलुरु और मुंबई के बीच अनंतपुर, गुंतकाल, रायचूर, यादगीर, कलबुर्गी, सोलापुर, पुणे और कल्याण में रुकेगी।

नीट विवाद: परीक्षा सुधार समिति का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति का कार्यकाल बढ़ा दिया है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली इस समिति को अब जनवरी 2027 तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। पहले समिति को अक्टूबर 2027 तक रिपोर्ट देने का समय दिया गया था। सरकारी सूत्रों के अनुसार, समिति की ओर से विभिन्न पक्षों के साथ विचार-विमर्श की प्रक्रिया अभी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई में छह सदस्यीय इस उच्चस्तरीय टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की थी। यह फैसला दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद लिया गया था। 25 जुलाई को हुए इस प्रदर्शन के बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके अगले दिन प्रधानमंत्री ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए समिति गठित करने की घोषणा की थी। नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली समिति में पूर्व इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ, खुफिया ब्यूरो के पूर्व निदेशक तपन डेका, आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि, पूर्व शिक्षा सचिव अनीता करवाल और लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ अमृत लाल मीणा सदस्य हैं।



50 हजार से अधिक सुझाव मिले

समिति को अब तक छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों, विषय विशेषज्ञों, उद्योग संगठनों और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं से 50 हजार से अधिक सुझाव मिल चुके हैं। समिति इन सुझावों के आधार पर परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार कर रही है। समिति ने 2024 में नीट पेपर लीक मामले के बाद केंद्र सरकार की ओर से गठित पैनल के प्रमुख और पूर्व इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन से भी चर्चा की है। राधाकृष्णन समिति ने अक्टूबर 2024 में अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार को सौंपी थीं। इसके बाद सरकार ने इन सिफारिशों को लागू करने की निगरानी के लिए राधाकृष्णन की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय संचालन समिति (एचपीएससी) गठित की थी।

भारी बर्फबारी के बीच छह भारतीय पर्यटक लापता

सिद्धार्थनगर। नेपाल के डोल्पा जिले में भारी हिमपात के बीच दो महिलाओं समेत छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। सभी पर्यटक शे-फोक्सुंडो झील की ओर लौटते समय नुमला और वागला पास के बीच बर्फ में फंस गए हैं। पर्यटकों की तलाश के लिए प्रशासन ने हेलीकॉप्टर मांगा है, जबकि नेपाली सेना को भी बचाव अभियान में लगाया गया है। नेपाल से मिली जानकारी के अनुसार, पर्यटक डोल्पो बुद्ध गांवपालिका से शे-फोक्सुंडो झील की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान वे भारी बर्फबारी की चपेट में आ गए। शे-फोक्सुंडो गांवपालिका के वार्ड नंबर चार और आठ के बीच स्थित नुमला पास तथा वागला पास क्षेत्र से उनका संपर्क टूट गया। बंगाल की खाड़ी में विकसित चक्रवात अर्नब के प्रभाव से हिमालयी क्षेत्र में लगातार हिमपात हो रहा है। ऐसे में पर्यटकों के बर्फ में फंसने की आशंका जताई जा रही है।

4.30 मीटर लंबी सुरंग खोदकर फरार हुए 8 कैदी

सिद्धार्थनगर। नेपाल के डोल्पा जिले के सदरमुकाम दुनै स्थित जिला कारागार से सुरंग खोदकर आठ कैदियों के फरार होने का मामला सामने आया है। फरार कैदियों में दुष्कर्म और चोरी के मामलों में बंद आरोपी शामिल हैं। डीएसपी के नेतृत्व में 34 पुलिसकर्मियों की टीम को तलाश अभियान में लगाया गया है। फरार होने वालों में रुकुम पश्चिम जिले के आठबिसकोट नगरपालिका-10 निवासी 32 वर्षीय राम बीके, डोल्पा जिले के त्रिपुरासुंदरी नगरपालिका-7 निवासी 29 वर्षीय कालीप्रसाद रोकाया और सल्यान जिले के कुमाख गांवपालिका-5 निवासी 28 वर्षीय रेशम राना शामिल हैं। ये तीनों दुष्कर्म के मामलों में जेल में बंद थे। इसके अलावा जाजरकोट जिले के बारेकोट गांवपालिका-1 निवासी 25 वर्षीय यज्ञ बीके और डोल्पा जिले के त्रिपुरासुंदरी नगरपालिका-4 निवासी 28 वर्षीय धन बुढ़ा उर्फ हरिबहादुर बुढ़ा भी फरार हुए हैं। दोनों दुष्कर्म के मामलों में बंद थे।

महादेव एप: सरगना सौरभ चंद्राकर का ओमान से भारत प्रत्यर्पण

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दूसरी केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर महादेव एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर का प्रत्यर्पण सफलतापूर्वक करा लिया है। वह महादेव एप के अवैध सट्टेबाजी गिरोह का सरगना है। उसे ओमान से भारत लाया गया है। सीबीआई की एक विशेष टीम ओमान भेजी गई थी। यह टीम उसे भारत वापस लेकर आई है। अब उसे रायपुर की सीबीआई विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। वह सीबीआई के दो मामलों में वांछित है। इन दोनों मामलों में आरोपपत्र पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं। इसके अलावा, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक मामले में भी वह वांछित है। इस मामले में अभियोजन शिकायत दाखिल की जा चुकी है।

कांग्रेस को जनादेश पर भरोसा नहीं : नवीन

भाजपा का लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान

नई दिल्ली/ रोहतक (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अभियान चला रही कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला करते हुए रविवार को कहा कि विपक्षी दल को जनता पर भरोसा नहीं है और उसके नेता संवैधानिक संस्थाओं पर निराधार आरोप लगा कर देश में अराजकता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को बंद करने की मांग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष की आज की रैली पर तंज कसते हुए 1 नवंबर 1984 के सिख विरोधी दंगों की याद दिलायी और कहा कि कांग्रेस के लिए आज का दिन प्रायश्चित का होना चाहिए, प्रदर्शन का नहीं! भाजपा के राष्ट्रीय



अध्यक्ष ने रोहतक में सर छोटू राम पालीटेक्निक कॉलेज मैदान से डी पार्क, मॉडल टाउन तक लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत मार्च का नेतृत्व किया और पदयात्रा के पश्चात वहां आयोजित जनसभा को संबोधित किया। भाजपा ने दिल्ली सहित देश भर में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन शुरू किया है। पार्टी अध्यक्ष ने रोहतक में कहा कि लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा जनादेश के सम्मान और लोकतंत्र की मजबूती के लिए विपक्ष की अराजकता के खिलाफ जनता की आवाज है। कार्यक्रम में हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी, हरियाणा की प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी, सह-प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव डॉ. भोला सिंह सहित अन्य कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 1984 के सिख नरसंहार के लिए माफी तक नहीं मांग सकी, उलटे उसके नेता आज के दिन निराधार प्रदर्शन की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में लोकतंत्र नहीं, नेहरू-गांधी परिवार का राजतंत्र चलता है और यह पार्टी देश के लोकतंत्र पर सवाल उठा रही है। नवीन ने कहा कि राहुल गांधी मतदाता सूचियों से हटे 13 करोड़ नामों का हिसाब मांगते हैं, कांग्रेस नेता स्थानांतरित मतदाताओं और घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में क्यों बचाना चाहते है?

विपक्ष अराजकता फैलाने में जुटा

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जीतने पर लोकतंत्र की जीत और हारने पर लोकतंत्र खतरे में बताती है। यही उसका दोहरा चरित्र है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और हरियाणा विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, जबकि विपक्ष अराजकता फैलाने में जुटा है। नवीन ने आज ही हरियाणा के रोहतक में डी पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस से माफी मांगने की मांग

नवीन ने कांग्रेस पर चुनावी हार के बाद संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव आयोग पर निराधार आरोप लगाने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 1984 के सिख नरसंहार के लिए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। साथ ही, उन्होंने राहुल गांधी पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

गरिमा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस

विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा करने में सभी अपनी सहभागिता निभाएं : विधायक मनीषा सिंह

शहडोल (स्वतंत्रमत)



मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस जिले में गरिमा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत सोहागपुर परिसर में जिला स्तरीय स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोकनृत्य, लाठी कला एवं भाषण के माध्यम से मध्यप्रदेश की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं तथा प्रदेश के विकास की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, कलाकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हुआ। उपस्थित अतिथियों एवं नागरिकों ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश की एकता, अखंडता और विकास के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह में पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। वहीं एमएलबी स्कूल, ज्ञानोदय विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने लाठी कला का आकर्षक प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्राओं ने लाठी के माध्यम से विभिन्न कलात्मक एवं कौशलपूर्ण प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। रघुराज स्कूल की छात्रा करिश्मा ने अपने प्रभावशाली भाषण के माध्यम से मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक महत्व, गठन एवं विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों एवं कलाकारों की प्रस्तुतियों ने समारोह को आकर्षक एवं यादगार बनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनीषा सिंह ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा करने में प्रत्येक नागरिक को अपनी सहभागिता निभानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सरकार युवा, किसान, महिला तथा मजदूर वर्ग के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना और सामूहिक प्रयास करना आवश्यक है। प्रदेश के विकास में जनभागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल ने कहा कि 1 नवंबर 1956 को 79 रियासतों को मिलाकर मध्यप्रदेश का गठन किया गया था। स्थापना दिवस प्रदेश के इतिहास, गौरव एवं सांस्कृतिक पहचान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि शहडोल नगर एवं जिले को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सक्रिय सहभागिता निभानी चाहिए। स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपने नगर एवं जिले को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। समारोह में कलेक्टर पार्थ जायसवाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर संरोधन सिंह, मिनीषा पाण्डेय, एसडीएम अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, एंटोनिया एक्का, संयुक्त आयुक्त विकास एम.पी. सिंह, उप संचालक कृषि के.एस. यादव, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा एवं डीपीसी अमरनाथ सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों, किसानों, समाजसेवियों, कलाकारों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। जनपद पंचायत अध्यक्ष हीरावती कोल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष उर्मिला कटारे, सुनीता तर्किहार, मीडिया प्रतिनिधि, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी समारोह में शामिल हुए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के दौरान विद्यार्थियों एवं कलाकारों का उत्साह देखते ही बना। समारोह ने प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक गौरव और विकास के प्रति सामूहिक संकल्प का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में जनपद पंचायत सोहागपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता मिश्रा ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कलाकारों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने किया।

नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)। महिला एवं बालिकाओं संबंधी अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में नाबालिग के साथ छेड़छाड़ की प्रथम सूचना रिपोर्ट प्राप्त होने पर थाना ब्यौहारी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में ग्राम जोरा निवासी एक नाबालिग बालिका के साथ गांव के ही आरोपी द्वारा छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत किए जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए थाना ब्यौहारी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही कर आरोपी बद्री प्रसाद बैस पिता रामलखन बैस निवासी ग्राम जोरा, थाना ब्यौहारी, जिला शहडोल को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी ब्यौहारी निरीक्षक अभिलाष मिश्रा के नेतृत्व में सउनि, गया प्रसाद, आरक्षक सुजीत सिंह एवं आरक्षक गंगा सागर गुप्ता की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।



कुमार मंगलम में दीपावली महोत्सव का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। शासकीय कुमार मंगलम बालक विद्यालय में शिक्षक परिवार द्वारा दीपावली के उपलक्ष्य में दीपावली महोत्सव 2026 पर्व बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर रंगोली दिया सजावट पोस्टर बनाना एवं नुक्कड़ नाटक जैसे संदेशात्मक कार्यक्रम विद्यालय के बच्चो द्वारा प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चो में एक नई ऊर्जा का आगाज एवं बौद्धिक विकास करने का था। ऐसे कलाकृति एवं रचनात्मक कार्यक्रमों से बच्चो के अंदर भावतामक एवं राष्ट्र के प्रति प्रेम की अनुभूति होती है। बच्चो ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर प्रथम द्वितीय एक तृतीय स्थान अर्जित किया। इस अवसर पर बच्चों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य जी पी सूर्यवंशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुवात की की।



नौ घंटे तक ट्रक में फंसी रही खलासी की सांसें, सुबह क्रेन से निकाला बाहर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। रविवार 1 नवम्बर को उचेहरा-घोरचत्र नदी के बीच हुए इस भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। हादसे में ट्रक चालक भी कोयले के नीचे दब गया था, लेकिन वह किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार, शहडोल से कटनी मार्ग होते हुए मैहर जा रहा कोयले से भरा ट्रक रात करीब 12 बजे उचेहरा और घोरचत्र नदी के बीच अचानक अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरा। दुर्घटना के समय ट्रक में चालक भगवान दास और खलासी सियालाल सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहन के अंदर फंस गए। दुर्घटना की खबर मिलते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस को सूचना दी गई। ट्रक चालक भगवान दास ने हादसे की वजह बताते हुए कहा कि वे धनपुरी से कोयला लेकर मैहर जा रहे थे। रास्ते में अचानक ट्रक की हेडलाइट बंद हो गई। इसी दौरान गाड़ी उछली और अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। चालक के मुताबिक, हादसे के बाद वह कोयले के नीचे दब गया था। काफी प्रयास के बाद किसी तरह खुद को बाहर निकालने में सफल रहा, लेकिन खलासी ट्रक के भीतर ही फंसा रह गया। इस हादसे में सबसे चुनौतीपूर्ण स्थिति खाराहनी निवासी करीब 36 वर्षीय खलासी सियालाल की रही। वह लगभग नौ घंटे तक क्षतिग्रस्त ट्रक के भीतर फंसा रहा। उसे बाहर निकालने के लिए पुलिस और बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। क्रेन और जेसीबी मशीनों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। सुबह तक चले लगातार प्रयासों के बाद आखिरकार खलासी को ट्रक से बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद उसे उपचार के लिए पाली अस्पताल भेजा गया। नौरोजाबाद थाना प्रभारी बालेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई थी। इसके बाद बिना देरी किए रेस्क्यू अभियान शुरू कराया गया। काफी मशक्कत के बाद सुबह खलासी को बाहर निकालकर उपचार के लिए पाली अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के बाद हाईवे पर यातायात भी प्रभावित हुआ। सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई।



सुरक्षित बचपन अभियान के तहत बाल छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित, 96 छात्र हुए शामिल''

उमरिया (स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन में रविवार 1 नवंबर को प्रातः 11 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास, लालपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुरक्षित बचपन अभियान एवं अखिल भारतीय विद्यालय जागरूकता अभियान के अंतर्गत बालकों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो एक्ट) के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रथम जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती नजमा बेगम की अध्यक्षता रही।

अवैध गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, 1.430 किलोग्राम गांजा एवं मोबाइल सहित 22,300 का मशरूका जब्त

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, परिवहन एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा इसमें संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में थाना अमलाई पुलिस द्वारा अवैध गांजा की बिक्री करने वाले एक आरोपी एवं गांजा वितरण करने वाले दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। थाना अमलाई पुलिस को बृजेन्द्र सिंह नामक व्यक्ति द्वारा अवैध गांजा रखकर राहगीरों को बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर संदेही बृजेन्द्र सिंह पिता स्व. नकुल सिंह उम्र 57 वर्ष निवासी ग्राम बिछिया, वार्ड क्रमांक 04, थाना अमलाई की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1.430 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 14,300 है, बरामद कर विधिवत जब्त किया गया। पूछताछ में आरोपी बृजेन्द्र सिंह द्वारा उक्त गांजा घनश्याम महरा पिता स्व. बबन प्रसाद महरा उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम बकही, थाना चचाई, जिला अनूपपुर से प्राप्त होना बताया गया, जिसके बाद पुलिस टीम द्वारा ग्राम बकही पहुंचकर दूसरे आरोपी घनश्याम महरा को दस्तयाब किया गया। उसके कब्जे से एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन कीमत 8,000 जब्त किया गया। पूछताछ में घनश्याम महरा द्वारा भी गांजा सप्लाई करना स्वीकार किया गया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना अमलाई में धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में 1.430 किलोग्राम अवैध गांजा कीमत 14,300 एवं एक मोबाइल फोन कीमत 8,000, कुल 22,300 का मशरूका जब्त किया गया है। सराहनीय भूमिका उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी अमलाई निरी. भूपेन्द्र मणी पाण्डेय के नेतृत्व में सउनि. अमृतलाल परस्ते, सउनि. शिवनारायण प्रजापति, प्र. आर. पुष्पेन्द्र कुमार, प्र.आर. मुकेश कुमार, प्र.आर. शिवप्रसाद उईके, आर. रविशंकर, आर. मुद्रिका प्रसाद साकेत, म.आर. अमीना मरकाम, म.आर. खुशबू प्रजापति एवं साइबर सेल शहडोल के आरक्षक सत्यप्रकाश मिश्रा की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।



अमरपुर-मेहंदवानी में जंगली हाथी की दस्तक, ग्रामीणों को अलर्ट रहने के निर्देश, जंगल जाने पर लगाई रोक

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले के अमरपुर एवं मेहंदवानी वन परिक्षेत्र की सीमा से लगे वन क्षेत्रों में एक जंगली हाथी के विचरण की सूचना मिलने के बाद वन विभाग सतर्क हो गया है। हाथी की गतिविधियों को देखते हुए आसपास के गांवों और आबादी वाले क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका जताई गई है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की है। इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरपुर सामान्य द्वारा जनपद पंचायत अमरपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र जारी कर जन-जागरूकता अभियान में सहयोग मांगा गया है। पत्र में कहा गया है कि हाथी के विचरण के परिणामस्वरूप जनहानि, जनघायल, पशुहानि अथवा पशुघायल जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए समय रहते आमजन को जागरूक और सतर्क करना बेहद जरूरी है। वन विभाग ने जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों और आबादी क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों एवं संबंधित मैदानी अमले के माध्यम से मुनादी और सूचना प्रसारित कराने का अनुरोध किया है। मुनादी के जरिए ग्रामीणों को स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि हाथी के विचरण से उत्पन्न संभावित खतरे की स्थिति सामान्य होने और वन विभाग की अगली सूचना जारी होने तक किसी भी उद्देश्य से जंगल में प्रवेश न करें। विशेष रूप से लकड़ी, चारा और अन्य वनोपज एकत्र करने के लिए जंगल जाने तथा मवेशियों को चराने के लिए वन क्षेत्र में ले जाने से परहेज करने की अपील की गई है। वन विभाग ने यह भी कहा है कि ग्रामीण किसी भी तरह का जोखिम न उठाएं और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने पत्र के साथ जन-जागरूकता पंपलेट भी संलग्न किया है। इसे जनपद पंचायत के सभी गांवों और आबादी क्षेत्रों में व्यापक रूप से वितरित कराने के साथ ग्राम पंचायत भवनों एवं अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा कराने का आग्रह किया गया है, ताकि हाथी के विचरण की जानकारी अधिक से अधिक ग्रामीणों तक पहुंच सके। पत्र में इस विषय को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए कहा गया है कि एक ओर आमजन के बहुमूल्य जीवन और संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है, वहीं दूसरी ओर वन्यजीवों एवं उनके प्राकृतिक व्यवहार का संरक्षण भी महत्वपूर्ण है। वन विभाग द्वारा स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक निगरानी और एहतियाती कार्रवाई की जा रही है।



शिव मंदिर के तालाब का इस्टीमेट से हटकर सौंदर्यीकरण..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया के ग्राम बिलाइकॉप में शिव मंदिर के पास स्थित तालाब के निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य में गंभीर अनियमितताओं का मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोल इंडिया की खदानों से मिलने वाली सीएसआर मद की राशि से आरईएस विभाग उमरिया के माध्यम से कराए गए इस कार्य में गुणवत्ता और निर्धारित तकनीकी मापदंडों की खुलेआम अनदेखी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के अनुसार तालाब के बेस की खुदाई यानी गहरीकरण निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं कराया गया। वहीं तालाब में आने-जाने के लिए बनाई गई सीढ़ियों का निर्माण निर्धारित इस्टीमेट के अनुसार कंक्रीट से कराने के बजाय फ्लाई ऐश ब्रिक्स से किए जाने का आरोप है। ऐसे में सवाल उठता है, कि जब निर्माण कार्य के लिए बाकायदा तकनीकी इस्टीमेट और मापदंड तय किए गए थे, तो फिर उनके विपरीत निर्माण कैसे करा दिया गया? पिपरिया पंचायत के बिलाइकॉप गांव में शिव मंदिर के पास स्थित तालाब सौंदर्यीकरण का कार्य कोल इंडिया के सीएसआर मद से आरईएस विभाग को लगभग 31 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत हुआ है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य का टेण्डर संविदाकार मिश्रा नामक फर्म ने लगभग 32-33 प्रतिशत कम दर (बिलो रेट) पर लगभग 21 लाख रुपये में प्राप्त किया। ऐसे में चल रहे निर्माण को लेकर कार्य की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों का आरोप है, कि स्वीकृत राशि और निविदा की वास्तविक लागत का अंतर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, एवं पारदर्शिता पर सवाल तो उठा ही रहा है। वहीं मौके पर कार्य की लागत, कार्य मद और निर्माण एजेंसी की जानकारी बताने वाला कोई सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया। ऐसे में निर्माण की गुणवत्ता शंका के घेरे में तो है। साथ ही एस्टीमेट से पर निर्माण और विभाग की लापरवाही भी दिख रही है। ग्रामीण एवं जनहित से जुड़े लोगों ने मांग की है कि जिला प्रशासन उमरिया व जिला पंचायत के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित तकनीकी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर तालाब निर्माण की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराएं। स्वीकृत इस्टीमेट, तकनीकी स्वीकृति, कार्यादेश, माप पुस्तिका और भुगतान अभिलेखों का भौतिक निर्माण से मिलान कराया जाए।



सागौन तस्करी का भंडाफोड़,पिकअप सहित 12 नग लकड़ी जब्त,एक आरोपी गिरफ्तार,दो फरार

उमरिया (स्वतंत्रमत)। रविवार 1 नवम्बर को नौरोजाबाद वन परिक्षेत्र में अवैध सागौन तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लकड़ियों से लोड एक पिकअप वाहन जब्त किया है।कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया,जबकि दो अन्य मौके से फरार हो गए।खबर है कि दरमियानी रात वन विभाग की टीम सघन गश्त पर थी।इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर वन परिक्षेत्र नौरोजाबाद अंतर्गत रहठा क्षेत्र के ग्राम बांदर चुआ और खैरखा के बीच तालाब के पास तड़के करीब 2.30 बजे घेराबंदी की गई।इस दौरान संदिग्ध पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 20 जीए 5398 को रोककर तलाशी ली गई।वाहन में बिना वैध दस्तावेज के परिवहन की जा रही सागौन की 12 नग सिल्ली बरामद हुई।वन अमले ने मौके पर ही लकड़ी और पिकअप वाहन जब्त कर लिया।वाहन मालिक की पहचान ग्राम हड़हा निवासी रवि विश्वकर्मा के रूप में हुई है।



आयुष्मान कार्ड के नाम पर फर्जी इलाज का खेल! 19 ग्रामीणों को लेकर जा रहे दो वाहन पकड़े, छह आरोपी गिरफ्तार

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के नाम पर ग्रामीणों को कथित तौर पर गुमराह कर सरकारी राशि का अनुचित लाभ लेने के प्रयास का मामला सामने आया है। शहपुरा में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 19 ग्रामीणों को जबलपुर ले जा रहे दो वाहनों को पकड़ा है। मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दोनों वाहनों को भी जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में ग्रामीणों को निःशुल्क और बेहतर इलाज का प्रलोभन देकर आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उपचार कराने के नाम पर ले जाने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को ग्राम पिपरिया माल एवं कौआझिर क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों को कुछ व्यक्ति स्वयं को जबलपुर स्थित सुखसागर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध बताकर इलाज कराने के लिए ले जा रहे थे। ग्रामीणों को निःशुल्क एवं बेहतर उपचार का भरोसा दिया गया था। इसके लिए वाहन क्रमांक स्क20क्ष1209 और स्क20ङ्घश्व2539 का इस्तेमाल किया जा रहा था। सूचना मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा एवं तहसीलदार शहपुरा की टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों को रोक लिया। दोनों वाहनों में सवार 19 ग्रामीणों का खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) शहपुरा के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। जांच के दौरान किसी भी ग्रामीण में गंभीर बीमारी नहीं पाई गई। इसके बाद मामले को लेकर प्रारंभिक जांच की गई, जिसमें बिना स्पष्ट चिकित्सकीय आवश्यकता के ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से इलाज कराने के नाम पर जबलपुर ले जाने की बात सामने आई। ग्रामीणों के बयानों में भी उन्हें आयुष्मान कार्ड के जरिए उपचार कराने के लिए ले जाने की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों को कथित रूप से प्रलोभन देकर शासकीय स्वास्थ्य योजना की राशि का अनुचित लाभ लेने और शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने के प्रयास के आरोप में थाना शहपुरा में अपराध क्रमांक 624/2026 के तहत धारा 318(4), 61(2), 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।पुलिस ने मामले में उमेश मिश्रा, अवधेश दुबे, विमल राय, संतोष कुमार पटेल (प्रचारक), संजय दुबे और राजा खरे (ड्राइवर) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा जबलपुर स्थित सुखसागर मेडिकल कॉलेज के मैनेजर संजय शर्मा के कहने पर पिछले 4-5 वर्षों से इस प्रकार का कार्य किए जाने की जानकारी दिए जाने की बात पुलिस की ओर से सामने आई है।



कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उमरिया (म.प्र.)
(जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई आर.सी.एच./ एन.एच.एम. जिला उमरिया मध्यप्रदेश)

//प्रेस-नोट//

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का पत्र क्रमांक / एन.एच.एम./CHN/E-358999/2026/6295 भोपाल दिनांक 21.09.2026 वित्तीय वर्ष 2026-27 में एनीमिया स्क्रीनिंग हेतु Cuvette-Based Digital Hemoglobinometer (DHB) Device के विकेन्द्रीकृत क्रय (Decentralized Procurement) से भारत शासन द्वारा दिनांक 29 जून 2026 को जारी एनीमिया मुक्त भारत अभियान (AMB 2.0) की मार्गदर्शिका के अनुसार गर्भवती महिलाओं, शिशुओं, 6 से 19 वर्ष के बच्चों/किशोर-किशोरियों एवं धात्री माताओं की एनीमिया स्क्रीनिंग, उपचार तथा पुनः जॉच / फॉलो-अप सुनिश्चित किये जाने हेतु मैदानी स्तर पर Digital Hemoglobinometer एवं Cuvettes की उपलब्धता हेतु Gem Portal के माध्यम से बिड संख्या / Bid Number: GEM/2026/./8210881 दिनांक 28.10.2026 से बिड बंद होने की तारीख 18.11.2026 समय दोपहर 15:00:00 एवं बिड खुलने की तारीख 19.11.2026 समय दोपहर 15:00:00 है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उमरिया (म.प्र.)

आत्मकथ्य : जयशंकर प्रसाद और छायावाद की आत्मस्वीकृति

जयशंकर प्रसाद का जन्म 30 जनवरी 1889 को वाराणसी (काशी) में एक संपन्न वैश्य परिवार में हुआ। उनके पिता देवीप्रसाद साहू तंबाकू के प्रसिद्ध व्यापारी थे, जिन्हें सुंघनी साहू कहा जाता था। बचपन में ही माता-पिता और बड़े भाई का निधन हो जाने से परिवार और व्यापार का भार उन पर आ गया। स्कूली शिक्षा अधिक नहीं हुई, पर घर पर ही उन्होंने संस्कृत, हिंदी, उर्दू और फारसी का गहन अध्ययन किया।

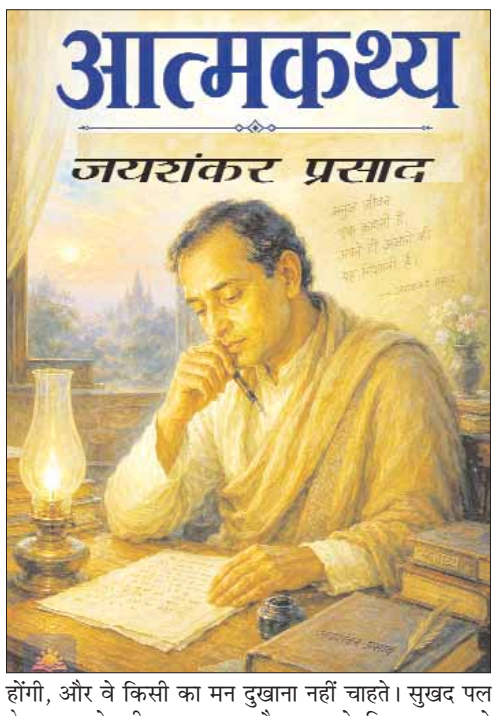
वे छायावाद के प्रमुख स्तंभ थे। उनकी प्रमुख रचनाएँ कामायनी, आँसू और लहर (काव्य), स्कंदगुप्त, चंद्रगुप्त और ध्रुवस्वामिनी (नाटक) तथा कंकाल और तितली (उपन्यास) हैं। 15 नवंबर 1937 को क्षय रोग (टी.बी.) से उनका निधन हो गया।

कविता का परिचय

यह कविता 1932 में हंस पत्रिका के आत्मकथा विशेषांक के लिए लिखी गई, जिसका संपादन प्रेमचंद कर रहे थे। प्रसाद अपनी आत्मकथा लिखना नहीं चाहते थे। इसी संकोच को उन्होंने कविता में व्यक्त किया।

मूल भाव

कवि कहते हैं कि उनका जीवन सीधा-सादा और साधारण है, उसमें ऐसा कुछ नहीं जो दूसरों के लिए प्रेरक बने। उनके जीवन में दुख, पीड़ा और छले जाने की घटनाएँ हैं, जिन्हें सबके सामने रखना वे उचित नहीं समझते। उन्हें डर है कि आत्मकथा लिखने से दूसरों की कमज़ोरियाँ भी उजागर



होंगी, और वे किसी का मन दुखाना नहीं चाहते। सुखद पल केवल सपने की तरह आए और हाथ से निकल गए। वे अपनी मधुर स्मृतियों को ही जीवन का सहारा मानते हैं और उन्हें दूसरों के सामने खोलना नहीं चाहते। अंत में वे कहते हैं कि अभी कथा का समय ही नहीं आया, और मौन रहना बेहतर है।

काव्य-सौंदर्य

प्रतीक -मधुप (भौंरा) कवि के मन का प्रतीक है, जो गुनगुनाकर अपनी कहानी कहता है।

भाषा - तत्सम शब्दों से भरी, परिष्कृत खड़ी बोली।

शैली - छायावादी, भावुक और आत्मपरक।

अलंकार - रूपक, मानवीकरण और अनुप्रास की सुंदर छटा।

विशेषता - विनम्रता, सहृदयता और मर्यादा का भाव।

परीक्षा के लिए खास टिप्स

- कवि का नाम, काल और रचनाएँ अवश्य याद रखिए। यह 1-2 अंक का प्रश्न हो सकता है।
- मधुप का प्रतीकार्थ और हंस पत्रिका का संदर्भ बार-बार पूछे जाते हैं।
- भावार्थ लिखते समय पहले सरल अर्थ, फिर भाव और अंत में काव्य-सौंदर्य लिखिए।
- पाठ्यपुस्तक की पंक्तियाँ सही रूप में उद्धृत कीजिए, मात्राओं की अशुद्धि न हो।
- कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता? इस प्रश्न के उत्तर में सादा जीवन, दुख, दूसरों की गोपनीयता और स्मृतियों की रक्षा, चारों बिंदु लिखिए।

परीक्षा की तैयारी, काव्य की आत्मा, रस और उसके नौ भेद



काव्य को पढ़ने, सुनने या नाटक देखने से पाठक या श्रोता को जो आनंद मिलता है, उसे रस कहते हैं। रस को काव्य की आत्मा कहा जाता है। भरतमुनि ने अपने नाट्यशास्त्र में इसका विस्तार से वर्णन किया है। स्कूल, कॉलेज से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं में रस संबंधी प्रश्नों की बहुलता और विविधता देखने को मिलती है। यदि हम इसके आधार को समझ गए तो विविध परीक्षाओं में पूछे जाने प्रश्नों को बेहतर तरीके से लिख सकते हैं।

रस के अंग (चार)

(क) स्थायी भाव - हृदय में स्थायी रूप से रहने वाले भाव, जो रस का आधार बनते हैं। जैसे रति, हास, शोक, क्रोध, उत्साह।

(ख) विभाव - वे कारण जिनसे भाव जागृत होते हैं। इसके दो भेद हैं -

1 आलंबन विभाव - जिसके कारण भाव जागे (जैसे नायक-नायिका)।

2 उद्दीपन विभाव - जो भाव को और बढ़ाए (जैसे चाँदनी रात, वातावरण)।

(ग) अनुभाव - भाव के कारण शरीर में दिखने वाले बाहरी लक्षण, जैसे आंसू आना, कांपना, रोमांच, मुस्कुराना।

(घ) संचारी (व्यभिचारी) भाव - मन में आने-जाने वाले अस्थिर भाव, जैसे चिंता, हर्ष, आशंका, लज्जा। इनकी संख्या 33 मानी गई है।

नौ रस, विस्तार से, उदाहरण सहित

भरतमुनि के अनुसार रस आठ थे। बाद में शांत रस जुड़ने से नौ रस माने गए। हर रस के नीचे परिभाषा, स्थायी भाव, व्याख्या और उदाहरण को सरल शब्दों में बताया गया है।

श्रृंगार रस (स्थायी भाव, रति)

जब काव्य में स्त्री-पुरुष के प्रेम, मिलन या बिछोह का वर्णन पढ़कर प्रेम का भाव जागता है, तब श्रृंगार रस होता है। इसे रसराज कहा जाता है। इसके दो भेद हैं, संयोग श्रृंगार (मिलन का वर्णन) और वियोग श्रृंगार (बिछोह का वर्णन)।

संयोग का उदाहरण (बिहारी)

कहत नटत रीझत खिझत, मिलत खिलत लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैनन ही सों बात।।

वियोग का उदाहरण (सूरदास)

निसिदिन बरसत नयन हमारे।
सदा रहति पावस ऋतु हम पै जब तें स्याम सिधारे।।

रस पहचान - आलंबन नायक-नायिका, अनुभाव आँखों से बात करना, संचारी भाव लज्जा और हर्ष।

हास्य रस (स्थायी भाव, हास)

किसी की विचित्र वेशभूषा, अटपटी बोली, बेतुकी हरकत या अनोखे व्यवहार को देखकर जो हंसी आती है, उसकी अभिव्यक्ति से हास्य रस बनता है। इसमें किसी का मज़ाक उड़ाने के बजाय स्वस्थ मनोरंजन होता है।

उदाहरण (भाव समझाने हेतु सरल पंक्तियाँ)

हाथी जैसा बदन है, चूहे जैसी चाल।
पहलवान जी चल दिए, सबका हुआ बेहाल।।

रस पहचान - आलंबन विचित्र व्यक्ति, उद्दीपन उसकी हरकतें, अनुभाव हँसना और ठहाके लगाना। परीक्षा में अपनी पुस्तक का उदाहरण ही लिखना बेहतर है।

करुण रस (स्थायी भाव, शोक)

प्रियजन के बिछड़ने, मृत्यु, दुर्दशा या किसी के दुख का वर्णन पढ़कर हृदय में जो शोक और दया जागती है, वह करुण रस है। जब हमारा मन दूसरे के दुख से द्रवित हो जाए, वहाँ यही रस होता है।

उदाहरण (मैथिलीशरण गुप्त)

अबला जीवन हाय! तुम्हारी यही कहानी।
आँचल में है दूध और आँखों में पानी।।

रस पहचान - आलंबन दुखी नारी, अनुभाव आँखों में आँसू, संचारी भाव दैन्य और विषाद।

रौद्र रस (स्थायी भाव, क्रोध)

अपमान, अन्याय या शत्रु के अहंकार से उत्पन्न क्रोध का वर्णन जब पाठक को उत्तेजित कर दे, तब रौद्र रस होता है। इसमें आँखें लाल होना, गर्जना, भौंहें तनना जैसे लक्षण दिखते हैं। एमपी बोर्ड कक्षा 10 के राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम का क्रोध इसका सटीक उदाहरण है।

उदाहरण (तुलसीदास)

सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा।
सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।

रस पहचान - आलंबन शिवधनुष तोड़ने वाला (राम), अनुभाव गर्जना और कठोर वचन, संचारी भाव उग्रता और आवेश।

वीर रस (स्थायी भाव, उत्साह)

युद्ध, बलिदान, दान, दया या धर्म के कार्यों में वीरता और उत्साह का वर्णन पढ़कर हृदय में जोश भर जाता है। इसके चार भेद माने जाते हैं, युद्धवीर, दानवीर, दयावीर और धर्मवीर।

उदाहरण (सुभद्राकुमारी चौहान)

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

रस पहचान - आलंबन रानी लक्ष्मीबाई, अनुभाव साहस और युद्ध करना, संचारी भाव गर्व और धैर्य।

भयानक रस (स्थायी भाव, भय)

भयंकर जीव, डरावने दृश्य या संकट की स्थिति का वर्णन पढ़कर जब मन में डर पैदा होता है, तब भयानक रस होता है। इसमें कांपना, पसीना आना, भागना, चीखना जैसे अनुभाव दिखते हैं।

उदाहरण

एक ओर अजगरहिं लखि, एक ओर मृगराय।
विकल बटोही बीच ही, परयो मूरछा खाय।।

रस पहचान - आलंबन अजगर और सिंह, अनुभाव मूर्छित होना, संचारी भाव घबराहट और व्याकुलता।

वीभत्स रस (स्थायी भाव, जुगुप्सा / घृणा)

गंदे, घिनौने, सड़े-गले या अप्रिय दृश्यों का वर्णन पढ़कर मन में जो घृणा उत्पन्न होती है, उसे वीभत्स रस कहते हैं। श्मशान, युद्धभूमि के शव और मांस नोचते पशु-पक्षी इसके सामान्य दृश्य हैं।

उदाहरण (भारतेंदु हरिश्चंद्र)

सिर पर बैठो काग आँख दोउ खात निकारत।
खींचत जीभहिं स्यार अतिहि आनंद उर धारत।।

रस पहचान - आलंबन शव, अनुभाव मुँह फेरना और थूकना, संचारी भाव ग्लानि और आवेग।

अद्भुत रस (स्थायी भाव, विस्मय / आश्चर्य)

अलौकिक, असंभव या चमत्कारी घटनाओं का वर्णन पढ़कर जब मन आश्चर्य से भर जाता है, तब अद्भुत रस होता है। इसमें आँखें फैलना, रोमांच और गदगद वाणी जैसे लक्षण दिखते हैं।

उदाहरण

अखिल भुवन चर-अचर सब, हरि मुख में लखि मातु।
चकित भई गद्गद वचन, विकसित दृग पुलकातु।।

रस पहचान - आलंबन श्रीकृष्ण के मुख में संपूर्ण ब्रह्मांड, अनुभाव आँखें फैलना और रोमांच, संचारी भाव आश्चर्य और हर्ष।

शांत रस (स्थायी भाव, निर्वेद / वैराग्य)

संसार की नश्वरता, ईश्वर-भक्ति, आध्यात्मिक चिंतन और वैराग्य का वर्णन पढ़कर मन में जो शांति और विरक्ति का भाव आता है, वह शांत रस है। यह नवा रस है और संत कवियों की रचनाओं में प्रमुखता से मिलता है।

उदाहरण (कबीर)

माटी कहे कुम्हार से, तू क्या रौंदे मोय।
एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूँगी तोय।।

रस पहचान - आलंबन संसार की नश्वरता, अनुभाव गंभीर चिंतन, संचारी भाव धैर्य और मति।

परीक्षा टिप्स

- रस पहचानने के लिए पहले पंक्ति का भाव समझिए, फिर स्थायी भाव से रस तय कीजिए।
- उत्तर में परिभाषा, स्थायी भाव, उदाहरण और संभव हो तो आलंबन, उद्दीपन, अनुभाव, संचारी भाव भी लिखिए।
- उदाहरण पाठ्यपुस्तक से लें, क्योंकि वही सबसे सुरक्षित रहते हैं।

संस्कृत, शब्दों में संचित सभ्यता

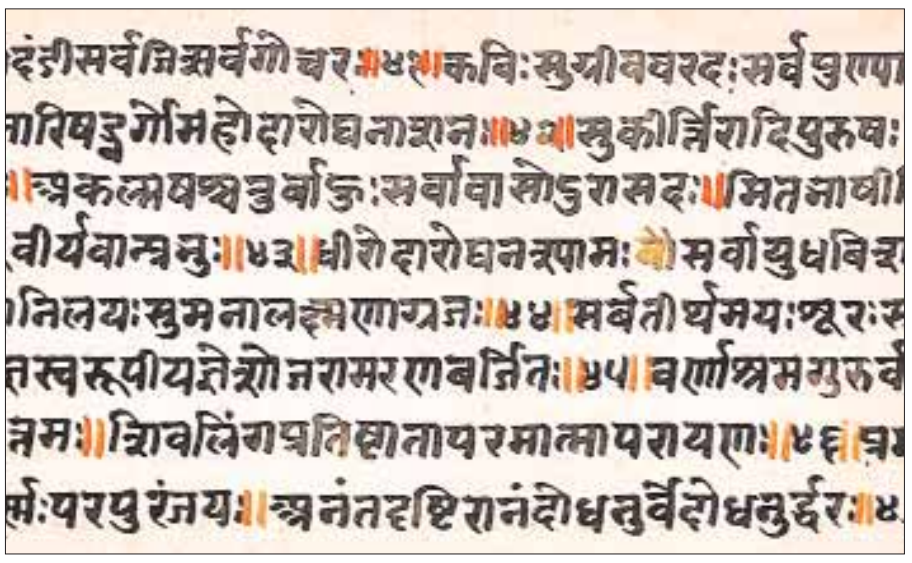
किसी सभ्यता की पहचान केवल उसके स्मारकों और इतिहास से नहीं होती। उसकी सबसे गहरी स्मृतियाँ अक्सर उसके शब्दों में सुरक्षित रहती हैं। संस्कृत इसी दृष्टि से हज़ारों वर्षों की बौद्धिक और सांस्कृतिक स्मृति को सँजोने वाली भाषा है।

शब्द केवल शब्द नहीं होते

धर्म, कर्म, योग, संस्कार और अहिंसा जैसे शब्द शब्दकोश की एक पंक्ति में पूरी तरह नहीं समाते। उदाहरण के लिए ऋतु केवल मौसम नहीं है। भारतीय परंपरा में इसका संबंध कृषि, उत्सव, आहार और प्रकृति के चक्र से भी रहा है। इसी तरह संस्कार व्यक्ति के जीवन को परिष्कृत करने और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने की अवधारणा है।

प्रकृति को देखने की दृष्टि

संस्कृत साहित्य में प्रकृति केवल पृष्ठभूमि नहीं, जीवन का सक्रिय हिस्सा है। वृक्ष, नदी, पर्वत, वर्षा, सूर्य और चंद्रमा के लिए विस्तृत शब्द-संपदा मिलती है। श्पृथ्वीश् को धारण करने वाली सत्ता माना गया है। यह दिखाता है कि भाषा में पर्यावरण के प्रति समाज की दृष्टि दर्ज होती है।



ज्ञान की अवधारणा

विद्या, ज्ञान, बोध, प्रज्ञा और विज्ञान जैसे शब्द केवल सूचना पाने के अर्थ में नहीं आते। भारतीय दर्शन में ज्ञान का संबंध सत्य की खोज और आत्मबोध से रहा है। इसीलिए संस्कृत साहित्य मनुष्य, संसार और सत्य जैसे मूल प्रश्न उठाता है। आज विज्ञान शब्द आधुनिक विज्ञान के लिए स्थापित हो चुका है। यह एक प्राचीन शब्द के नए जीवन का उदाहरण है।

विज्ञान, चिकित्सा और गणित की परंपरा

चरक संहिता और सुश्रुत संहिता जैसे ग्रंथों में शरीर, रोग, आहार और औषधि पर विस्तृत चर्चा मिलती है। आर्यभट और ब्रह्मगुप्त की परंपरा ने गणित और खगोल के विचारों को आगे बढ़ाया। गणना, संख्या, ज्या और कोटि जैसे शब्द उस बौद्धिक संसार की ओर संकेत करते हैं। प्राचीन ग्रंथों का आधुनिक चिकित्सा से मूल्यांकन करते समय ऐतिहासिक संदर्भ और वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच अंतर रखना ज़रूरी है।

समाज और रिश्तों की स्मृति

अतिथि शब्द की व्युत्पत्ति तिथि से जुड़ी है। पारंपरिक व्याख्या में वह व्यक्ति जो तिथि बताए बिना आए, अतिथि कहलाता है। इससे अतिथि-सत्कार की परंपरा का पता चलता है। माता, पिता, भ्राता और भगिनी जैसे शब्द परिवार-केंद्रित जीवन को दिखाते हैं। इसलिए शब्दकोश को समाज का सांस्कृतिक मानचित्र भी कहा जा सकता है।

आज के समय में संस्कृत की प्रासंगिकता

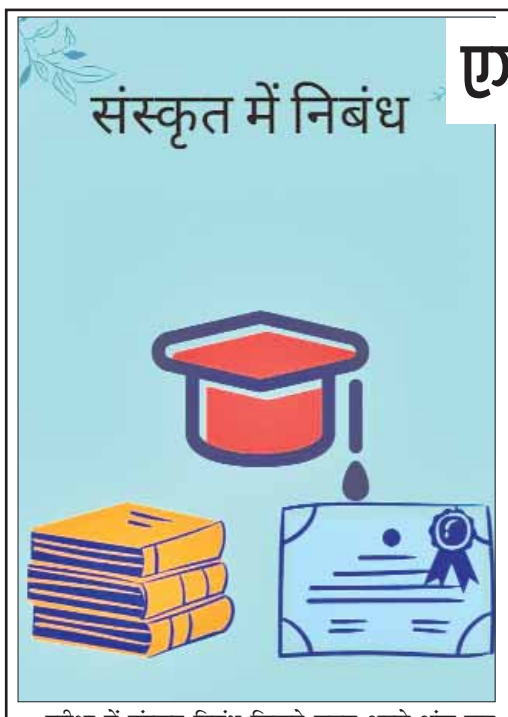
योग, कर्म, धर्म और अहिंसा जैसे शब्द आज भी हमारे जीवन में हैं। 'ल्वहं' और 'ज्ञंतउं' तो वैश्विक शब्दावली का हिस्सा बन चुके हैं। यह भी याद रखना चाहिए कि पालि, प्राकृत, तमिल और अनेक क्षेत्रीय भाषाओं ने भी भारतीय सभ्यता में योगदान दिया है। संस्कृत के ग्रंथों का डिजिटलीकरण, डिजिटल शब्दकोश और एआई आधारित शोध उपकरण इस विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचा सकते हैं।



आफरीन खान

टीचर
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

एग्जाम में संस्कृत निबंध लिखते समय बरतें सावधानियां



परीक्षा में संस्कृत निबंध लिखते समय अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए कुछ विशेष सावधानियों का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। व्याकरण की शुद्धता, छोटे वाक्यों का प्रयोग और शब्दों का सही चयन ही संस्कृत निबंध में पूरे अंक दिलाने का मुख्य आधार हैं।

संस्कृत निबंध लेखन के दौरान आपको निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए,

1 व्याकरण और वर्तनी

- विसर्ग और अनुस्वार का सही प्रयोग - संस्कृत में एक छोटे से विसर्ग या अनुस्वार के छूटने या गलत जगह लगने से पूरे शब्द का अर्थ बदल जाता है या वह व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध हो जाता है।

हलन्त का ध्यान - क्रियाओं और शब्दों के अंत में कहाँ हलन्त लगाना है और कहाँ नहीं, इसका पूरा ध्यान रखें।

कारक और विभक्ति - कर्ता, कर्म और क्रिया का तालमेल (पुरुष और वचन के अनुसार) सही होना चाहिए। जिस विभक्ति की आवश्यकता हो, उसी का प्रयोग करें।

2 वाक्य संरचना

छोटे और सरल वाक्य - परीक्षा में जटिल या बहुत लंबे वाक्य लिखने से बचें। वाक्य जितने छोटे और सरल होंगे, व्याकरण की गलतियाँ होने की संभावना उतनी ही कम होगी।

सटीक क्रिया रूप - धातु रूप (लकार) और शब्द रूप का सही और सटीक प्रयोग करें। यदि भूतकाल की बात हो रही है तो लङ्लकार और भविष्य की बात हो रही है तो लृट् लकार का ही प्रयोग करें।

3 प्रारूप और प्रस्तुति

शीर्षक - निबंध की शुरुआत में सबसे ऊपर मोटे और साफ अक्षरों में विषय का नाम (शीर्षक) जरूर लिखें।

बिंदुवार लेखन - यदि परीक्षा में अंकों के आधार पर (जैसे 5 या 10 पंक्तियों का निबंध) पूछा गया है, तो नंबर डालकर (1, 2, 3...) साफ-साफ पंक्तियाँ लिखें। यदि पैराग्राफ में लिखना हो, तो विचारों को छोटे-छोटे अनुच्छेदों में बाँटें।

सुलेख और स्वच्छता - संस्कृत की लिखावट (देवनागरी लिपि) साफ और स्पष्ट होनी चाहिए। शब्दों के ऊपर की रेखा सीधी और पूरी खींचें। ज्यादा काटा-पीटी करने से बचें।

4 सामग्री और विषय-वस्तु

सीमित और प्रासंगिक शब्द - विषय से न भटकें। जो पूछा गया है, सीधे उसी के बारे में लिखें। अनावश्यक वाक्यों को जोड़कर निबंध को लंबा खींचने का प्रयास न करें।

सूक्तियों या श्लोकों का प्रयोग - यदि विषय से संबंधित कोई प्रसिद्ध श्लोक, सूक्ति या नीतिवचन याद हो, तो उसे अवश्य लिखें। इससे परीक्षक पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है और अंक अच्छे मिलते हैं।

कठिन शब्दों से बचें - यदि आपको किसी हिंदी शब्द की सटीक संस्कृत नहीं पता है, तो उसका जबरदस्ती संस्कृत रूपांतरण करने के बजाय किसी वैकल्पिक सरल संस्कृत शब्द का प्रयोग करें।

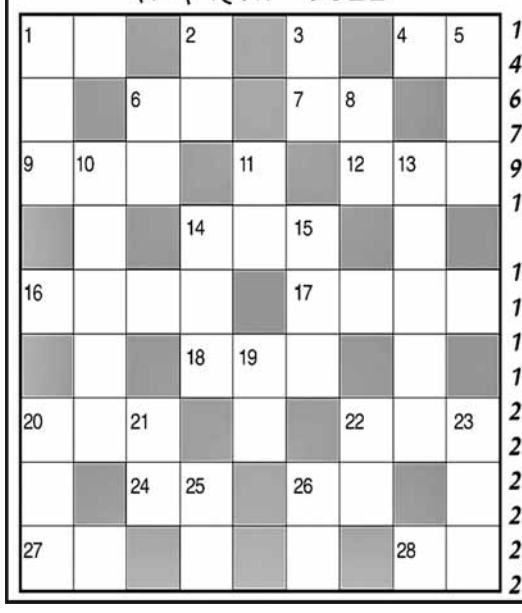
दर्पण टिप्स

निबंध पूरा लिखने के बाद आखिरी के 5 मिनट मात्राओं, विसर्गों और हलन्त की दोबारा जाँच करने के लिए जरूर बचाकर रखें। मात्रागत शुद्धता आपके निबंध पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे और आपको पूरे अंक मिलेंगे।

संस्कृत भाषा के रोचक तथ्य

- मात्र 3,000 वर्ष पूर्व तक भारत में संस्कृत बोली जाती थी तभी तो ईसा से 500 वर्ष पूर्व पाणिणी ने दुनिया का पहला व्याकरण ग्रंथ लिखा था, जो संस्कृत का था। इसका नाम 'अष्टाध्यायी' है।
- संस्कृत, विश्व की सबसे पुरानी पुस्तक (ऋग्वेद) की भाषा है। इसलिये इसे विश्व की प्रथम भाषा मानने में कहीं किसी संशय की संभावना नहीं है।
- संस्कृत भाषा की सुस्पष्ट व्याकरण और वर्णमाला की वैज्ञानिकता के कारण सर्वश्रेष्ठता भी स्वयं सिद्ध है।
- संस्कृत ही एक मात्र साधन हैं जो क्रमशः अंगुलियों एवं जीभ को लचीला बनाते हैं।
- नासा का कहना है की 6जी और 7 जी जनरेषन सुपर कम्प्यूटर संस्कृत भाषा पर आधारित होंगे।
- संस्कृत विद्वानों के अनुसार सौर परिवार के प्रमुख सूर्य के एक ओर से 9 रश्मिया (बी ऑफ लाइट) निकलती हैं और ये चारों ओर से अलग-अलग निकलती हैं। इस तरह कुल 36 रश्मियां हो गईं। इन 36 रश्मियों के ध्वनियों पर संस्कृत के 36 स्वर बने।
- कहा जाता है कि अरबी भाषा को कंठ से और अंग्रेजी को केवल होंठों से ही बोला जाता है किंतु संस्कृत में वर्णमाला को स्वरों की आवाज के आधार पर कवर्ग, चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग, पवर्ग, अंतःस्थ और ऊष्म वर्गों में बांटा गया है।
- संस्कृत उत्तराखंड की आधिकारिक राज्य भाषा है।
- अरब आक्रमण से पहले संस्कृत भारत की राष्ट्रभाषा थी।
- कर्नाटक के मट्टूर गाँव में आज भी लोग संस्कृत में ही बोलते हैं।
- जर्मनी के 14 विश्वविद्यालय लोगों की भारी मांग पर संस्कृत की शिक्षा उपलब्ध करवा रहे हैं लेकिन आपूर्ति से ज्यादा मांग होने के कारन वहाँ की सरकार संस्कृत सीखने वालों को उचित शिक्षण व्यवस्था नहीं दे पा रही है।
- हिन्दू युनिवर्सिटी के अनुसार संस्कृत में बात करने वाला मनुष्य बीपी, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल आदि रोग से मुक्त हो जाएगा।
- संस्कृत में बात करने से मानव शरीर का तंत्रिका तंत्र सक्रिय रहता है। जिससे कि व्यक्ति का शरीर सकारात्मक आवेश के साथ सक्रिय हो जाता है।
- यूनेस्को ने भी मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की अपनी सूची में संस्कृत वैदिक जाप को जोड़ने का निर्णय लिया गया है। यूनेस्को ने माना है कि संस्कृत भाषा में वैदिक जप मानव मन, शरीर और आत्मा पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
- शोध से पाया गया है कि संस्कृत पढ़ने से स्मरण शक्ति (याददाश्त) बढ़ती है।
- संस्कृत वाक्यों में शब्दों की किसी भी क्रम में रखा जा सकता है। इससे अर्थ का अनर्थ होने की बहुत कम या कोई भी सम्भावना नहीं होती। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सभी शब्द विभक्ति और वचन के अनुसार होते हैं। जैसे- अहं गृहं गच्छामि झया गच्छामि गृहं अहं दोनों ही ठीक हैं।

शब्द पहेली - 9022



बाएँ से दाएँ

1. ध्वज, पताका-2
4. वहम, संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली, रिक्त-2
9. रसूल, अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय, बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना, महीन करना-3
20. उष्ण, गर्म-3
22. उत्तम, विष्णु अवतार-3
24. परत, तह-2
26. खेती-2
27. अधर, होठ-2
28. ताऊ की पत्नी, बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर, अप्सरा-2
5. सूक्ति, वाणी, शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार, सितारा-2
10. रोचक, सुंदर, मनोहारी-5
11. शीतलता, मुठभेड़-2
13. सतरंगा, शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक, एकमात्र-3
15. हवस, कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर, विष-3
21. आनंदित, मनमौजी-2
22. मुनि, साधू-2
23. अच्छाई, सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा, कीट-2

शब्द पहेली -9021 का हल

	जी	स	स		ग	ब	रु	
न	ध		ज		र		त	ह
जा			ग	र	ज	ना		ल
रा	ह	त		स्म		म	ह	क
		र	ज		रां	घी		
ज	न	क		खा		न	स	ल
मी		श	ब	न	म			ह
न	म		हा		ज		जो	र
	त	ल	ना			मा	लि	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

एसडीएम राहुल सिलाडिया की सख्त कार्रवाई से सतना में हड़कंप अवैध कारोबारियों में दहशत

अवैध कब्जा और अवैध लहसुन भंडारण पर ताबड़तोड़ छापेमारी 110 क्विंटल लहसुन जब्त तीन दुकानें सील सड़क अतिक्रमण भी हटाया





सतना स्वतंत्र मत

सतना शहर में इन दिनों सिटी एसडीएम राहुल सिलाडिया की कार्रवाई की खूब चर्चा हो रही है। जब से श्री सिलाडिया ने सिटी एसडीएम का पदभार ग्रहण किया हैए तब से उन्होंने कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफजिस सख्ती से मोर्चा संभाला है उससे पूरे सतना शहर में हड़कंप मचा हुआ है। खासतौर पर अवैध कब्जा करने वालेए मंडी शुल्क की चोरी करने वाले और बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से लहसुन का भंडारण करने वाले व्यापारियों में दहशत का माहौल है। प्रशासन की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई को आम जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले कई महिनों से एसडीएम राहुल सिलाडिया के निर्देश पर राजस्व नगर निगम और कृषि उपज मंडी समिति की संयुक्त टीम ने सतना शहर के कई इलाकों में एक साथ छापेमारी की। सबसे बड़ी कार्रवाई डेलौरा गांधी सब्जी बाजार रीवा रोड कोठी रोड सिविल लाइन और बिरला रोड क्षेत्र में की गई।

110 क्विंटल अवैध लहसुन जब्त

पहले दिन मंडी प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कमना ट्रेडर्स और चंदन कुमार की दुकान और गोदाम पर छापा मारकर 83 क्विंटल अवैध लहसुन जब्त किया जिसकी बाजार कीमत लगभग 13 लाख रुपये आंकी गई है। दूसरे दिन देर रात 8.30 बजे भारसाधक अधिकारी राहुल सिलाडिया के निर्देश पर सचिव करुणेश तिवारी के नेतृत्व में टीम ने डेलौरा गांधी सब्जी बाजार में दबिश दी और बिना मंडी अनुमति के रखा गया 27 क्विंटल अवैध लहसुन और जब्त किया। इस प्रकार कुल 110 क्विंटल अवैध लहसुन जब्त कर डच् कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 के तहत प्रकरण दर्ज कर तीसरी दुकान को भी सील कर दिया गया। जांच में पता चला कि कई व्यापारी बाहर के राज्यों से सस्ता लहसुन लाकर बिना बिलए बिना मंडी फीस के गोदामों में जमा कर रहे थे और फिर उसे महंगे दामों पर बेच रहे थे। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान तो हो ही रहा था साथ ही स्थानीय किसानों को भी उनकी उपज का सही दाम नहीं मिल पा रहा था।

अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

केवल लहसुन ही नहीं एसडीएम सिलाडिया ने अवैध कब्जे के खिलाफ भी बड़ा अभियान छेड़ा है। कार्रवाई के दौरान सिविल लाइन महात्मा गांधी चौक बिरला रोड और बस स्टैंड के पास सड़क किनारे किए गए लगभग 15 से अधिक अस्थायी अतिक्रमण ठेले गुमटियां और टीनशेड को जेसीबी से हटाया गया। एसडीएम ने स्पष्ट कहा है कि सार्वजनिक मार्गों फुटपाथों और नाली.नालों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

व्यापारियों में हड़कंप आम जनता खुश

लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध कारोबार करने वाले व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है। कई व्यापारियों ने डर के मारे अपने गोदामों में ताला लगा दिया है और वैध कागजात दुरुस्त करने में लगे हैं। वहीं दूसरी ओर आम जनता और वैध तरीके से कारोबार करने वाले व्यापारियों ने एसडीएम की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद कोई अधिकारी है जो जमीनी स्तर पर आकर ईमानदारी से काम कर रहा है। व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों ने एसडीएम से मुलाकात कर मांग की है कि वैध व्यापारियों को परेशान न किया जाए। इस पर एसडीएम राहुल सिलाडीया ने उन्हें आश्वस्त किया है कि कार्रवाई केवल उन्हीं लोगों पर होगी जो नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। वैध लाइसेंस धारकों को डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मंडी अधिनियम के तहत कृषि उपज का भंडारण केवल अधिकृत मंडी प्रांगण में वैध लाइसेंस के साथ ही किया जा सकता है।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

एसडीएम राहुल सिलाडिया ने बताया कि यह अभियान अभी सिर्फ शुरुआत है। आगे भी शहर के अन्य क्षेत्रों में नियमित रूप से जांच की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध कब्जा अवैध भंडारण या मंडी शुल्क की चोरी की जानकारी मिले तो तुरंत कलेक्टर कार्यालय या सिटी एसडीएम कार्यालय को सूचना दें सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को अलर्ट पर रखा गया है। अगले हफ्ते से एक बार फिर अन्य मंडियों और बाजारों में भी सघन जांच अभियान चलाया जाएगा

पीड़ित परिवार को कैबिनेट मंत्री ने की 5 लाख की सहायता स्वीकृत

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । विगत दिवस सेवा सदन में साहू समाज के वरिष्ठजनों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा क्षेत्रीय विधायक उदय प्रताप सिंह से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने सुभाष वार्ड निवासी स्वर्गीय सुदेश साहू की धर्मपत्नी की हृदय विदारक घटना में असामयिक मृत्यु हो जाने पर उनके बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग को लेकर मंत्री जी को आवेदन सौंपा। आवेदन में बताया गया कि परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है और छोटे-छोटे बच्चों के भरण-पोषण एवं शिक्षा के लिए शासन स्तर से सहायता अति आवश्यक है। मामले की गंभीरता को समझते हुए कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की स्वीकृति प्रदान की। मंत्री जी के इस निर्णय पर साहू समाज ने आभार जताया है। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र साहू, रमेश साहू, अनिल साहू, एडवोकेट नितिन साहू, रज्जू साहू रुपाली, लखन साहू सहित गाडरवारा साहू समाज माँ कर्मा समिति के पदाधिकारी एवं समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।



मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह सम्मेलन 21 नवंबर को तेन्दूखेड़ा में होगा

नरसिंहपुर, । सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 का सामूहिक विवाह सम्मेलन 21 नवंबर 2026 को कृषि उपज मंडी, तेन्दूखेड़ा में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में शामिल होने के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर से बढ़ाकर 10 नवम्बर 2026 निर्धारित की गई है। उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार एक जिले में एक तिथि पर अधिकतम 200 जोड़ों का ही सामूहिक विवाह कराया जा सकता है। इसलिए पोर्टल पर दर्ज प्रथम 200 पात्र आवेदनों को ही सम्मेलन में शामिल किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए कन्या का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना तथा कन्या और उसके अभिभावक के पास बीपीएल कार्ड होना आवश्यक है। बीपीएल सत्यापन के साथ वर-वधू की समग्र ई-केवाईसी तथा कन्या के बैंक खाते में डीबीटी एवं ई-केवाईसी अनिवार्य है। कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक और वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। आवेदन के साथ संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अथवा नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी का अनापत्ति प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। इच्छुक हितग्राही आयु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट साइज फोटो, मूल निवासी प्रमाण पत्र तथा बैंक पासबुक की स्पष्ट छायाप्रति सहित आवेदन कार्यालय उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, नरसिंहपुर में जमा कर सकते हैं। हितग्राही निर्धारित तिथि तक आवेदन जमा करें।

अब आवेदक 10 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

प्रथम 200 पात्र आवेदनों को मिलेगा अवसर

विकसित भारत युवा संसद में युवाओं ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर रखे विचार

नरसिंहपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मेरा युवा भारत (माय भारत), नरसिंहपुर द्वारा जिला पंचायत सभागार में विकसित भारत युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जिले के युवाओं ने एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर अपने विचार प्रभावशाली एवं तार्किक ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी श्री उमंग जैन ने कहा कि युवा संसद युवाओं को अपने विचार व्यक्त करने तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने युवाओं को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एक



राष्ट्र, एक चुनाव के ऐतिहासिक, संवैधानिक एवं कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी। प्रतियोगिता में संवाद कौशल, विषय की प्रासंगिकता, रचनात्मकता एवं प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया गया। इसमें भूमि दुबे ने प्रथम, अमृता कौरव ने द्वितीय तथा देवांश पचौरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चयनित तीनों प्रतिभागी मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में नरसिंहपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को नई दिल्ली स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने का अवसर मिलेगा।

साई धाम मंदिर में 87वें निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। भगवान सत्य साई बाबा के संदेश च्मानव सेवा ही माधव सेवा हैज् को चरितार्थ करते हुए साई धाम मंदिर समिति कान्हरगांव के युवाओं द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केंद्र, साई धाम मंदिर कान्हरगांव में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाता है। इसी सेवा संकल्प की कड़ी में इस रविवार को 87वें निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें नगर सहित आसपास के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 103 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क उपचार एवं दवाइयां वितरित की गईं। मेडिकल कैंप की विशेष बात यह रही कि इसे पूरी तरह पॉलीथिन मुक्त रखा गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मरीजों को दवाइयां वितरित करने के लिए प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कागज के पैकेट एवं कपड़े के



थैलों का उपयोग किया गया। इस पहल के माध्यम से समिति के युवाओं ने स्वास्थ्य सेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। कैंप में चिकित्सक डॉ. स्वाति कुर्चानिया, डॉ. अरुण दोहरे, डॉ. संजय मोदी एवं डॉ. मनीष महोबिया ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। वहीं सहयोगी के रूप में राहुल गिरी गोस्वामी, प्रशांत सोनी बबलू भाई सहित साई धाम मंदिर समिति के युवाओं ने मरीजों के पंजीयन, व्यवस्थाओं एवं दवा वितरण में सक्रिय सहयोग दिया। इस निःशुल्क मेडिकल कैंप में होशंगाबाद, जबलपुर, रायसेन, पुरैना, घघरौला, सूखाखेरी, कठौतिया, घूरपुर, थलबाड़ा, बरेली, मगरमुंहा, गाडरवारा, चीचली, सुजवारा, घाटपिपरिया, धनौरा, चौरास, बेलखेड़ी, पीपरपानी, महलबाड़ा, महगवां एवं कान्हरगांव सहित अनेक गांवों के मरीज उपचार कराने पहुंचे। उल्लेखनीय है कि साई धाम मंदिर समिति के युवाओं द्वारा पिछले कई वर्षों से निरंतर प्रत्येक माह निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित कर जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सरदार पटेल जयंती पर विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर 490 लोगों ने उठाया लाभ

110 जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मे वितरित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी स्वास्थ्य सेवाएं

सतना स्वतंत्रमत

लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारक ट्रस्ट सतना द्वारा विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 490 लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कमलेश पटेल नगर निगम आयुक्त डॉ. बी. नागार्जुन गौड़ा डॉ. अतीक खान डॉ.आलोक खन्ना डॉ. नरेंद्र कुमार पटेलए डॉ. पुष्पराज सिंह डॉ.बद्री विशाल सिंह डॉ.अशोक कुमार अग्रवाल तथा ट्रस्ट अध्यक्ष गेंदलाल भाई पटेल एवं सचिव ब्रजेश प्रताप सिंह ने





सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। शिविर में विभिन्न चिकित्सा विधाओं के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें डॉ. अतीक खान डॉ.आलोक खन्ना,डॉ.पुष्पराज सिंह,डा. बद्री विशाल सिंह,डॉ.कीर्ति सिंह डॉ. हीरेंद्र सिंह डॉ. हिमांशु सिंह डॉ. प्रदीप तिवारी डॉ. नरेंद्र कुमार पटेल डॉ प्रवीण श्रीवास्तव डॉ. मनोज कोरी डा.। नेहा अग्रवाल डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल रमाकांत सिंह मिथिलेश वर्मा डॉ. जुवैर अली महेश केवट डॉ.अनिल विश्वकर्मा एवं सुनील पटेल ने अपनी टीम के साथ मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

शिविर में मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं वहीं जरूरतमंद 110 लोगों को चश्मे भी प्रदान किए गए। चिकित्सा शिविर में निःशुल्क सेवाएं देने वाले चिकित्सकों एवं सहयोगियों को ट्रस्ट की ओर से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कमलेश पटेलए गेंदलाल भाई पटेल बाबूलाल सिंह. प्रो. आर.डी.सिंह चौधरी महेंद्र सिंह ज्ञानेंद्र सिंह एवं फूलचंद गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया।

कार्यक्रम का संचालन सुभाष सिंह ने किया जबकि अंत में अरविंद सिंह निराला ने उपस्थित अतिथियों चिकित्सकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत हमारी पहचान : मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल

स्वच्छ ग्राम पंचायत प्रतियोगिता के विजेताओं, उत्कृष्ट कार्य करने वाले पटवारियों एवं राज्य स्तरीय किसान क्विज के विजेताओं को किया सम्मानित

नरसिंहपुर

. मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस जिला मुख्यालय स्थित स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल और परिवहन तथा स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। समारोह में प्रदेश की गौरवशाली विरासत, सांस्कृतिक विविधता और विकास की उपलब्धियों की झलक देखने को मिली। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक एवं प्राकृतिक विरासत के साथ विकास यात्रा पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस केवल एक औपचारिक शासकीय आयोजन नहीं, बल्कि अपने प्रदेश के इतिहास, संस्कृति और विरासत को जानने तथा नई पीढ़ी को इससे जोड़ने का अवसर है। हमें अपने प्रदेश के इतिहास के पन्नों को पलटकर यह समझना चाहिए कि किन ऐतिहासिक परिस्थितियों से गुजरकर मध्यप्रदेश आज इस स्वरूप में पहुंचा है। हमारा खानपान, बोली, वेशभूषा और भाषा में उपयोग होने वाले शब्द हमारी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़े हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के गठन से पूर्व मध्य प्रांत एवं बरार की प्रशासनिक व्यवस्था तथा



नागपुर के राजधानी होने का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी हमारे खानपान और सामाजिक व्यवहार में मराठी संस्कृति का प्रभाव दिखाई देता है।

उन्होंने बालाघाट, नरसिंहपुर एवं जबलपुर क्षेत्र की ऐतिहासिक, भौगोलिक और प्राकृतिक विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बालाघाट वन संपदा एवं कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण जिला है। वहीं नरसिंहपुर की पहचान मां नर्मदा और उसकी ऐतिहासिक एवं पौराणिक विरासत से जुड़ी है। जबलपुर के आसपास भेड़ाघाट की संगमरमर की चट्टानें, कुंडम क्षेत्र का घुघुआ जीवाश्म उद्यान तथा लमेटा घाट जैसे महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक स्थल मौजूद हैं। नर्मदा घाटी के जीवाश्म और प्राचीन चट्टानें पृथ्वी के करोड़ों वर्ष पुराने इतिहास को समझने का अवसर प्रदान करती हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश को



नदियों का मायका कहा जाता है। यहां से निकलने वाली नदियां नर्मदा, गंगा और गोदावरी सहित विभिन्न नदी बेसिनों का हिस्सा बनती हैं। ताप्ती नदी का उद्गम भी मध्यप्रदेश में होता है। उन्होंने प्रदेश की समृद्ध वन संपदा, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की विशेषताओं को जानना और उन पर गर्व करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि वे अपने आसपास की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के बारे में जानकारी प्राप्त करें और ऐसे आयोजनों में अपने ज्ञान को साझा करने के लिए आगे आएं। उन्होंने चीतों की पुनर्स्थापना को मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटना बताते हुए कहा कि नई पीढ़ी इस उपलब्धि को गर्व के साथ याद करेगी। उन्होंने बच्चों को तकनीक का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लिए करने की सलाह देते हुए कहा कि तकनीक हमारी मददगार बने, कमजोरी नहीं। पुस्तकों के अध्ययन, लेखन और स्वाध्याय की आदत बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने श्रम, अध्ययन और अपनी लोक संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहने का आह्वान किया। मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि समय, काल, परिस्थितियों और प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राज्यों की सीमाओं का परिसीमन होता रहा है। इसी प्रक्रिया के तहत मध्यप्रदेश का गठन हुआ और बाद में प्रदेश के एक हिस्से को अलग कर छत्तीसगढ़ राज्य बनाया गया। राज्यों के गठन का मूल उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को सुगम बनाना, लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा है।

गोष्ठी में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत नगरपालिका टाउन हॉल में प्रमुख नागरिक गोष्ठी आयोजित की गई। अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता आमजन युवाओं विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के बीच पहुंचकर लोकतांत्रिक व्यवस्था संविधान चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद कर रही हैं। यह अभियान आगामी 5 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से चलाया जाएगा। सर्वप्रथम गोष्ठी का शुभारंभ भारत माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित से किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े वरिष्ठ नागरिकों, प्रबुद्धजनों एवं विशिष्ट नागरिकों का माला पहनाकर सम्मान किया गया।

सृजन संवाद में पुलिस ने दी जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में संचालित जन सुरक्षा-युवा सृजन संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा थाना कोतवाली थाना महाराजपुर एवं महिला थाना का भ्रमण किया गया थाना भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को पुलिस थानों की कार्यप्रणाली पुलिस द्वारा की जाने वाली विभिन्न वैधानिक कार्यवाही तथा थाने में संपादित होने वाले कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुलिस व्यवस्था की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा पुलिस एवं युवाओं के बीच संवाद और विश्वास को मजबूत करना है विद्यार्थियों को वर्तमान समय में होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के संबंध में समझाइश दी गई थाना भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, बच्चों के विरुद्ध अपराधों तथा इनकी रोकथाम में पुलिस की भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस सहायता प्राप्त करने के लिए डायल-112 की उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी गई।

थानों में हुआ सीधा प्रसारण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिले के समस्त 13 थानों में शाम 5:30 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के सीधे प्रसारण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान का स्मरण करते हुए राष्ट्रीय एकता अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करना था। जिले के विभिन्न थानों में छात्र-छात्राओं सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, सतीश चतुर्वेदी, एसडीएम शैलेन्द्र चौधरी एवं थाना प्रभारी कोतवाली शफीक खान उपस्थित रहे।

पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर हुई बैठक चला मंथन सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर की भूमिका पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर हुई चर्चा





मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले में पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पत्रकारों की समस्याओं और उनके अधिकारों को लेकर रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रिंट मीडिया, टीवी चैनल और सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से जुड़े पत्रकारों के समक्ष आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान राजेश साहू, हनुमान तिवारी, नीरज अग्रवाल, विमलेश मिश्रा, चन्द्रेश खरे, जावेद खान, अशोक वर्मा, कृष्णा साहू, सैयद सिकंदर अली, पवन राय, मंगल सिंह, देवेन्द्र यादव, राजेश यादव, सुनील सोनकेशरी, विवेक अग्निहोत्री, आयुष चौरसिया, श्रीमति ममता चौरसिया, मनीष तिवारी, लखन भांडे, दीपक जाट, अशोक अग्रवाल सहित अनेक मीडिया साथी उपस्थित रहे। बैठक में पत्रकारिता की बदलती परिस्थितियों सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर की भूमिका पत्रकारों की पहचान विभागीय स्तर पर समन्वय तथा पत्रकारों के हितों से जुड़े विषय चर्चा के केंद्र रहे। बैठक में तय किया गया कि सामने आए मुद्दों को संबंधित अधिकारियों और शासन के समक्ष रखकर उनके निराकरण की मांग की जाएगी। बैठक में पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर गंभीर चर्चा हुई। फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में लोग समाचार वीडियो और विभिन्न घटनाओं से संबंधित सामग्री साझा कर रहे हैं। ऐसे में पत्रकारिता की जिम्मेदारी समाचारों की प्रमाणिकता और आम नागरिकों तक सही जानकारी पहुंचाने की चुनौती भी बढ़ी है। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय में पत्रकारिता तथा सोशल मीडिया पर सामग्री तैयार करने वालों से संबंधित विषयों पर चर्चा और टिप्पणी का भी उल्लेख किया गया। इस संदर्भ में विचार रखा गया कि पत्रकारिता केवल समाचार प्रसारित करने तक सीमित नहीं है बल्कि तथ्यों की जांच जिम्मेदारी और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों और पेशेवर पत्रकारों की भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता तथा पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। जनहित में सही और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराना सभी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। समाचारों की पुष्टि किए बिना सामग्री प्रसारित करने से भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए पत्रकारिता के मूल्यों निष्पक्षता और जवाबदेही को बनाए रखना आवश्यक है। पत्रकारों ने बदलते मीडिया परिवेश में पेशे से संबंधित समस्याओं को उचित मंच पर उठाने तथा प्रशासन और पत्रकारों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। बैठक के एजेंडे में सूचना का अधिकार अधिनियम यानी आरटीआई से संबंधित विषय भी शामिल रहा। पत्रकारिता में सूचनाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों, जनसमस्याओं और प्रशासनिक गतिविधियों से संबंधित तथ्य जुटाने में सूचना का अधिकार उपयोगी माध्यम है। इसके साथ ही जनसंपर्क विभाग और विभिन्न सरकारी विभागों के बीच पत्रकारों से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान को बेहतर बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया गया।

बैठक में यह विचार सामने आया कि पत्रकारों की सूची संबंधित विभाग प्रमुखों तक पहुंचाने और विभागीय स्तर पर समन्वय स्थापित करने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि समाचारों के संकलन तथा आधिकारिक जानकारी प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में पत्रकारों की पहचान, अधिमान्यता तथा उनसे जुड़ी व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। पत्रकारों की पहचान और उनके कार्यक्षेत्र से संबंधित विषयों पर स्पष्ट व्यवस्था होने से प्रशासनिक समन्वय में सुविधा मिल सकती है। इस संबंध में नियमों के अनुरूप प्रक्रिया अपनाने और संबंधित अधिकारियों के समक्ष विषय रखने की आवश्यकता महसूस की गई। बैठक में चर्चा के बाद तय किया गया कि पत्रकारों से जुड़े विभिन्न विषयों को जिला जनसंपर्क अधिकारी के समक्ष रखा जाएगा। जिसको लेकर जनसंपक अधिकारी से दूरभाष पर चर्चा की गई। जिसमें तय हुआ कि 4 नवम्बर दिन बुधवार को दोपहर 3 बजे योजना भवन में बैठक आयोजित की जायेगी।



वर्सी महोत्सव मनाया श्रद्धा भक्ति से

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

अमर शहीद संत कंवरराम साहिब जी का वर्सी महोत्सव श्री गुरुद्वारा साहिब स्थित श्री झूलेलाल धाम में श्रृद्धा भक्ति और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर संत कंवरराम साहिब को श्रृद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन एवं आदर्शों का स्मरण किया। धार्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ सुखमनी साहिब के पाठ के साथ हुआ। इसके पश्चात भजन-कीर्तन आरती अरदास और पल्लव की धार्मिक रस्में संपन्न कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। आयोजन में शामिल श्रद्धालुओं के लिए सामाजिक लंगर एवं प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। आयोजन के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाम 4 बजे श्री बहराणा साहिब जी की पूजा-अर्चना की जाएगी। वहीं रात्रि 9 बजे से 12 बजे तक सामाजिक कलाकारों द्वारा संत कंवरराम साहिब की जीवनी पर आधारित भजन-कीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

सहायता राशि स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी आदेश दिनांक 22 अक्टूबर के तहत ग्राम बकौरी निवासी गणेश झारिया, पिता महेश झारिया को मकान एवं उसमें रखी सामग्री क्षतिग्रस्त होने के कारण 95 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। स्वीकृत राशि का भुगतान प्राकृतिक विपत्ति से प्रभावित व्यक्तियों को निःशुल्क सहायता मद के अंतर्गत नियमानुसार किया जाएगा।

71वें स्थापना दिवस पर प्रोजेक्ट संधान का शुभारंभ खेल प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को जिले में उत्साह उल्लास और गरिमामय वातावरण में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय इन्डोर स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर जिले में ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने की अभिनव पहल प्रोजेक्ट संधान का सिंगल क्लिक के माध्यम से शुभारंभ किया गया। इस पहल के जरिए ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे कार्यक्रम को



संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि हम सभी गर्व से कहें कि हम मध्यप्रदेशवासी हैं। एक नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना हुई थी। हमारा प्रदेश प्राकृतिक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के मामले में अत्यंत समृद्ध है। महाकाल की नगरी कान्हा नेशनल पार्क, खजुराहो की अद्भुत कला, बांधवगढ़ का प्राकृतिक सौंदर्य और अमरकंटक से उद्गमित मां नर्मदा जैसी अनमोल धरोहरें मध्यप्रदेश को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। इसके अंतर्गत गांव स्तर से खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत होगी।

महिला एवं पुरुष वर्ग में कबड्डी और वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद संकुल स्तर, विकासखंड स्तर और अंत में जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली निवास क्षेत्र के गज्जू देवरी निवासी शालू बड़गैया को ट्रैक्टर प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बिछिया विकासखंड के ग्राम दांडी निवासी देव सिंह मरावी को बुलेट बाइक तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली दांडी भानपुर निवासी पार्वती मरावी को ई-स्कूटर प्रदान किया गया पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किसानों और ग्रामीण प्रतिभागियों को इतने उपयोगी एवं आकर्षक पुरस्कार प्रदान करना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोगों को इस तरह के उपयोगी पुरस्कार मिलते देखकर बहुत अच्छा लगा। ट्रैक्टर और अन्य संसाधन किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे तथा इससे उनके कामकाज में भी मदद मिलेगी नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने कहा कि मध्यप्रदेश का 71 वां स्थापना दिवस हम सभी के लिए गौरव और उत्साह का अवसर है। प्रदेश की समृद्ध विरासत के साथ विकास की नई संभावनाएं निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

महाविद्यालय में ज्वेलरी मेकिंग प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शासकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने तीस दिवस में ज्वेलरी मेकिंग का कार्य सीखा जो की अत्यंत सराहनीय एवं अद्भुत है

उक्त उदगार केबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन के अंतर्गत तीस दिवसीय ज्वेलरी मेकिंग प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये सेंटर ऑफ डिस्कवरी फॉर विलेज डेवलपमेंट संस्था के द्वारा अस्सी छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जिसके



समापन सत्र का उद्घाटन केबिनेट मंत्री एवं जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के द्वारा किया गया जिसमे विशेष अतितिथि के रूप में उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि स्व रोजगार की दिशा में यह कार्य छात्राओं को लाभ पहुचायेगा प्राचार्य एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. एसपी धूमकेती ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण दो बेच में किया गया जिसमे अस्सी छात्राओं ने कुशलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया जिन्हें सीडीवीडी संस्था बाजार व्यवस्था में सहयोग प्रदान करेगी प्रभारी सुन्दरवती यहाटे ने प्रशिक्षण का प्रगतिवेदन प्रस्तुत किया और प्रशिक्षण संस्था की और से निशार कुरैशी ने केबिनेट मंत्री संपतिया उइके एवं तिकर्कोवादा सरपंच श्रद्धा उइके को आभूषण उपहार स्वरूप प्रदान किया कार्यक्रम में छात्राओं के द्वारा कर्मा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए कार्यक्रम में सभी अतिथियों का आभार प्रदर्शन डॉ. आराधना दुबे ने किया मंच का सफल और कुशल संचालन रोहितास दुबे के द्वारा किया गया।



विद्यार्थियों को बताई भर्ती की राह

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय में प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत करियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें 15 एयरमैन सिलेक्शन सेंटर भोपाल से आए वारंट ऑफिसर जगवीर सिंह और सार्जेंट अमान ने विद्यार्थियों को भारतीय वायुसेना में करियर बनाने के अवसरों की जानकारी दी। सैन्य अधिकारियों ने अग्निपथ योजना और अग्निवीर वायु योजना के तहत शैक्षणिक योग्यता के बारे में विस्तार से बताया। करियर काउंसलर एवं मोटिवेटर अखिलेश उपाध्याय ने एनडीए और सीडीएस जैसी परीक्षाओं की तैयारी एवं चयन प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यशाला के आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

नैनपुर में गांजा तस्करी के आरोप में महिला सहित दो गिरफ्तार

नैनपुर (स्वतंत्र मत) नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नैनपुर पुलिस ने वार्ड क्रमांक 10 के शांतिनगर क्षेत्र से एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 89 ग्राम गांजा और घटना में प्रयुक्त स्कूटी जब्त की है। जब्त गांजे और स्कूटी की कुल अनुमानित कीमत 40 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई-पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर से नैनपुर के वार्ड क्रमांक 10 स्थित शांतिनगर क्षेत्र में मादक पदार्थ ले जाए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने एक महिला और पुरुष को रोककर नियमानुसार तलाशी ली।

40 हजार रुपये की सामग्री जब्त-पुलिस ने गांजे की अनुमानित कीमत 10 हजार रुपये और इस प्रकार कुल 40 हजार रुपये की सामग्री जब्त की गई।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज-पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहित यादव (28), निवासी वार्ड क्रमांक 15, नैनपुर तथा बबली बेगम (46), निवासी वार्ड क्रमांक 10, शांतिनगर, नैनपुर के रूप में की है। दोनों के विरुद्ध थाना नैनपुर में अपराध क्रमांक 499/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर नैनपुर थाना बना जागरूकता का केंद्र

सरदार पटेल की जयंती पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

एसडीओपी मनीष राज ने नक्सलवाद और आंतरिक सुरक्षा पर रखे विचार

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नैनपुर थाना परिसर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों, स्कूली छात्र-



छात्राओं, पत्रकारों और उपस्थित नागरिकों ने प्रसारण के माध्यम से राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश ग्रहण किया। कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया गया। देश की विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों और विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र के प्रति समर्पण ही एक सशक्त भारत की आधारशिला हैं।

नक्सलवाद और आंतरिक सुरक्षा पर हुई चर्चा-कार्यक्रम में एसडीओपी मनीष राज ने नक्सलवाद के विषय पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने नक्सलवाद के कारणों, इससे उत्पन्न चुनौतियों तथा समाज और देश की आंतरिक सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने इस समस्या से निपटने में सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका के साथ-साथ आम नागरिकों की जागरूकता और सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता, शांति और सुरक्षा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज के सभी वर्गों को सकारात्मक सोच के साथ देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। नागरिकों की सजगता, आपसी सहयोग और सामाजिक सद्भाव से ही एक सुरक्षित एवं मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना तथा नागरिकों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया।

पिण्डरई पुलिस की बड़ी सफलता 2.40 लाख के जेवर बरामद

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी पिण्डरई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट मिलने के महज छह घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को पकड़ लिया और चोरी गए करीब 2 लाख 40 हजार रुपये कीमत के समस्त सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कटारे मोहगांव निवासी अमित कटारे पिता हेनारायण कटारे 42 वर्ष ने 31 अक्टूबर को चौकी पिण्डरई में शिकायत दर्ज कराई थी कि 24 अक्टूबर को घर की साफ-सफाई के दौरान उन्होंने घर का सामान एवं सोने-चांदी के जेवरात बाहर रखे थे।

संपादकीय

सवाल अनुत्तरित ही हैं

सर्वोच्च अदालत में दाखिल चुनाव आयोग के 248 पन्नों के हलफनामे में कई सवाल अनुत्तरित हैं। दो चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने जो 14 आपत्तियां उठाई थीं, उन्हें भी खारिज नहीं किया गया है। उनके आंशिक, अधूरे जवाब ही सामने आए हैं। चुनाव आयोग ने उन खबरों का खंडन आज तक नहीं किया है। बेहद महत्वपूर्ण फॉर्म 6 पर चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण 'नकली' लगता है। आयोग का जवाब है कि फॉर्म 6 में कोई बदलाव नहीं किया गया। विशेष गहन पुनरीक्षण में अलग घोषणा-पत्र जोड़ा गया था। उसे ऑनलाइन फॉर्म के साथ दिखाने से 'बदलाव का आभास' हो सकता था। एक ओटीपी, ई-साइन से आवेदन पूरा करने के लिए दोनों को साथ रखा गया था। आयोग ने 21 अक्टूबर को ऑनलाइन आवेदन भी दो हिस्सों में रखने का फैसला किया। आयोग ने स्पष्टीकरण दिया है कि एसआईआर के तीनों आदेश मुख्य चुनाव आयुक्त तथा दोनों आयुक्तों की सर्वसम्मति से जारी किए गए। सवाल यह है कि आयुक्तों ने 10 माह के दौरान आपत्तियां दर्ज क्यों कराईं? फॉर्म 6 में बदलाव को 'अवैध' और 'अनधिकृत' करार क्यों दिया? चूंकि चुनाव आयोग के एक प्रेस नोट में कहा गया था कि फॉर्म 6 में बदलाव को सर्वोच्च अदालत की मंजूरी भी थी, जिसे न्यायिक पीठ ने खारिज किया, लिहाजा सवाल यथावत है कि वह बदलाव किसके आदेश पर किया गया? क्या उसमें भी तीनों आयुक्तों की सर्वसम्मति थी? पश्चिम बंगाल में 16 लाख से अधिक फॉर्म 7 के आवेदन सामने आए, जो मतदाताओं के नाम काटने, हटाने के लिए किए गए थे। हलफनामे में जवाब दिया गया कि वह बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के दफ्तर के स्तर पर किया गया। क्या यह संभव है? सीईओ ने उन 16 लाख लोगों का चयन कैसे और कहां किया? क्या उन्हें कोई 'आर्थिक लालच' दिया गया? इतने बड़े स्तर पर मतदाताओं के नाम काटने के आवेदन 'ऊपर के निर्देश' के बिना संभव नहीं हैं। इनके अलावा, एसआईआर के दौरान इतनी भयंकर गलतियां और विसंगतियां सामने आई हैं, उनसे लगता है कि चुनाव आयोग आंख मूंद कर और मस्तिष्क की तालाबंदी कर ही काम करता है। उप्र में ऐसे 3 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम सार्वजनिक किए गए हैं, जो आयोग की नालायकी को बयां करते हैं। किसी एक नाम की 315 अथवा 420 प्रविष्टियां सूची में कर दी गईं। किसी एक नाम की 1300 से अधिक बार मतदाता सूची में 'एंट्री' कर दी गई है। इन अक्षम्य गलतियों की शिकायत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फरवरी, 2026 में की थी। शुक्र है कि चुनाव आयोग ने 8 महीनों के बाद इन्हें स्वीकार कर लिया और अब फिर 'शुद्धिकरण' की कवायद जारी है। उप्र के सीईओ नवदीप रिणवा ने कुछ और विसगतियों तथा भाषायी विद्रूपता पर माफी मांगी है। चुनाव आयोग को कुछ सद्बुद्धि आई है! बहरहाल चुनाव आयोग और एसआईआर से जुड़े जो सवाल और आपत्तियां यथावत बरकरार हैं, अब वे सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन हैं। मंगलवार, 27 अक्टूबर, को सिर्फ इतना ही काम हुआ कि अदालत ने आयोग के हलफनामे पर जवाब देने के लिए याचिकाकर्ताओं को 10 दिन का समय दिया है। अगली तारीख 17 नवंबर है। अदालत कब तक फैसला सुनाएगी, क्या फैसला होगा, क्या छीना गया मताधिकार बहाल हो सकेगा, एसआईआर का भविष्य क्या होगा, ये सब कुछ अनिश्चित हैं। बहरहाल मताधिकार छीनने को लेकर चुनाव आयोग का जो चेहरा बेनकाब हुआ है, उससे असंख्य भारतीयों के मोहभंग हुए होंगे, आयोग की छवि भी दरकी है। एसआईआर अभियान में यह सवाल उभर कर सामने आया है कि जिन राज्यों में लाखों मतदाताओं के नाम काट कर चुनाव कराए गए, उसके बाद कानूनी समीक्षा में जो नाम पात्र मतदाता साबित हुए और जिनके नाम मतदाता सूची में दर्ज करने पड़े, तो क्या उस जनादेश को 'समग्र' माना जाए?

आपदा से निबटने के लिए भारत कितना तैयार है

भूटान की पहाड़ियों से उठी जलप्रलय की आहट



नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं



हिमालय की बर्फीली चोटियों से उठी एक प्राकृतिक हलचल ने भारत के पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल की चिंता बढ़ा दी है। भूटान की शिंताफू ग्लेशियर झील के फटने से निकला पानी नदियों के रास्ते भारत की ओर बढ़ा। प्रशासन ने अलर्ट जारी किया, गांव खाली कराए गए और बचाव एजेंसियों को मोर्चे पर लगाया गया। फिलहाल पानी का स्तर घटने के संकेत हैं, लेकिन एक नई अस्थायी झील बनने से खतरे का एक और पहलू सामने आ गया है।

दरअसल, हिमालय की ऊंची चोटियों पर जमा बर्फ जब टूटती है, तो उसका असर केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। कई बार हजारों फीट नीचे बसे गांवों, कस्बों और शहरों की जिंदगी भी इसकी चपेट में आ जाती है। भूटान में 29 अक्टूबर 2026 को हुई ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (त्रह्लस्र) की घटना ने एक बार फिर इसी खतरे की गंभीरता को सामने ला दिया है।

हम आपको बता दें कि भूटान के गासा जिले के लेमथांग क्षेत्र में स्थित शिंताफू झील के बांधनुमा प्राकृतिक अवरोध के टूटने से भारी मात्रा में पानी बाहर निकला। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार और असम के धुबरी तथा कोकराझार जिलों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन को सतर्क कर दिया गया। केंद्रीय जल आयोग ने भी संभावित जलस्तर वृद्धि को लेकर विशेष बाढ़ परामर्श जारी किया।

अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार, घटना से पहले शिंताफू झील में लगभग 60 से 70 लाख घन मीटर पानी मौजूद था। यह करीब 2,400 से 2,800 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल के बराबर है। हालांकि, वास्तव में कितना पानी बाहर निकला, इसका आकलन अभी किया जा रहा है।

इस पानी का प्रवाह भूटान की मो छू नदी और आगे पुनात्सांगछू नदी तंत्र से होते हुए भारत में संकोश नदी की ओर बढ़ा। भारत में संकोश नदी पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती इलाकों के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, पानी को सीमा तक पहुंचने में लगभग छह से आठ घंटे लगने की आशंका जताई गई थी। यही वजह रही कि प्रशासन ने संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए पहले ही सतर्कता बढ़ा दी।

उधर, पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लगभग 6,000 से 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इनमें नदी किनारे और संवेदनशील इलाकों में रहने वाले परिवार शामिल थे। राहत शिविरों में चार हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन, राशन, बच्चों के लिए जरूरी खाद्य सामग्री और दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी निगरानी बढ़ाई गई। प्रशासन ने लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को नदी किनारों और निचले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी। NDRF, SDRF और नागरिक सुरक्षा की टीमें तैनात की गईं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने धुबरी और कोकराझार के संवेदनशील राजस्व क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और NDRF के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने तथा लोगों से सरकारी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

खतरा टला या अभी बाकी है बड़ा जोखिम?

ताजा रिपोर्टों के मुताबिक संकोश नदी का जलस्तर घटने लगा है। कोकराझार के जिला प्रशासन ने भी तत्काल बड़े पैमाने पर जलभराव की आशंका कम होने की बात कही है। पश्चिम बंगाल में फिलहाल बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। लेकिन इस पूरी घटना में सबसे चिंताजनक तथ्य एक नई अस्थायी झील का निर्माण है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पानी और मलबे के बहाव से टाक्त्सेमाखांग में एक नई झील बन गई है। यह सिंताफू छू और लुंगू छू नदियों के संगम के पास स्थित है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी अस्थायी झीलें दोबारा बाढ़ का कारण बन सकती हैं। तेज बहाव अपने साथ चट्टानें और मलबा लाता है, जिससे नदी का रास्ता अवरुद्ध हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़कर इस प्राकृतिक अवरोध को तोड़ता है, तो दूसरी बाढ़ पैदा हो सकती है। इसलिए भूटान में मो छू और पुनात्सांगछू नदी घाटियों के आसपास रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

यहां सवाल उठता है कि आखिर क्यों फट रही हैं हिमालय की ग्लेशियर झीलें? देखा जाये तो इसका सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन और तेजी से पिघलते ग्लेशियरों को माना जाता है। ग्लेशियरों के पीछे हटने से उनके आसपास बड़ी-बड़ी झीलें बनती हैं। इनमें पानी अक्सर बर्फ, चट्टानों और हिमनदों से निकले मलबे के प्राकृतिक बांधों के पीछे जमा होता है। भारी बारिश, हिमस्खलन, चट्टानों का झील में गिरना, भूकंप और प्राकृतिक बांधों का कमजोर होना अचानक पानी के बाहर निकलने का कारण बन सकते हैं। इसी घटना को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी त्रह्लस्र कहते हैं। यह सामान्य बाढ़ से अधिक खतरनाक हो सकती है, क्योंकि इसमें पानी के साथ भारी मात्रा में पत्थर, मिट्टी और मलबा भी तेजी से नीचे आता है।

भारत की तैयारी पर उठते बड़े सवाल

देखा जाये तो भूटान की यह घटना भारत के लिए केवल एक स्थानीय बाढ़ का मामला नहीं है। यह हिमालयी राज्यों की आपदा प्रबंधन व्यवस्था की भी परीक्षा है। भारत सरकार ने सितंबर 2026 में हिमालयी राज्यों की त्रह्लस्र और हिमस्खलन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की थी। इसमें शुरुआती चेतावनी प्रणाली, संवेदनशील झीलों की निगरानी, जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और समय पर लोगों को सुरक्षित निकालने पर जोर दिया गया था। लेकिन अब कुछ सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है। सवाल उठता है कि क्या भूटान और भारत के बीच ग्लेशियर झीलों के जलस्तर की वास्तविक समय में जानकारी साझा करने की व्यवस्था पर्याप्त है? क्या असम, अरुणाचल प्रदेश और उत्तर बंगाल के सभी संवेदनशील नदी तटीय गांवों तक समय रहते चेतावनी पहुंचाने का तंत्र मौजूद है? क्या नदियों पर बने बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं की GLOF जैसी अचानक आने वाली बाढ़ से निपटने की क्षमता का नियमित परीक्षण हो रहा है? क्या प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित आश्रय स्थल, निकासी मार्ग और प्रशिक्षित बचाव दल पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं? क्या नई अस्थायी झील की लगातार निगरानी और उसके संभावित टूटने की स्थिति में दूसरी चेतावनी जारी करने की व्यवस्था तैयार है?

बहरहाल, सबसे बड़ी जरूरत सीमा पार समन्वय, वैज्ञानिक निगरानी और जमीनी स्तर पर तैयारी की है। भूटान में हुई घटना ने स्पष्ट कर दिया है कि हिमालय की चोटियों पर पैदा होने वाला खतरा किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा को नहीं पहचानता। आज पानी का स्तर घट रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसी घटनाएं भविष्य में और गंभीर हो सकती हैं। इसलिए प्रशासन के लिए असली चुनौती बाढ़ आने के बाद राहत पहुंचाना नहीं, बल्कि बाढ़ आने से पहले हर संभावित खतरे को पहचानकर लोगों की जिंदगी बचाना है।

जंग और वोटः खर्चा बढ़ता जाता है, शव लौटाए जाते हैं; राष्ट्रपति कहते हैं, बस कुछ हफ्ते और...

अंशुमान तिवारी

आठ अक्तूबर, 2026... ट्रुथ सोशल। ट्रंप ने लिखा, 'हम तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करेंगे।' बस एक पोस्ट। जंग रुक गई-बम से नहीं, वोट से। ईरान की जंग को आठ महीने हो चुके हैं। 37 अरब डॉलर खर्च। होर्मुज बंद है। गोला-बारूद खत्म हो रहा है। मगर, ट्रंप को अभी सबसे बड़ा खतरा तेहरान से नहीं, वाशिंगटन से है। एपी नॉर्क का सर्वे आया। ट्रंप की लोकप्रियता 31 प्रतिशत। कुक पॉलिटिकल रिपोर्ट कहती है-डेमोक्रेट्स हाउस में पांच से 15 सीटें छीन सकते हैं। निर्दलीय मतदाता (57 बनाम 32) डेमोक्रेट्स की तरफ। राष्ट्रपति ट्रंप ने जंग को 'पॉज' कर दिया। जैसे किसी ने नेटफ्लिक्स का शो रोक दिया हो। एक और तमाशा हुआ। ट्रंप ने पुतिन से सौदा किया रूसी डीजल खरीदने के लिए। प्रतिबंध अप्रैल, 2027 तक स्थगित। यही ट्रंप हैं, जिन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया, क्योंकि भारत रूसी तेल खरीद रहा था। पीटर नवारो ने भारत को 'क्रेमलिन की लॉन्ड्री' कहा था। अब खुद वही कपड़े धो रहे हैं। काटो इंस्टीट्यूट के स्कॉट लिंसिकम ने पूछा, 'क्या अमेरिका, अमेरिका पर ही टैरिफ लगाएगा?'

टाइम मशीन में विराजिए। जंग और चुनाव का रिश्ता बहुत पुराना है? हर नेता सोचता है कि जंग वोट दिलाती है, मगर बीता हुआ वक्त कहता है कि जंग वोट छीनती है। और, जो नेता जंग को चुनाव के हिसाब से चलाते हैं, उनका हश्र क्या होता है, इसे देखने के लिए हम उड़ चले हैं। आइए,19वीं सदी के छठे दशक की ओर। 1862। अमेरिका। गृहयुद्ध। अब्राहम लिंकन। अमेरिका दो टुकड़ों में बंटा है। गृहयुद्ध डेढ़ साल पुराना हो गया है। संघीय सेना हार रही है। शव बोरियों में भरकर लौट रहे हैं। मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं। लिंकन के सलाहकारों ने कहा, जंग धीमी करो। लोग थक गए हैं। वोट बचाओ। जंग से ज्यादा जरूरी है चुनाव जीतना। लिंकन ने क्या किया? जंग नहीं रोकी। चुनाव से दो महीने पहले (सितंबर 1862) दासता-मुक्ति की घोषणा जारी की। गुलामी खत्म। यह अमेरिका के इतिहास का सबसे क्रांतिकारी फैसला था, जो ठीक चुनाव से पहले हुआ। जंग के असर से रिपब्लिकन ने सीटें गंवाईं हां। मगर, लिंकन ने जंग को चुनाव के लिए नहीं रोका। उन्होंने कहा कि अगर मेरा नाम इतिहास में आएगा, तो इसी काम से। दो साल बाद, लिंकन फिर जीते और गुलामी हमेशा के लिए खत्म हुई। जो नेता सही काम करते हैं, इतिहास उनके प्रति निर्मम नहीं होता। अब चलिए 1945 की तरफ। ब्रिटेन। विंस्टन चर्चिल। दुनिया का सबसे मशहूर चेहरा। हिटलर को हराया। ब्रिटेन को बचाया। मई 1945। जर्मनी ने समर्पण किया। चर्चिल विजेता हैं। दुनिया उनके कदमों में है। जुलाई 1945-चुनाव। चर्चिल हारे। बुरी तरह। क्लेमेंट एटली को 145 सीटों का बहुमत। एटली, जिनका नाम कोई नहीं जानता था, ने दूसरे विश्वयुद्ध के हीरो को धूल चटा दी। चर्चिल ने कहा कि मतदाताओं ने मुझे 'ऑर्डर ऑफ द बूट' दिया। क्यों हारे? क्योंकि जनता ने कहा, जंग जीतना एक बात है, लोगों की जिंदगी बेहतर करना दूसरी बात। हमें घर चाहिए, नौकरी चाहिए, अस्पताल चाहिए। चर्चिल जंग के नेता थे, शांति के नहीं। सबक-सिर्फ जंग जीतना काफी नहीं। अगर लोग भूखे हैं, बेरोजगार हैं, थके हैं, तो विजेता को भी हरा देते हैं।

अब टाइम मशीन उड़ चली है 1966 की ओर। हम अमेरिका में हैं। सामने दिख रहे हैं लिंडन बी जॉनसन। 1964 में जबर्दस्त जीत मिली। सिविल राइट्स, मेडिकेयर, गरीबी के खिलाफ जंग। जॉनसन ने 'ग्रेट सोसाइटी' को अमेरिका का सपना बनाया। फिर, वियतनाम उनकी सियासत को निगल गया। 1966 तक पांच लाख अमेरिकी सैनिक वियतनाम में। हर हफ्ते शव लौटते। टीवी पर जंग दिखती और लोग पूछते किसलिए? मध्यावधि चुनाव 1966 में डेमोक्रेट्स ने हाउस में 47 सीटें गंवाईं। तीन सीनेट सीटें गईं। उस चुनाव में कौन-कौन जीता था? रोनाल्ड रीगन-कैलिफोर्निया के गवर्नर बने। जॉर्ज बुश सीनियर-कांग्रेसमैन बने। स्पाइरो एग्न्यू-मेरीलैंड के गवर्नर बने, बाद में निक्सन के उपराष्ट्रपति। अब चलते हैं पेरिस। साल है 1972। यहां आप एक ऐसे घटनाक्रम के गवाह होंगे, जो ट्रंप की ईरान युद्ध वाली चुनावी घोषणा से सबसे ज्यादा मिलती-जुलती है। निक्सन राष्ट्रपति हैं। चुनाव सात नवंबर को। वियतनाम अभी जल रहा है। और, 26 अक्तूबर को, चुनाव से ठीक 12 दिन पहले हेनरी किसिंजर प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले-शांति करीब है। अमेरिका ने राहत की सांस ली। निक्सन की जबर्दस्त जीत। रिपब्लिक ने 49 राज्य जीते। इतिहास की सबसे बड़ी जीतों में से एक। किसिंजर ने जिस शांति के करीब आने की बात की थी, उसमें तीन साल और लगे। दिसंबर 1972 में निक्सन ने हनोई पर बमबारी की-ऑपरेशन लाइनबैकर टू। 20,000 टन बम। फिर जनवरी, 1973 में पेरिस समझौता हुआ, जो असल में हार की शर्तें थीं, शांति के कपड़ों में। किसिंजर का 'शांति करीब है' चुनावी जुमला था। जंग और तीन साल चली। 20,000 और अमेरिकी सैनिक मरे। जब नेता जंग को चुनाव के हिसाब से चलाते हैं, सैनिक मरते हैं, वोट बचता है।

अब 2006 को देखिए। आपके सामने हैं जॉर्ज बुश। 'मिशन अकम्प्लिश्ड'-2003 में विमानवाहक पोत पर बैनर लगा। दावा हुआ, जंग जीत ली। मगर, जंग खत्म नहीं हुई। 2006 तक इराक गृहयुद्ध में जल रहा था। अमेरिकी सैनिक मर रहे थे-किसलिए, कोई नहीं बता पा रहा था। सामूहिक विनाश के हथियार कभी नहीं मिले। फिर, 2006 का मध्यावधि चुनाव आया। रिपब्लिकन ने चुनाव में दोनों सदन गंवाए। नैन्सी पेलोसी स्पीकर बनीं-पहली महिला। बुश ने डोनाल्ड रम्सफेल्ड को अगले दिन बर्खास्त कर दिया। राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं, 2026 में भी 2006 जैसा हो सकता है। वही पैटर्न। जंग खत्म नहीं होती। खर्चा बढ़ता जाता है। शव लौटते हैं और राष्ट्रपति कहते हैं, बस कुछ हफ्ते और।

टाइम मशीन वापस लौट रही है। ट्रंप ने जंग 'पॉज' कर दी, मध्यावधि चुनाव तक। वही काम, जो किसिंजर ने 1972 में किया-'शांति करीब है' कहकर वोट बटोरे। मगर किसिंजर की शांति तीन साल दूर थी। अस्सी साल का इतिहास कहता है-ट्रंप की पार्टी ने 39 में से 36 मिडटर्म में सीटें गंवाई हैं। जंग के वक्त और भी बुरा हाल रहा। सवाल वही है, क्या जंग वोट के लिए रुकती है, या वोट जंग रोकता है? लिंकन का जवाब था-जंग सही हो तो रुकती नहीं, चाहे वोट जाएं। ट्रंप का जवाब है-सब कुछ रुकता है। पहले वोट। इतिहास बताएगा कि कौन सही था।

चुनाव उनके - व्यवस्था हमारी

संतोष उत्सुक

दुनिया जानती है, हमारे यहां चुनाव आन, बान और शान से होते हैं। किसी भी स्तर का चुनाव कराने की व्यवस्था करने में हम सिद्धहस्त हैं। हर तरह का चुनाव इतने सौम्य, सरल, सहज, सहयोगी, नैतिक और मानवीय तरीके से होता है कि हमारी व्यवस्था महान मानी जाने लगी है। विश्वगुरुओं की पवित्र धरती के वासी हैं हम। स्वाभाविक है इन वजहों से दुनिया भर में इज्ज़त बढ़ जाती है। विद्वान लोग अपने अपने नजरिए से इसे देखते और समझते हैं। दूसरे देशों के राजनेता और शक्तिशाली शासक हमारी कई व्यवस्थाओं को पसंद करने लगते हैं और चाहते हैं कि उनके देश में ऐसी चुनाव व्यवस्था हो ताकि उनके यहां भी हमारी जैसी आन, बान और शान रहने लगे।



पिछले दिनों दुनिया के सबसे ज़्यादा ताक़तवर शासक ने अपनी मानसिक इच्छा ज़ाहिर की कि उनके देश में भी विश्वगुरुओं के देश जैसी चुनाव व्यवस्था होनी चाहिए। 'अपना देश बचाओ' अभियान के अंतर्गत कहा कि मतदान के लिए वैध पहचान पत्र ज़रूरी है। वे हमारी चुनाव व्यवस्था से बहुत खुश हैं लगता है वे हमारी दूसरी विशेषताएं भी समाहित करना चाहते हैं। जैसा शोर शराबा, जुलूस, पोस्टर, बैनर, अपशब्द, मार पिटाई वगैरा यहां होते हैं वैसे ही वहां भी हों। चुनावी उम्मीदवार एक दूसरे पर व्यक्तिगत, पारिवारिक, क्षेत्रीय, धार्मिक और जातीय छींटाकशी करें। ऐसे प्रभावशाली नारों से उदगार प्रकट करें कि खूब सारी भावनाओं को ठेस पहुंचे।

वे यह भी चाहते होंगे कि चुनाव में ऐसे वायदे किए जाएं जिनको पूरा करने की उम्मीद न हो। ऐसा लगे रंगीन खूवाब दिखाए जा रहे हैं। ऐसे लोग चुनाव लड़ सकें जिनकी कोई सामाजिक, नैतिक और शैक्षिक योग्यता न हो। ऐसे लोगों को उम्मीदवार बना दिया जाए जिनकी जाति, सम्प्रदाय और धर्म के इतने वोटर उनके चुनाव क्षेत्र में हों कि चुनाव हारने की कोई गुंजाइश न हो। अधिकतर उम्मीदवारों का स्वच्छता, पर्यावरण और जन सुविधाओं से कोई नाता न हो। उन पर संजीदा किस्म के दर्जनों मुकदमे दायर हों जिनकी लिस्ट जारी की जाए तो उनके क्षेत्र वासियों को गर्व महसूस हो कि क्या आन, बान और शान वाला उम्मीदवार खड़ा किया है।

अगर ऐसा व्यक्ति जीत जाए तो मनमाने काम करे। जनता की पीठ पर अपनी इच्छाओं की कीलें ठोके। सबसे नकली प्यार से बोले और झूठे सहयोग की जफ्फियां डालें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उल्लू बन सकें। ऐसी पार्टी टिकट दे जिसे घोड़ों के व्यापार का अच्छा खासा अनुभव हो। चुनावी सभाओं में महिलाओं को टिकट देने की बात जोर शोर से करे लेकिन वास्तव में ऐसा बिलकुल न करे। महिलाओं की वोट हथियाने के लिए जो हो सके करे। अनपढ़ कुबुद्धि लोग चुनाव लड़ें और जीत भी जाएं और पढ़े लिखे प्रशासकों को पढाएं और समझाएं। चुनाव में जितना धन खर्च करें उससे बहुत कम बताया जाए ताकि भ्रष्टाचार जैसी ज़रूरी संस्कृति निरंतर पनपती रहे। आशा है शक्तिशाली शासक चुनावी सफलता के लिए विश्वगुरुकुल के ख्याति प्राप्त सुझाव ज़रूर अपनी चुनाव प्रणाली में सम्मिलित करेंगे और अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी मानते हुए हमारा शुक्रिया अदा भी करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुखः क्या अब सुधरेंगे फ्रॉड पीड़ितों के हालात?

अशोक भाटिया

भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसने एक ऐसे अदृश्य और खौफनाक अपराध तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिसने देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित केवाईसी गाइडलाइंस में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत आरबीआई को तीस नवंबर दो हजार छब्बीस तक नए नियम अधिसूचित करने हैं, जो इकतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। अदालत का यह समयबद्ध दृष्टिकोण दर्शाता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है।

इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। डिजिटल अरेस्ट जैसी नई और रिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फर्जी रूप धरकर, पीड़ितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फंस जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया है कि इस साल देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के कारण जनता ने लगभग आठ सौ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि गंवाई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दास्तां है, जिन्होंने अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। जब कोई अपराधी किसी खाते से करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है, तो यह केवल पीड़ित की सादगी नहीं, बल्कि उस बैंक के सुरक्षा चक्र की पूर्ण विफलता होती है। अदालत ने इसी बिंदु पर प्रहार करते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि यदि किसी खाताधारक के सामान्य व्यवहार या पुराने पैटर्न से अलग कोई %असामान्य ट्रांजैक्शन% या संदिग्ध लेनदेन होता है, तो बैंक को उस पर तुरंत अस्थाई रोक लगानी होगी। यह एक ऐसा सुरक्षात्मक कदम है जो अगर पहले से मुस्तैदी से लागू होता, तो आज आठ सौ करोड़ रुपये का यह राष्ट्रीय नुकसान रोका जा सकता था।

इस पूरे संगठित अपराध की रीढ़ की हड्डी म्यूल अकाउंट्स यानी वे फर्जी बैंक खाते हैं, जिनका उपयोग साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और पैसे को अलग-अलग खातों में घुमाने के लिए करते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि बिना बैंकों के भीतर बैठे कुछ भ्रष्ट तत्वों की मिलीभगत या फिर बैंकों के ढीले रवैये के, हजारों की संख्या में फर्जी दस्तावेजों पर खाते खोलना और उनमें करोड़ों का लेन-देन होना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इन फर्जी खातों के जाल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए साफ किया है कि बैंकों को अपने ग्राहक को जानो की प्रक्रिया को केवल एक कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक अभेद्य सुरक्षा कवच बनाना होगा। अब तक बैंक इन फर्जी खातों के जरिए होने वाले अपराधों से खुद को अलग कर लेते थे और सारा दोष पुलिस या पीड़ित पर मढ़ दिया करते थे। लेकिन इस नए आदेश के बाद जब लापरवाही साबित होने पर मुआवजा देना बैंकों के लिए कानूनी रूप से अनिवार्य हो जाएगा, तब वित्तीय संस्थानों को अपनी तकनीकी सुरक्षा और आंतरिक निगरानी तंत्र को दुरुस्त करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जब बैंकों को यह समझ आएगा कि सुरक्षा में चूक की कीमत उनके अपने मुनाफे से कटेगी, तब वे संदिग्ध खातों पर नजर रखने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत सुरक्षा प्रणालियों में निवेश करने को तत्पर होंगे। इसके साथ ही, बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी संदिग्ध डिजिटल अरेस्ट या वित्तीय धोखाधड़ी की गतिविधि की भनक लगते ही तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें, जिससे वित्तीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था के बीच एक मजबूत और त्वरित तालमेल स्थापित हो सके।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक आदेश जितना स्वागत योग्य है, इसे जमीन पर उतारने की राह में उतनी ही जटिल चुनौतियां भी खड़ी हैं। सबसे बड़ा कानूनी और व्यावहारिक संकट यह उठेगा कि बैंक की लापरवाही और ग्राहक की गलती के बीच की महीन रेखा को कौन और कैसे तय करेगा। बैंक निश्चित रूप से हर मामले में अपनी कानूनी टीमों के सहारे यह साबित करने की पुरजोर कोशिश करेंगे कि उपभोक्ता ने स्वयं अपनी संवेदनशील वित्तीय जानकारियां या क्रेडेंशियल्स साझा किए थे, और इसलिए बैंक मुआवजे के लिए कतई उत्तरदायी नहीं है। इसके अलावा, बैंकिंग लॉबी की ओर से इस बात को लेकर भी कानूनी प्रतिरोध देखने को मिल सकता है कि तकनीकी रूप से सुरक्षित प्रणालियों के बावजूद यदि कोई उपभोक्ता सोशल इंजीनियरिंग या मनोवैज्ञानिक दबाव का शिकार होता है, तो उसकी पूरी वित्तीय देनदारी बैंक पर कैसे थोपी जा सकती है। इसके लिए आरबीआई को अपने संशोधित नियमों में बहुत स्पष्ट, निष्पक्ष और पारदर्शी मापदंड तय करने होंगे ताकि पीड़ितों को न्याय पाने के लिए बैंकों के चक्कर न काटने पड़ें और न ही उन्हें उपभोक्ता अदालतों के अंतहीन मुकदमों में उलझना पड़े। एक और चिंताजनक पहलू इस कानून के लागू होने की समयसीमा है। दिसंबर दो हजार छब्बीस तक का समय अपराधियों को नए रास्ते खोजने का मौका दे सकता है, इसलिए इस संक्रमण काल के दौरान भी बैंकों को अपनी स्वेच्छा से सुरक्षा मानकों को कड़ा करना चाहिए। निष्कर्षतः, सुप्रीम कोर्ट का यह कड़ा रुख देश के करोड़ों डिजिटल उपभोक्

सिर्फ 10 मिनट में ईरान को कर देंगे तबाह

ट्रंप ने दी धमकी, मोजतबा खामेनेई ने बदली टारगेट लिस्ट

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। ऐसे में अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के खिलाफ अपना इरादा साफ कर दिया है। ट्रंप ने ईरान को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिका के पास ईरान में अभी एक या दो ठिकाने और बचे हैं जिन्हें ठीक करने यानी तबाह करने की जरूरत है, और अमेरिका यह काम महज 10 मिनट में कर सकता है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजराइल को नए हमलों की खुली चेतावनी दी है।

फ्लोरिडा में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को पहले ही बड़ा झटका दिया है, लेकिन कुछ साइट्स जैसे पिकऐक्स माउंटेन को अभी नेस्तनाबूद करना बाकी है।



जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका इस हफ्ते ही ईरान पर कोई सैन्य हमला कर सकता है, तो उन्होंने बेहद तल्ख अंदाज में जवाब दिया कि आप ऐसा मूर्खतापूर्ण सवाल क्यों पूछ रहे हैं? मान लीजिए अगर मैं हमला करने वाला भी होऊं, तो क्या मैं आपको बता दूंगा? हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ बातचीत ठीक-ठाक चल रही है, लेकिन वे बहुत ज्यादा भरोसेमंद नहीं हैं।

दूसरी ओर, ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने पहली बार शीर्ष सैन्य कमांडरों के साथ बैठक की है। इस दौरान खामेनेई ने कमांडरों को सख्त निर्देश दिए हैं कि अमेरिका-इजराइल दुश्मन की हर छोटी-बड़ी संपत्ति को ईरान के नए टारगेट लिस्ट में शामिल किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी तरह की धमकी का जवाब तत्काल, असरदार और बिना किसी भौगोलिक सीमा के दिया जाएगा।

गौरतलब है कि अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स और खुद ट्रंप के पिछले बयानों से संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान के खिलाफ एक बार फिर बड़ा सैन्य अभियान छेड़ सकता है।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, वॉशिंगटन ने खाड़ी के कई अरब देशों को चेतावनी दी है कि वे अमेरिका के 3 नवंबर के चुनावों के बाद ईरान के खिलाफ एक छोटे और तीव्र सैन्य अभियान के लिए तैयार रहें।

दूसरी तरफ, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी शनिवार को चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिका जब चाहे अपने सैन्य उद्देश्यों को हासिल कर सकता है, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अभी तक नए हमलों पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान पर वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने का भी गंभीर आरोप लगाया।

जेन-जी रेगेल्ट... जर्मनी में हैलोवीन की वेशभूषा में लोगों का अनोखा विरोध प्रदर्शन

बर्लिन

जर्मनी के 34 से अधिक शहरों जैसे कि बर्लिन, फ्रैंकफर्च, म्यूनिख और कोलोन में शनिवार को हजारों युवा सड़कों पर उतरे। लद्दठ्ठ रेगेल्ट यानी लद्दठ्ठ अब कमान संभालेगी नामक इस युवा अभियान के तहत आयोजित इन प्रदर्शनों का मकसद बढ़ती महंगाई, शिक्षा के बजट में कटौती और सेना को मजबूत करने की सरकारी योजनाओं का विरोध करना था। बता दें कि यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब देश में हैलोवीन का जश्न भी मनाया जा रहा था, लेकिन दिन ढलते-ढलते शांतिपूर्ण दिखने वाला यह आंदोलन कई जगहों पर भीषण हिंसा और आगजनी में बदल गया।

जर्मनी के युवा आज भारी आर्थिक और मानसिक दबाव में हैं। उनके गुस्से और प्रदर्शन की मुख्य वजहें हैं-

महंगाई और बजट कटौती- देश की सुस्त अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई के बीच सरकार द्वारा



शिक्षा, स्कूलों और विश्वविद्यालयों के बजट में कटौती करना युवाओं को नागवार गुजरा है।

सैन्य खर्च और अनिवार्य सैन्य सेवा- युवा सरकार की उस योजना का कड़ा विरोध कर रहे हैं जिसके तहत सैन्य बलों की संख्या बढ़ाने और अनिवार्य सैन्य सेवा को दोबारा लाने की बात की जा रही है।

भविष्य की चिंता- देश की बढ़ती बुजुर्ग आबादी के बीच कामकाजी युवाओं पर टैक्स और आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। यूनिवर्सिटीज की खस्ता हालत पर एक छात्र ने तंज कसते हुए कहा कि जब हम यूनिवर्सिटी के कमरों के अंदर जाते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे किसी खंडहर में आ गए हों।

इस बात को ऐसे समझिए कि दिन के समय तो प्रदर्शन काफी हद तक शांत रहे, लेकिन शाम होते ही फ्रैंकफर्ट, बर्लिन, हैम्बर्ग और कोलोन जैसे बड़े शहरों में हालात बेकाबू हो गए। फ्रैंकफर्ट में नकाबपोश उपद्रवियों ने कई दुकानों और एक गन स्टोर के शीशे तोड़कर लूटपाट की। परफ्यूम स्टोर और ट्रेनर शॉप को भी निशाना बनाया गया। इतना ही नहीं, मीडिया रिपोर्ट में इस बात का भी दावा किया गया है कि उग्र भीड़ ने सुरक्षाकर्मियों और आपातकालीन सेवाओं पर पत्थर, आतिशबाजी और पेट्रोल बम फेंके। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ा।

प्रशासन और स्थानीय मंत्रियों ने इस हिंसा के लिए बाहरी और चरमपंथी समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। हेसे राज्य के आंतरिक मंत्री रोमन पोसेक ने कहा कि फ्रैंकफर्ट के प्रदर्शनों में करीब 100 कट्टर वामपंथी घुसपैठ कर गए थे, जिन्होंने इस शांतिपूर्ण आंदोलन को हिंसा में बदल दिया।

हालांकि इससे पहले जर्मन अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि फ्रांस में हुए दंगों की तर्ज पर जर्मनी में भी अति-वामपंथी और विदेशी चरमपंथी समूह माहौल बिगाड़ने की फिराक में हैं।

जर्मनी में जीवन-यापन की बढ़ती लागत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हिंसक हुए, दुकानों में लूटपाट

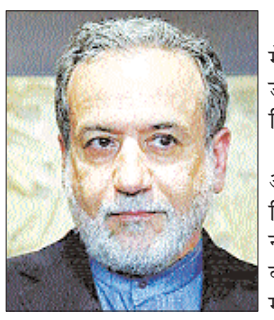
फ्रैंकफर्ट (वार्ता)। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में जेन जेड रेगेल्ट नामक समूह द्वारा आयोजित देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने हथियारों की एक दुकान की खिड़की तोड़ने की कोशिश की। यह प्रदर्शन स्कूलों को कम राशि मिलने, शिक्षा, सामाजिक सेवाओं, संस्कृति और स्वास्थ्य सेवा में कटौती, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और अनिवार्य सैन्य सेवा के खिलाफ किया गया था।बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार जीवन-यापन की बढ़ती लागत को लेकर हुए बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के बाद शनिवार देर रात फ्रैंकफर्ट के मध्य इलाके में उपद्रवियों ने दुकानों में लूटपाट की। यहाँ और जर्मनी के अन्य शहरों में पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़पें भी हुईं। जर्मनी के वित्तीय केंद्र फ्रैंकफर्ट के अलावा, बर्लिन, कोलोन और हैम्बर्ग में भी हिंसा की घटनाएं हुईं। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों को निशाना बनाते हुए उन पर आतिशबाजी, पत्थर और बोतलें फेंकीं, जिसके जवाब में पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। इससे पहले, जेन जेड रेगेल्ट (जिसका अर्थ है जेन जेड ने कमान संभाली) समूह द्वारा आयोजित प्रदर्शनों में हजारों लोग शामिल हुए। उन्होंने स्कूलों को कम राशि मिलने, जीवन-यापन की उच्च लागत, सार्वजनिक खर्च में कटौती और अनिवार्य सैन्य सेवा के खिलाफ विरोध जताया।जर्मनी में यह अशांति फ्रांस में युवाओं के नेतृत्व में हुए इसी तरह के बड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद देखने को मिली है, जहाँ शनिवार को 320,000 से अधिक लोगों ने प्रदर्शन किया था।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने फ्रैंकफर्ट की मुख्य शॉपिंग स्ट्रीट के एक बड़े हिस्से को बंद कर दिया था। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि शहर में कई गिरफ्तारियां की गई हैं।

क्या दो दिन में खुल जाएगा होर्मुज? ईरानी विदेश मंत्री ने दिए संकेत, अमेरिका के सामने रखी शर्त

तेहरान

दुनिया के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आ रही है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अगर अमेरिका तेहरान की शर्तों को मान लेता है, तो ईरान महज दो दिनों के भीतर रणनीतिक रूप से बेहद अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने के लिए तैयार है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री अराघची ने बताया कि कतर की मध्यस्थता से इस प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है। शुरुआत में इस प्रस्ताव की अवधि पांच दिन रखने की बात कही गई थी, जिसे कतर के सुझाव पर अब घटाकर सिर्फ दो दिन कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, अपने बयान में विदेश मंत्री अराघची ने साफ किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और किसी भी शांति वार्ता को शुरू करने से पहले अमेरिका को तेहरान की मुख्य शर्तों को मानना होगा।



प्रतिबंधों और फंड की वापसी- जुलाई में इस्लामाबाद समझौते के टूटने के बाद अमेरिका की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों को हटाया जाए, कतर समेत अन्य जगहों पर जमे ईरान के सभी फंसे हुए पैसे को रिलीज किया जाए और तेल निर्यात छूट को फिर से बहाल किया जाए।

सैन्य कटौती- क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को कम किया जाए।

नया शिपिंग रूट- ओमान के साथ मिलकर तय किए गए नए होर्मुज शिपिंग रूट को आधिकारिक मान्यता दी जाए और बाकी सभी रास्तों को बंद किया जाए। बता दें कि इससे पहले ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसेन रजाई ने साफ कर दिया था कि जब तक ईरान की सातों शर्तें पूरी नहीं होतीं, तब तक जलडमरूमध्य बंद रहेगा। उन्होंने सुप्रीम लीडर के हवाले से चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने कोई सैन्य कार्रवाई की, तो ईरान अपने नए हथियारों से दुश्मनों को करारा जवाब देगा।

हालांकि, इसी बीच यह भी खबर सामने आई है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कतर के माध्यम से मोहसेन रजाई को एक पत्र भेजा है। रजाई ने इस संदेश को सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि अमेरिका के सुर अब पूरी तरह बदल गए हैं। इस पत्र में विशिष्ट शांति शर्तों के बजाय बातचीत का एक नया फ्रेमवर्क सुझाया गया है, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी चर्चा शामिल है। दूसरी ओर, वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान बातचीत करना चाहता है और दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है। एक तरफ जहां ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के साथ समझौते पर बातचीत ठीक चल रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक पद के लिए सात उम्मीदवार नामित

जिनेवा, (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गुरुवार को घोषणा की कि उसके अगले महानिदेशक के चयन के लिए सदस्य देशों ने सात उम्मीदवारों को नामित किया है। नामांकित उम्मीदवारों में कतर की हनान मोहम्मद अल-कुवारी शामिल हैं, जो पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वर्तमान में प्रधानमंत्री की सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाहकार हैं। सऊदी अरब की हनान बलखी, डब्ल्यूएचओ के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक और बेल्जियम के हंस हेनरी पी. क्लूज, यूरोप के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक भी उम्मीदवारों में शामिल हैं। इसके अलावा स्पेन की मारिया पी. नेइरा, जो डब्ल्यूएचओ के पर्यावरण एवं स्वास्थ्य विभाग की पूर्व निदेशक हैं, इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री बुडी गुनादी सादिकिन और चीन के ली सोंग को भी नामित किया गया है। ली सोंग अखिल चीन महिला महासंघ की सचिव और स्वास्थ्य क्षेत्र के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हैं। सातवें उम्मीदवार बोत्सवाना की ओर से नामित आर्मेनिया के बाल कैंसर विशेषज्ञ गेवरग तामाम्यान हैं। वह येरेवान स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष हैं। सभी उम्मीदवार 18 और 19 नवंबर को जिनेवा स्थित संगठन के मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक मंच में हिस्सा लेंगे। इसके जरिए सदस्य देशों को उम्मीदवारों के साथ सीधे संवाद करने का अवसर मिलेगा। डब्ल्यूएचओ का कार्यकारी बोर्ड 2027 की शुरुआत में उम्मीदवारों की संख्या घटाकर पांच करेगा। इसके बाद साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे और विश्व स्वास्थ्य सभा के विचारार्थ अधिकतम तीन उम्मीदवारों को नामित किया जाएगा।

अर्णब के बाद अब चक्रवाती तूफान मुरासु के तीन नवंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराने की संभावना

चेन्नई, (वार्ता)

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव रविवार को तीव्र होकर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इस चक्रवात का नाम मुरासु रखा गया है।यह तूफान कल तक और भीषण होकर गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले लेगा और 2 नवंबर की मध्यरात्रि से 3 नवंबर 2026 की तड़के के बीच आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगा आंध्र प्रदेश, ने हाल ही में बेहद भीषण चक्रवाती तूफान अर्नब का सामना किया है और वह अभी इससे हुए नुकसान से उबर भी नहीं पाया और अब मुरासु नाम के नए चक्रवात का सामना करने की तैयारी कर रहा है। आईएमडी के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना यह मौसम प्रणाली पिछले छह घंटों के दौरान 23 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया। उत्तर हिंद महासागर में चक्रवातों के नामकरण की सूची के तहत भारत द्वारा सुझाए गए तमिल नाम के आधार पर इसे मुरासु%नाम दिया गया है। रविवार दोपहर साढ़े 11 बजे यह तूफान चेन्नई से लगभग 560 किमी, विशाखापत्तनम से 660 किमी दूरी पर केंद्रित था। इसके 100 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की हवाओं के साथ दो नवंबर की मध्यरात्रि से 3 नवंबर तड़के (सुबह 4:00 बजे) के बीच नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट को पार करने की संभावना जताई गई है। इस बीच, क्षेत्रीय मौसम कार्यालय चेन्नई ने कहा कि उत्तर तटीय जिलों में रविवा रात से 3 नवंबर तक बारिश शुरू हो जाएगी, जिससे राज्य में मानसून की गतिविधियां फिर से सक्रिय होंगी।मछुआरों को अगले चार दिनों के दौरान समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है क्योंकि इस दौरान समुद्र में ऊंची लहरें उठने और स्थिति बेहद खराब रहने की आशंका है।

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शन, कपड़ा कारखानों में कामकाज ठप

ढाका,(वार्ता)

बंगलादेश के आशुला, गाजीपुर और मीरपुर औद्योगिक क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर शनिवार को श्रमिकों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों, पथराव और तोड़फोड़ के बाद कम से कम 42 तैयार रेडीमेड गारमेंट फैक्ट्रियों में कामकाज अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई है जब सरकार ने रविवार को एक नया न्यूनतम वेतन बोर्ड गठित करने की घोषणा की है।

काठग्राम क्षेत्र में कम से कम 30 फैक्ट्रियों में उस समय उत्पादन रोकना पड़ा जब प्रदर्शन उग्र हो गए और पथराव में एक पुलिस अधिकारी के घायल होने की खबर है। आशुला इंडस्ट्रियल पुलिस के अनुसार नईम निटवियर के श्रमिकों ने सुबह करीब 10 बजे काम का बहिष्कार कर सड़कों पर प्रदर्शन शुरू किया और आसपास की अन्य फैक्ट्रियों पर पथराव किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों के बीच खदेड़-पछड़ हुई।इसके अलावा कोलाबारी और चंद्र के बीच के इलाके में 12 फैक्ट्रियों में कामकाज बंद रहा, जहां श्रमिकों ने ढाका-तंगेल राजमार्ग को जाम कर दिया और न्यूनतम मासिक वेतन 30,000 टका (लगभग 242 अमेरिकी डॉलर) करने की मांग की।

मीरपुर-11 और कालशी क्षेत्रों में भी प्रदर्शनकारियों ने सड़क मार्ग जाम किए। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के उपायुक्त मोहम्मद नासिर रिकाबदार ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दोपहर 3 बजे तक स्थिति कुछ हद तक शांत हुई।

इससे पहले शुक्रवार को श्रम एवं रोजगार मंत्री आरिफुल हक चौधरी ने ढाका के बिजयनगर स्थित श्रम भवन में बंगलादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन और बंगलादेश निटवेअर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। बैठक के बाद मंत्री ने आश्वासन दिया था कि रविवार को आधिकारिक तौर पर वेतन बोर्ड का गठन कर दिया जाएगा।श्रमिकों की मांग है कि उन्हें 30,000 टका न्यूनतम वेतन दिया जाए और ब्लैकलिस्टिंग तथा मनमाने ढंग से छंटनी की प्रथा बंद की जाए। श्रम नेताओं का कहना है कि 31 अक्टूबर तक वादा किया गया वेतन बोर्ड न बन पाने के कारण श्रमिकों में असंतोष है।

श्री चौधरी ने प्रदर्शनकारियों से आंदोलन समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि जब सरकार उनकी मांगों पर ठोस कदम उठा रही है, तो आगे विरोध-प्रदर्शन करना अनावश्यक है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ बाहरी तत्व श्रमिक संघों की आड़ में हिंसा भड़का रहे हैं। उन्होंने मीडिया और पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के जरिए ऐसे घुसपैठियों की पहचान करने का आह्वान किया। इसके साथ ही, मंत्री ने कारखाना मालिकों को निर्देश दिया है कि वे बकाया वेतन का भुगतान जल्द करें और यह सुनिश्चित करें कि हर महीने का वेतन अगले महीने के पहले सात दिनों के भीतर मिल जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी चेताया कि फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ और हिंसा से उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे समय पर वेतन भुगतान में बाधा आ सकती है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

53 साल की हुईं ऐश्वर्या राय



पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन आज 53 साल की हो गई हैं। दशकों लंबे अपने करियर में, ऐश्वर्या ने कई अलग-अलग रूपों में हमारा मनोरंजन किया है। कभी वह दुखी प्रेमिका पारो के रूप में दिखीं, जिसने अपनी खूबसूरती से सबका दिल जीत लिया, तो कभी धूम फिल्म में वह बेहद आकर्षक और ग्लैमरस सुनहरी के किरदार में नजर आईं। हर किरदार में वो खूब जंची और अपने आकर्षक रूप से आज भी हमारा मनोरंजन करती आ रही हैं। आज हम आपको ऐश्वर्या के ऐसे ही यादगार 5 किरदारों के बारे में बताएंगे। पारो उर्फ पार्वती चक्रवर्ती के रोल में ऐश्वर्या राय के अलावा किसी और की कल्पना करना सचमुच मुश्किल है। अपने प्यार के लिए सब कुछ कुर्बान कर देने वाली लड़की, उसका जबरदस्त डांस और खूबसूरती, पारो को भुला पाना मुश्किल है। इसमें उनके अपोजिट शाह रुख खान नजर आए थे। मेरे ख्यालों की मलिका... फिल्म जोश का यह मशहूर गाना ऐश्वर्या राय के लिए उनके फैंस की भावनाओं को बिल्कुल सही तरीके से बयां करता है। जोश में, गोवा की रहने वाली शर्ली डायस के किरदार में ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत लग रही थीं। 90 के दशक में, शर्ली के रूप में ऐश्वर्या का काफी क्रेज था और हर कोई फिल्म में उनके कूल और बिंदास स्टाइल को अपनाना चाहता था। इस फिल्म के जरिए ऐश्वर्या राय बच्चन ने साबित कर दिया कि उनका आकर्षण सिर्फ उनकी खूबसूरती तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने अमीरन, यानी उमराव जान के किरदार में अपनी बेहतरीन अदाकारी का प्रदर्शन किया। इस यादगार किरदार को पहले मशहूर अभिनेत्री रेखा निभा चुकी थीं। ऐश्वर्या ने इस किरदार में अपना एक अलग ही जादू बिखेरा और उनके अभिनय ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। साल 2006 में रिलीज हुई धूम 2 में ऐश्वर्या का सुनहरी का किरदार उनके सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक था। इसके जरिए एक्ट्रेस ने एक बार फिर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर चाहे उनके जबरदस्त डांस मूव्स हों या उनकी एक्टिंग, सुनहरी का किरदार ऐश्वर्या से बेहतर कोई और नहीं निभा सकता था। अगर हम कहें कि ऐ दिल है मुश्किल में आर्ट क्यूरेटर सबा के रूप में ऐश्वर्या राय को देखकर हम मंत्रमुग्ध नहीं हुए, तो यह झूठ होगा। भले ही उनका रोल छोटा था, लेकिन ऐश्वर्या के आकर्षण और मुस्कान ने हम सभी का दिल जीत लिया। इनमें से आपका फेवरेट करेक्टर कौन सा है, हमें जरूर बताएं।

ऋतिक रोशन ने गर्लफ्रेंड सबा आजाद के जन्मदिन पर लुटाया प्यार



ऋतिक रोशन और सबा आजाद पिछले पांच वर्षों से रिश्ते में हैं। यह कपल सार्वजनिक तौर से अपने प्यार का इजहार करता है। दोनों एक साथ सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हैं। 1 अक्तूबर को अपने रिश्ते के पांच साल पूरे होने का जश्न मनाने के बाद, अब ऋतिक ने सबा के लिए एक खास पोस्ट शेयर किया है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपनी गर्लफ्रेंड के लिए एक बहुत ही प्यारा नोट लिखा है। एक नवंबर को सबा 40 साल की हो गईं। ऋतिक ने उनके जन्मदिन पर लिखा किसी ने मुझसे तुम्हारे बारे में पूछा। मैंने कहा कि मैं तुम्हारे बारे में बात नहीं करना चाहता क्योंकि यह मेरे लिए बहुत अनमोल है। जब उन्होंने जोर देकर पूछा, तो मैंने कहा, अच्छा, ऐसा सोचो- मान लो मुंबई से किसी दूर की जगह जाने के लिए दो फ्लाइट के विकल्प हों। एक सीधी फ्लाइट हो, जो बहुत आसान और सुविधाजनक हो! ऋतिक ने आगे लिखा दूसरी फ्लाइट ऐसी हो जो 8 अलग-अलग शहरों से होकर जाए, जहां हर जगह घंटों का इंतजार करना पड़े, इस बात का भी डर हो कि शायद अगली कनेक्टिंग फ्लाइट छूट जाए। अगर बात तुम्हारे साथ की हो, तो मैं दूसरा विकल्प चुनूंगा। जानबूझकर। हर बार। ऋतिक ने आगे लिखा क्योंकि तुम्हारे साथ, सबा हर मामूली पल, हर इंतजार, हर बार जब हम तय रास्ते से थोड़ा भटकते हैं, तो वह सब अपने आप एक रोमांचक सफर में बदल जाता है। चलो कुछ रोमांचक करते हैं। हमारी जिंदगी भर की लंबी यात्राओं और लंबे इंतजारों के नाम। आई लव यू। हैप्पी बर्थडे! बता दें कि इस कपल ने 2022 में अपने रिश्ते को सबके सामने जाहिर किया था। तब से उन्हें अक्सर फैमिली गेट-टुगेदर और पब्लिक इवेंट्स में साथ देखा जाता रहा है। ऋतिक और सबा के डेटिंग की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब 2022 में उन्हें मुंबई में एक साथ देखा गया।

भल्लालदेव ने कंगना के साथ किया हॉरर फिल्म का एलान



हैलोवीन के मौके पर नई दिल्ली में आयोजित हॉररकॉन इंडिया 2026 में बाहुबली के भल्लालदेव यानी राणा दग्गुबाती ने एक चौंकाने वाली घोषणा की। उन्होंने बताया कि वह स्केरी पिक्कर नाम की एक हॉरर फिल्म प्रोड्यूस करने जा रहे हैं।इस फिल्म का निर्देशन तेलुगु फिल्म निर्माता-अभिनेता रवि बाबू करेंगे, जो अपनी लीक से हटकर बनी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में होंगी; उन्होंने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर इस खबर की पुष्टि की। कंगना रनौत की अगली फिल्म का नाम स्केरी पिक्कर है। हॉररकॉन से सामने आए एक वीडियो में राणा दग्गुबाती को मंच पर अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए देखा जा सकता है। स्क्रीन पर दिख रही एक झलक से पता चलता है कि फिल्म का नाम स्केरी पिक्कर है। फिल्म के नाम से संकेत मिलता है कि इसे हिंदी में बनाया जाएगा। हालांकि राणा के प्रोडक्शन हाउस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कंगना ने इंस्टाग्राम के एक पेज से एक वीडियो रीपोस्ट किया है, जिसमें यह अभिनेता-फिल्म निर्माता फिल्म के बारे में बता रहे हैं।राणा ने हॉररकॉन में इस फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, यह एक हॉरर फिल्म है। इसे रवि बाबू डायरेक्ट कर रहे हैं, जो मेरे दोस्त हैं। उन्होंने तेलुगु में कई हॉरर फिल्में बनाई हैं और यह उनकी पहली हिंदी फीचर फिल्म है। फिल्म के टाइटल की घोषणा सबसे पहले यहीं की जा रही है। हमने अभी तक किसी हिंदी प्रेस को इसके बारे में नहीं बताया था; यह पहली बार है जब हम इस जानकारी को सबके सामने ला रहे हैं।रवि बाबू लीक से हटकर, अलग तरह की और एक्सपेरिमेंटल फिल्म-मेकिंग शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्में भले ही हमेशा बॉक्स-ऑफिस पर बहुत सफल न रही हों, लेकिन अपनी अनोखी खूबी के कारण वे हमेशा अलग नजर आती हैं। 2023 में, उन्होंने बेब जैसी एक फिल्म अधुगो बनाने की कोशिश की थी, जिसमें एक सुअर का बचा मुख्य किरदार था।इस साल उन्होंने रेजर का निर्देशन किया। चूंकि इस फिल्ममेकर-अभिनेता का जाने-माने चेहरों के साथ काम करना बहुत कम ही देखने को मिलता है, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि स्केरी पिक्कर में वे क्या नया लेकर आते हैं।

हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद होने के नाते, कंगना आजकल राजनीति और फिल्मों, दोनों को एक साथ संभाल रही हैं। हाल ही में वह इस साल आई फिल्म भारत भाग्य विधाता में नजर आईं, जिसे उन्होंने प्रोड्यूस भी किया था।

पत्नी के खाते में सरकारी भुगतान, शिक्षक की भूमिका पर उठे सवाल

पिपरवानी हायर सेकंडरी स्कूल का मामला, चार साल में 92 हजार 50 रुपए का लेनदेन दर्ज ; बिलों और भुगतान प्रक्रिया की जांच की मांग



स्वतंत्र मत। पिपरवानी(आदिवासी बाहुल्य विकासखंड कुरई के शासकीय स्कूलों में सरकारी राशि के भुगतान को लेकर अनियमितताओं के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला पिपरवानी हायर सेकंडरी स्कूल का है, जहां पदस्थ शिक्षक लखन चौधरी द्वारा अपनी पत्नी लक्ष्मी चौधरी के बैंक खाते में विभिन्न शासकीय मदों से भुगतान कराए जाने का मामला सामने आया है। आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के बीच दोनों के नाम पर कुल 92 हजार 50 रुपए का भुगतान दर्ज है। इससे सरकारी खरीद और भुगतान प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दस्तावेजों के मुताबिक, लक्ष्मी चौधरी के खाते में स्कूल ग्रांट, एसएमडीसी प्रशिक्षण, कम्युनिटी मोबिलाइजेशन, यूथ एवं इको क्लब, सुरक्षा सामग्री, भावनात्मक स्वास्थ्य, शारीरिक शिक्षा और ग्रीन गतिविधियों सहित विभिन्न मदों से कुल 87 हजार 550 रुपए का भुगतान किया गया। इसमें वर्ष 2022-23 में 6,200, 2023-24 में 35,300, 2024-25 में 27,300 और 2025-26 में 18,750 रुपए शामिल हैं। वहीं, वर्ष 2024-25 में शिक्षक लखन चौधरी के नाम पर भी 4,500 रुपए का भुगतान दर्ज है।

बिलों और अभिलेखों में अंतर पर सवाल

जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी चौधरी के नाम से कटंगी (बालाघाट) स्थित सॉफ्टेक कंप्यूटर्स के बिलों के आधार पर अलग-अलग मदों में भुगतान किया गया। स्थानीय स्तर पर संबंधित प्रतिष्ठान की मौजूदगी को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। दस्तावेजों में 14 अलग-अलग भुगतानों का उल्लेख है, जबकि केसबुक और रोकड़ बही में केवल चार भुगतान दर्ज होने की बात सामने आई है। ऐसे में बिलों की प्रामाणिकता, सामग्री की वास्तविक खरीदी और आपूर्ति तथा भुगतान अभिलेखों का मिलान जांच का विषय है।

पहले कुड़वा स्कूल का मामला भी आया था सामने

कुरई विकासखंड में इससे पहले कुड़वा स्कूल के तत्कालीन प्राचार्य अजय गौतम द्वारा अपनी पत्नी के खाते में शासकीय राशि का भुगतान किए जाने की शिकायत सामने आई थी। अब पिपरवानी स्कूल का मामला सामने आने से स्कूलों में सरकारी राशि के उपयोग और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। मामले में संबंधित बिलों, बैंक लेनदेन और सामग्री की आपूर्ति की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

शिक्षक ने भुगतान प्रक्रिया को बताया नियमानुसार

शिक्षक लखन चौधरी का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति को जीविकोपार्जन के लिए अर्थोपार्जन करने का अधिकार है। सभी लेनदेन तत्कालीन प्राचार्य की आईडी से मेकर, वेरीफायर और अप्रूवल प्रक्रिया के तहत किए गए हैं। सामग्री संबंधित दुकान से ही खरीदी गई थी।

पूर्व प्रभारी प्राचार्य ने शिक्षक पर डाली जिम्मेदारी

पूर्व प्रभारी प्राचार्य चरणलाल सुहाने ने बताया कि उन्हें कंप्यूटर चलाना नहीं आता था। पूर्व प्राचार्य के निधन के बाद उन्हें प्रभार सौंपा गया था। इस दौरान लखन चौधरी को डीजीगो का प्रभार दिया गया था। उनके अनुसार, लेनदेन की प्रक्रिया लखन चौधरी ही संभालते थे और उनकी मोबाइल आईडी पर ओटीपी लेकर भुगतान किया जाता था। उन्होंने संबंधित लेनदेन की जिम्मेदारी शिक्षक की बताई। वहीं वर्तमान प्राचार्य आरके झोड़े ने कहा कि उन्होंने हाल ही में प्रभार संभाला है और पुराने मामले से उनका कोई संबंध नहीं है।

जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी- बीईओ

विकासखंड शिक्षा अधिकारी अनुराग रावल ने बताया कि कुछ माह पहले कुड़वा स्कूल में भी तत्कालीन प्राचार्य अजय गौतम द्वारा पत्नी के खाते में शासकीय राशि का भुगतान किए जाने की शिकायत मिली थी। शिकायत के बाद उन्हें तत्काल स्कूल से हटा दिया गया था। अब पिपरवानी स्कूल का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जोधपुर मिष्ठान्न में बिक रही घटिया गुणवत्ता की मिठाई!

खाद्य विभाग की निगरानी पर उठ रहे सवाल, आखिर कब होगी जांच और कार्रवाई ?



फाईल फोटो

धनौरा। सिवनी जिले के धनौरा विकासखंड मुख्यालय में स्थित जोधपुर मिष्ठान्न में कथित तौर पर घटिया गुणवत्ता की मिठाई बेचे जाने का मामला सामने आ रहा है। मिठाई की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने के बाद भी खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर खाद्य विभाग की जिम्मेदारी क्या केवल त्योहारों के समय औपचारिक जांच तक सीमित रह गई है?

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और आम नागरिकों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी खाद्य सुरक्षा विभाग की होती है। बावजूद इसके धनौरा मुख्यालय में मिठाई की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें सामने आना विभागीय निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। मिठाई का सेवन बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सहित सभी वर्गों के लोग करते हैं। ऐसे में यदि किसी प्रतिष्ठान पर घटिया या मानकों के विपरीत मिठाई बेची जा रही है, तो यह आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो सकता है।

अब सवाल यह है कि खाद्य सुरक्षा विभाग धनौरा स्थित जोधपुर मिष्ठान्न की मिठाइयों के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच कब करेगा? क्या विभाग मौके पर पहुंचकर जांच करेगा या फिर किसी बड़ी शिकायत और घटना का इंतजार किया जाएगा?जनहित में मांग है कि खाद्य सुरक्षा विभाग तत्काल जोधपुर मिष्ठान्न की मिठाइयों की जांच करे, खाद्य नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे और जांच में अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करे, ताकि धनौरा के नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री मिल सके। धनोरा में जोधपुर मिष्ठान्न पर खाद्य विभाग की मेहरबानी? घटिया मिठाई की बिक्री को लेकर उठे सवाल धनोरा में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर जोधपुर मिष्ठान्न में बिक रही मिठाइयों की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में सवाल यह है कि खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर दुकानों का निरीक्षण और खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच क्यों नहीं कराई जा रही है? खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत विभाग को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करने, नमूने लेने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई करने का अधिकार है। अब देखना होगा कि जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और नमूना परीक्षण कराते हैं या फिर आम जनता की सेहत से जुड़े इस मामले में विभाग की चुप्पी बरकरार रहती है।

लोकतंत्र के नाम पर अराजकता फैलाने की कोशिशें देशहित में नही- विनोद गोटिया

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषय पर सिवनी में भाजपा की वैचारिक संगोष्ठी

संविधान, वोट चोरी के आरोपों, आपातकाल और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर मुख्य वक्ता ने रखे विचार



सिवनी। लोकतंत्र की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। राजनीतिक विरोध और असहमति लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन इनके नाम पर संस्थाओं के प्रति अविश्वास और समाज में अराजकता का वातावरण निर्मित करना देशहित में नहीं है। यह विचार मध्यप्रदेश शासन के तीर्थ क्षेत्र एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री विनोद गोटिया ने सिवनी बारापत्थर पवार मंगल भवन में आयोजित %लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' विषयक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

श्री गोटिया ने अपने विस्तृत एवं तर्कपूर्ण संबोधन में संविधान की गरिमा, न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग की भूमिका, विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोपों, मतदाता सूची पुनरीक्षण, आपातकाल के इतिहास, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, राष्ट्रीय सुरक्षा, धर्मांतरण और विदेशी हस्तक्षेप जैसे विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संविधान किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना और विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर लगातार सवाल उठाकर जनता के बीच अविश्वास पैदा करना उचित नहीं है। निर्वाचन आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया और मतदाता सूची पुनरीक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नए पात्र मतदाताओं के नाम जोडना तथा मृत एवं अपात्र मतदाताओं के नाम हटाना निर्धारित प्रक्रिया का हिस्सा है। राजनीतिक दलों को आरोप-प्रत्यारोप के बजाय जनता को इस प्रक्रिया की सही जानकारी देनी चाहिए।

आपातकाल से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक उठाए महत्वपूर्ण मुद्दे

मुख्य वक्ता ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध लगे और विपक्षी नेताओं को जेलों में बंद किया गया। उन्होंने कांग्रेस के लोकतांत्रिक इतिहास पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा की बात करने वालों को अपने अतीत का भी मूल्यांकन करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने भारत की आर्थिक विकास दर और गरीबी कम होने से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत किए। भारत-नेपाल की खुली सीमा, राष्ट्रीय सुरक्षा, धर्मांतरण और विदेशी फंडिंग के मुद्दों पर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी शक्तियां विभिन्न माध्यमों से भारत की सामाजिक एकता और संप्रभुता को प्रभावित करने का प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने समाज से ऐसी गतिविधियों के प्रति सजग रहने और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने का आह्वान किया।

श्री गोटिया ने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जागरूक नागरिकों से लोकतंत्र, संविधान और निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी समाज के बीच पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन भी जरूरी है। किसी भी आरोप या विवाद का समाधान संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से ही होना चाहिए।

साहित्यकारों सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन रहे उपस्थित

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के जयघोष एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ। संगोष्ठी में नगर के अधिवक्ता, डाक्टर, इंजीनियर, सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी, समाजिक क्षेत्र के कार्यकर्त्ता, पत्रकार, साहित्यकारों धार्मिक संस्थाओं से जुड़े व्यक्ति, व्यापारी, मातृशक्ति राजनैतिक कार्यर्ताओं सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध वर्ग के लोग उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए आयोजन की आवश्यकता और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सांसद श्रीमती भारती पारधी ने संगोष्ठी की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य की जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला संयोजक संतोष नगपुरे तथा सिवनी विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम प्रभारी संतोष अग्रवाल सहित राजनीतिक कार्यकर्ता एवं पूर्व विधायक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संदीप मिश्रा ने किया। भारत माता के जयघोष और वंदे मातरम् से प्रारंभ हुई संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सिवनी में भव्य वनमाली शिक्षक सम्मान 2026 सम्पन्न

आरएनटीयू भोपाल द्वारा जिले के 105 से अधिक शिक्षकों का हुआ अनूठा सम्मान





सिवनी। स्वतंत्र मत। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आर एन टी यु) भोपाल के तत्वावधान में शिक्षक समुदाय के अतुलनीय योगदान, निष्ठा और उनकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए वनमाली शिक्षक सम्मान 2026 समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

इस प्रतिष्ठित गरिमामयी समारोह में सिवनी जिले के सभी विकासखंडों के दूर-दराज अंचलों से जुड़े लगभग 105 से अधिक शिक्षकों को समाज और राष्ट्र निर्माण में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के साथ-साथ युवा विकास, कौशल विकास और खेलकूद के क्षेत्र में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी विश्वविद्यालय की तमाम नवीन पहलों को भी विस्तार से साझा किया गया।

विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के गणमान्य अधिकारियों और शिक्षाविदों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लालजी राम मीणा (असिस्टेंट कमिश्नर, आदिम जाति कल्याण विभाग, सिवनी) रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती संयुक्ता उइके (सहायक संचालक, जिला शिक्षा विभाग, सिवनी), चुनेंद्र बिसेन (सहायक जिला परियोजना अधिकारी, सिवनी), जनक तिवारी (विधिक सलाहकार, म.प्र. प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन), नरेश सिंह राजपूत (कार्यकारी जिलाध्यक्ष, म.प्र. प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन एवं जिला प्रबंधक, आईसेक्ट सिवनी) अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे।

इसके साथ ही, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय से संतोष उपाध्याय (असिस्टेंट रजिस्ट्रार एडमिशन), डॉ. स्वरागिनी सिन्हा, विवेक सांगोड़े (असिस्टेंट मैनेजर), मुकेश पटले (मार्केटिंग एडमिशन) तथा जिले के शाखा प्रबंधक राजेंद्र ठाकुर, महेंद्र पवार सहित क्षेत्र के तमाम शिक्षाविद् और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गौर (इंडियन बायसन) के अवैध शिकार करने तीन साल बाद पकड़ाये



सिवनी। स्वतंत्र मत। दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को स्पेशल टास्क फोर्स से प्राप्त सूचना के आधार पर पेंच टाईगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा गठित टीम ने वन्यप्राणी गौर (इंडियन बायसन) के अवैध शिकार के मामले में चार व्यक्तियों से पूछताछ की। विदित है कि वन्यप्राणी गौर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची- अंतर्गत आता है। पूछताछ में आरोपियों ने लगभग तीन वर्ष पूर्व विद्युत करंट फैलाकर गौर का अवैध शिकार करने का अपराध स्वीकार किया। आरोपी 1. राजकुमार वल्द उद्योसिंह सरयाम, जाति-गोंड, उम्र 44 वर्ष, साकिन-कर्माझिरी 2. आशीष वल्द धरमसिंह उइके, जाति-गोंड, उम्र 30 वर्ष, साकिन-कर्माझिरी 3. राजाराम वल्द शेरसिंह वटटी, जाति-गोंड, उम्र 36 वर्ष, साकिन-कर्माझिरी 4. लक्ष्मण वल्द बानसा उइके, जाति-गोंड, उम्र 33 वर्ष, साकिन-कुंभपानी चारों आरोपियों की निशानदेही पर टीम मौकास्थल वन परिक्षेत्र घाटकोहका बफर अंतर्गत बरेलीपार बीट के कक्ष क्रमांक 386 में राजकुमार सरयाम के खेत पर पहुंची।

31 मार्च 2027 तक बंद रहेगा भटेरा चौकी रेलवे क्रासिंग से आवागमन

बालाघाट। बालाघाट-नैनपुर सड़क मार्ग स्थित भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते 31 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने इस मार्ग को अस्थायी रूप से बंद कर वाहनों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं। यह ओवरब्रिज लोक निर्माण विभाग के सेतु निर्माण विभाग एवं रेलवे विभाग द्वारा संयुक्त रूप से बनाया जा रहा है। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी सेतु निर्माण तथा यातायात थाना प्रभारी द्वारा भटेरा रेलवे क्रॉसिंग (एलसी बीके-2) एवं प्रस्तावित डायवर्सन मार्ग का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूर्व अनुमोदित ट्रैफिक डायवर्सन प्लान के अनुसार मार्ग परिवर्तन लागू किया गया है। प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार नैनपुर रोड से आने वाले भारी वाहन मगरदर्रा से लालबर्रा रोड होते हुए बालाघाट-सिवनी मार्ग पर पहुंचेंगे। इसी तरह सिवनी एवं लालबर्रा की ओर से नैनपुर जाने वाले भारी वाहन लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग से होकर नैनपुर जाएंगे। नैनपुर से बालाघाट नगरीय क्षेत्र एवं बैहर की ओर आने वाले भारी वाहनों को भी मगरदर्रा-लालबर्रा मार्ग से बालाघाट आना होगा। इसी प्रकार बालाघाट शहर एवं बैहर से नैनपुर जाने वाले भारी वाहन लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग का उपयोग करेंगे।

बालाघाट में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस





बालाघाट।

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस 1 नवंबर को बालाघाट जिले में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित सांदीपनि विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी रमेश रंगलानी, अशोक केहरी एवं शांतिलाल का शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह में मध्यप्रदेश गान का भी सामूहिक गायन किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना के बाद से निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास को नई गति दे रही है। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले में विकास के अनेक कार्य हुए हैं। जिले में चार स्थानों पर रेल ओवरब्रिज का निर्माण हो चुका है, जबकि भटेरा रोड पर कार्य जारी है। गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के दोहरीकरण की प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही इसका कार्य प्रारंभ होगा। इसी तरह बालाघाट से सिवनी फोरलेन सड़क का टेंडर भी हो चुका है। आगे कहा कि बालाघाट और सिवनी जिले का संसदीय क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और वन संपदा की दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। इस क्षेत्र में कान्हा टाइगर रिजर्व और पेंच नेशनल पार्क स्थित हैं, जो आपस में जुड़े हुए हैं। प्राकृतिक एवं खनिज संसाधनों से समृद्ध यह क्षेत्र विकास की अपार संभावनाएं रखता है और निरंतर प्रगति कर रहा है।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति के तहत एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के छात्र गिरीश पारधी को सम्मानित किया गया। मोहनपुर छात्रावास की अधीक्षिका श्यामवती उपवंशी को छात्रावास के उत्कृष्ट संचालन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इसी प्रकार सोनगुड्डा अस्पताल की सीएचओ श्रीमती अंजलि रहांगडाले और बिठली अस्पताल के डॉ. सौरभ उइके को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले नगरपालिका के कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह स्थल पर आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगरपालिका बालाघाट, आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इनके माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना में संतलाल उपवंशी रहे प्रथम

16.91 किलोग्राम दूध उत्पादन कर हासिल किया पहला स्थान

बालाघाट। शासन की गोपालकृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हारी में आयोजित दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। देशी नस्ल की गायों के दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 30 एवं 31 अक्टूबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में ग्राम के पशुपालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में संतलाल उपवंशी ने अपनी गाय से 16.91 किलोग्राम दूध उत्पादन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का आयोजन उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. घनश्याम परते के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें पशुपालकों द्वारा पाली जा रही देशी नस्ल की गायों के दुग्ध उत्पादन का



निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार वैज्ञानिक तरीके से मूल्यांकन किया गया। 30 अक्टूबर को पहले दिन तथा 31 अक्टूबर को दूसरे दिन सुबह के दुग्ध उत्पादन की माप की गई। दोनों दिनों के परिणामों के आधार पर अंतिम सूची तैयार की गई। प्रतियोगिता में चन्द्रभान रनगिरे ने 14.28 किलोग्राम दुग्ध उत्पादन के साथ द्वितीय तथा शिवलाल डहारे ने 12.79 किलोग्राम दुग्ध उत्पादन के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। योजना के प्रावधानों के अनुसार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पशुपालक को एक लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 50 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

शादी का दबाव बना हत्या की वजह! नर्स साक्षी की हत्या का आरोपी गिरफ्तार



बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम बोदलकसा के जंगल में 21 वर्षीय युवती साक्षी डोहरे की संदिग्ध परिस्थितियों में मिली लाश के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि युवती की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या थी। आरोपी ने प्रेम विवाह करने का दबाव बनाया और युवती के इनकार करने पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, हत्या के बाद मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए आरोपी ने झूठी कहानी भी गढ़ी थी। पुलिस ने इस मामले में 26 वर्षीय आरोपी आकाश बाघमारे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। दरअसल, मामले में शुरूआत से ही पुलिस को कुछ परिस्थितियां संदिग्ध नजर आ रही थीं। बताया गया कि आरोपी आकाश बाघमारे ने प्रारंभ में यह कहानी बताई थी कि साक्षी ने पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। हालांकि पुलिस ने इस कहानी पर भरोसा करने के बजाय घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मृतिका के परिजनों सहित संबंधित लोगों से पूछताछ की।

इसके साथ ही तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्य जुटाए गए। जब डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया तो रिपोर्ट में मौत का कारण गला दबाने से दम घुटना सामने आया। इसके बाद स्पष्ट हो गया कि मामला आत्महत्या का नहीं, बल्कि हत्या का है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने जांच की। मर्ग जांच के आधार पर रामपायली थाने में अपराध अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने आरोपी आकाश बाघमारे को 31 अक्टूबर 2026 की रात 10 बजकर 50 मिनट पर गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, उसका मोबाइल फोन, मृतिका का मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त रस्सी जब्त की गई है।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)।



प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन म.प्र. के आव्हान पर प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा कटनी द्वारा दिनांक 28 अक्टूबर दिन बुधवार को 12 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट कटनी में दोपहर 3 बजे से धरना प्रदर्शन किया गया। पश्चात मुख्य मंत्री एवं मुख्य सचिव म.प्र. शासन को अपर कलेक्टर कटनी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में 1. जुलाई 2019 से केंद्रीय तिथि के समान महंगाई राहत का नियमित भुगतान, माह जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत तथा जुलाई 2026 से 3 प्रतिशत राहत राशि का भुगतान किये जाने मांग की गई। 2.दिनांक 01.01.2006 से दिनांक 31.08.2008 तक 32 माह एवं 3.दिनांक 01.01.2016 से 31.03.2018 तक 27 माह का एरियर भुगतान किया जाय। 4. पेंशनर्स को नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था की जाय। 5. जिला स्तर एवं संभाग स्तर पर पेंशन कार्यालय पुन: यथावत रखा जावे। 6. प्रदेश के पेंशनर्स को हिमांचल सरकार के अनुरूप 65वर्ष, 70 वर्ष, 75 वर्ष तथा 80 वर्ष की उम्र के प्रारंभ से अतिरिक्त पेंशन प्रदान की जावे। 7. विद्युत मंडल के पेंशनर्स को पेंशन की गारंटी दी जाय एवं जिला कोषालय से पेंशन की व्यवस्था की जाय। 8. सभी सेवा निवृत कर्मचारियों को जिनकी सेवा 35 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उन्हें चतुर्थ समयमान वेतनमान का लाभ दिया जाय। 9. पेंशन सरांशी करण की अवधि 15 माह के स्थान पर 11वर्ष 9 माह की जाय।10. शिक्षकों को पात्रतानुसार अर्जित अवकाश के नगदीकरण का लाभ दिया जावे। 11. पेंशनर्स कल्याण मंडल एपेंशनर्स फोरम की नियमित बैठक आमंत्रित की जावे। 12. पेंशन एन.पी.एस. और यू.पी.एस. के स्थान पर ओ.पी.एस. लागू की जावे। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा अवगत कराया गया है कि शासन यदि चर्चा के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना चाहती है तो एसोसिएशन चर्चा करने के लिए तत्पर है तदानुसार दिनांक एवं समय की सूचना एसोसिएशन को देकर अनुग्रहित करें। इस अवसर पर संरक्षक अनंत तिवारी, अध्यक्ष सुशील कुमार पाठक, उपाध्यक्ष मोहन लाल सोनी, विष्णु साहू, सचिव मंगल प्रसाद खंपरिया एकोषाध्यक्ष जे.पी.हल्दकार, राजा भैया पांडे, मदन चौरसिया, जे.पी. तिवारी, राघवेंद्र परोहा, रमाशंकर पांडे, राजेश बिचपुरिया आदि बहुत संख्या में पेंशनर्स साथियों की उपस्थिति रही।

प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया परेड कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)।



राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर थाना परिसर बाकल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रोजेक्टर के माध्यम से राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित परेड कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। थाना परिसर में उपस्थित स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस स्टाफ ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम का अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश की संप्रभुता के महत्व को रेखांकित किया गया। उपस्थित लोगों ने परेड के माध्यम से अनुशासन, समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना को करीब से देखा।

पुलिस जवानों की कदमताल और परेड की अनुशासित प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। सरदार पटेल ने देश की स्वतंत्रता के बाद विभिन्न रियासतों का एकीकरण कर मजबूत और अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उनका जीवन देश की एकता, अखंडता और दृढ़ संकल्प का प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को देश की एकता और अखंडता के प्रति जागरूक रहने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा मिली।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियो मे मंडल अध्यक्ष डा. पीयूश अग्रवाल जिला मंत्री कमलेश सेन मनोज पटेल गोविन्द चौधरी तथा थाना प्रभारी दिनेश तिवारी थाना स्टाफमे वीएल ठाकुर भूरे सिंह ठाकुर अजय सिंहए शिवसिंह, नकुल मेजर, नंद किशोर राजभान पटेल सहित नगर रक्षा समिति के सदस्य स्थानीय नागरिकों एवं थाना स्टाफ की सहभागिता रही।

स्थापना दिवस पर भव्य समारोह का आयोजन



कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश के 71 वें स्थापना दिवस पर कटनी के बस स्टैंड स्थित आडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन हो रहा है। इस अवसर पर विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल, बडवारा विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, महापौर प्रीति सूरी, कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, वन मंडलाधिकारी गर्वित गंगवार, निगमायुक्त तपस्या परिहार, जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, पर्यावरणविद् श्री निर्भय सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, और छात्र-छात्राओं की मौजूदगी है।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित और माल्यार्पण कर हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन हो रहा है। इसके पहले राष्ट्रगान और मध्यप्रदेश गान के गायन से इस भव्य और गरिमामयी स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ।

जिले के 51 जन शिक्षा केंद्रों में हुआ शैक्षिक संवाद

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के सभी जन शिक्षा केंद्रों की प्राथमिक शालाओं के प्राथमिक स्तर के लगभग 1500 शिक्षकों के जन शिक्षा केंद्र स्तरीय शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया। इस संवाद की सार्थकता का आकर्षण इस बार की टीएलएम प्रदर्शनी रही जिसमें बच्चे करके सीखने या लर्निंग बाय डूइंग की स्पष्ट समझ के साथ आगे बढ़ेंगे। अगले दक्षता स्तर तक पहुंचने में सहायता मिल सकेगी। इस टी एल एम प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य कक्षा 3 से कक्षा 5 तक के बच्चों को टीचिंग लर्निंग मटेरियल का खेल-खेल में और व्यावहारिक तरीके से उपयोग करते हुए सिखाने के लिए मजबूत आधार प्रदान करना है।

क्यूआर कोड बताएगा शराब की असली पहचान

कटनी (स्वतंत्रमत)। नकली एवं संदिग्ध मदिरा की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से आबकारी विभाग ने कंपोजिट मदिरा दुकानों में फ्लेक्स के माध्यम से शराब की पहचान एवं सुरक्षित खरीद को लेकर सावधानी और सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैए लेकिन सही जगह से खरीदारी, क्यूआर कोड से जानकारी का मिलान-नकली शराब से बचाव के महत्वपूर्ण कदम हैं। आबकारी विभाग के अनुसार शराब खरीदते



समय बोतल के लेबल, सील और क्यूआर कोड की जांच करना बेहद जरूरी है। बोतल पर लगे लेबल के रंग और सील की निर्धारित आकृति में किसी प्रकार का अंतर दिखाई देने पर शराब के नकली होने की आशंका हो सकती है। जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाम ने बताया कि बोतल पर अंकित क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन कर ग्राहक मदिरा की महत्वपूर्ण जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। क्यूआर कोड स्कैन करने पर ब्रांड, बॉटलिंग इकाई, बैच क्रमांक, बैच दिनांक और लेबल क्रमांक जैसी जानकारी प्रदर्शित होती है। ग्राहक को क्यूआर कोड से प्राप्त जानकारी का मिलान बोतल पर अंकित विवरण से करने की सलाह दी गई है। जानकारी में अंतर मिलने पर मदिरा संदिग्ध हो सकती है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि देशी मदिरा के लेबल का रंग नारंगी और विदेशी मदिरा के लेबल का रंग नीला होता है। बोतल की सील पर निर्धारित नारंगी डायमंड आकृति भी पहचान का महत्वपूर्ण आधार है।

संदेह हो तो सेवन नहीं, तत्काल दें सूचना-आबकारी विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि शराब के स्वाद, गंध, रंग अथवा गुणवत्ता में किसी तरह का असामान्य परिवर्तन महसूस होने पर उसका सेवन न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल आबकारी विभाग को आबकारी कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 07622-231217 पर सूचना देकर संदिग्ध मदिरा के संबंध में जानकारी दें सकते हैं। इसलिए केवल लाइसेंसी मदिरा दुकान से ही शराब खरीदें। अन्य किसी स्थान से बिना लाइसेंस प्राप्त स्थानों से शराब विक्रय ना करें।

सेवा, समर्पण एवं संगठन की एकजुटता का संदेश

जायंट्स फेडरेशन 7 का यूनिट अवार्ड समारोह, उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए ग्रुपों एवं पदाधिकारियों का सम्मान



कटनी (स्वतंत्रमत)। समाजसेवा को समर्पित जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 7 के तत्वावधान में यूनिट अवार्ड का कार्यक्रम जायंट्स कटनी सहेली के सौजन्य से 31 अक्टूबर शनिवार को स्काईलाइट, शंभू टॉकीज रोड, जोवियल स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अन्य अतिथियों के रूप में फेडरेशन अध्यक्ष दीपिका शर्मा, फेडरेशन उपाध्यक्ष रणवीर करण, यूनिट डायरेक्टर प्रिया श्रीवास्तव, ग्रुप उपाध्यक्ष मनीष गौतम एवं ग्रुप संस्थापक गीता जोशी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के दूसरे चरण में जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 7 की अध्यक्ष दीपिका शर्मा एवं अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में जबलपुर, सतना एवं कटनी सहित विभिन्न शहरों से आए जायंट्स सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर वर्ष भर किए गए सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ग्रुपों एवं पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। यूनिट डायरेक्टर प्रिया श्रीवास्तव द्वारा बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड, बेस्ट ग्रुप अवार्ड, बेस्ट सेवा सप्ताह अवार्ड, बेस्ट बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अवार्ड, बेस्ट अध्यक्ष एवं बेस्ट सचिव सहित विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड प्रदान किए गए। समारोह में सेवा, समर्पण एवं संगठन की एकजुटता का संदेश दिया गया। सभी सदस्यों ने सामाजिक कार्यों को और अधिक सक्रियता एवं नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 7 द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। पीड़ित मानवता की सेवा के साथ ही सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्थाओं का सम्मान काबिले तारीफहै। इससे सामाजिक संस्थाओं का उत्साह बढ़ता है और अन्य संगठनों को प्रेरणा मिलती है। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजनों के लिए जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 7 की पूरी टीम को अपनी ओर से साधुवाद दिया। उन्होंने आगे भी इसी तरह के कार्यक्रम करते रहने का आव्हान किया। इस अवसर पर फेडरेशन सचिव सुषमा गोस्वामी, फेडरेशन ऑफिसर दीपाली गुप्ता, रंजिश गोयनका, वरिष्ठ सदस्य गौरी साहू, शशि शुक्ला, आशा दीक्षित, रितु तिवारी, अलका वर्मा की उपस्थिति रही, साथ ही जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी यूनिट के अध्यक्ष बसंत यादव, सचिव शिवराज गोस्वामी एवं कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता सहित अनेक सदस्यों की सहभागिता रही।

सनशाइन अकादमी में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन



कटनी (स्वतंत्रमत)।

सनशाइन अकादमी, राहुल बाग में दिनांक 31 अक्टूबर, शनिवार को अर्धवार्षिक परीक्षा के परिणामों एवं विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करने के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, व्यवहार तथा सर्वांगीण विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। अभिभावकों ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं बच्चों के प्रति उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार की सराहना की। इस अवसर को और भी आनंदमय बनाने के लिए अभिभावकों हेतु मनोरंजक गतिविधियों एवं पहेलियों पर आधारित खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। खेलों एवं गतिविधियों ने बैठक के वातावरण को खुशनुमा बनाया तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच आपसी संवाद एवं सहयोग को और अधिक मजबूत किया।

विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करना है। यह बैठक विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।



चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ सामूहिक स्वच्छता अभियान

कटनी (स्वतंत्रमत)। आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं मुनि श्री 108 पुंगव सुधासागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से निर्मित चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में आज 1 नवंबर, रविवार को प्रात: 8 बजे सामूहिक स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान हर्ष, उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। जैन समाज के श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए तीर्थक्षेत्र की स्वच्छता, सुंदरता एवं संरक्षण के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया। इस अभियान के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण, सहयोग एवं एकता की भावना का संदेश दिया गया। सभी समाजजनों ने संकल्प लिया कि तीर्थक्षेत्र की स्वच्छता एवं सुरक्षा केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही इस पावन स्थल की गरिमा एवं सुंदरता को बनाए रखा जा सकता। चेतनोदय तीर्थक्षेत्र कटनी में अब प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं अन्य रचनात्मक सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। समस्त जैन समाज के बंधुओं से विनम्र आग्रह किया गया है कि वे प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले इन नवाचार एवं सेवा कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनें तथा तीर्थक्षेत्र की स्वच्छता, सुरक्षा एवं संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाएं। अंत में चेतनोदय तीर्थक्षेत्र के अध्यक्ष अनुराग जैन जैन सामज के लोगो का धयनवाद दिया।

भदौरा के जंगल में आबाद हो रहा था बल्ली निषाद का जुआं फड़

एसपी की विशेष टीम ने दी दबिश, फड़ संचालक सहित 13 जुआरी गिरफ्तार, 8 फरार,12.85 लाख का माल बरामद

कटनी (स्वतंत्रमत)। बड़वारा थाना क्षेत्र इन दिनों जुआरियों के लिए सुरक्षित पनाहगार बना हुआ है। त्योहारों के दौरान बीते लगभग 1 महीने से बड़वारा थाना क्षेत्र में संचालित हो रहे बड़े जुआं फड़ का भांडा गत रात्री कटनी एसपी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा कराई गई एक विशेष कार्यवाही के बाद फूट गया। बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम भदौरा मझगवां के घने जंगल में महुआ पेड़ के नीचे लंबे समय से संचालित हो रही जुए के बड़े फड़ पर पुलिस अधीक्षक की विशेष टीम ने सीधे दबिश दी। कार्रवाई के दौरान जुआं फड़ संचालित करने वाले बल्ली निषाद सहित 13 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा।

रोज जमती थी फड़, उजाले के लिए लगी थी एलईडी लाइट-सूत्रों से प्राप्त जानकारियों के मुताबिक, बड़वारा थाना क्षेत्र के घने जंगल में जुए की यह महफिल कोई एक-दो दिन से नही, बल्कि लगभग एक महीने से हर रोज नियमित रूप से सजती थी। जुआरियों के ऐश-ओ-आराम और खेल के दौरान किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए बाकायदा उजाले के लिए एलईडी लाइट तक के पुख्ता व्यवस्था की गई थी। इस फड़ पर सिर्फ स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि विशेष रूप से कटनी शहर से भी शातिर जुआरी अपनी गाड़ियों से दाव लगाने पहुंचते थे। इतने बड़े स्तर पर चल रहे इस अवैध कारोबार की भनक स्थानीय पुलिस को न लगना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

एसपी की स्पेशल टीम ने मारा छापा, 12.85 लाख की जब्ती-प्राप्त आधिकारिक विवरण के अनुसार, यह कार्रवाई 31 अक्टूबर की रात लगभग 11:45 बजे की गई। इस संबंध में थाना बड़वारा में अपराध क्रमांक 643/26, धारा 112(2) बीएनएस एवं 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 80,500 रुपए नगद, 04 गड्डी ताश पत्त,



प्लास्टिक की पन्नी, एलईडी लाइट, आरोपियों के मोबाइल फोन तथा जुआरियों द्वारा प्रयुक्त की जा रही 08 मोटर साइकिलों (क्रमांक एमपी21एमएस0864, एमपी21जेडए2720, एमपी 21 जेडबी 3081, एमपी 21 जेडएच 9350, एमपी 21 एस 2594, एमपी 21जेडएच 3022, एमपी21जेडए 4125,एमपी 21जेडएफ 2892) को जप्त किया है। जप्तशुदा कुल संपत्ति की अनुमानित कीमत 12,85,700 रुपए आंकी गई है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 13 जुआरियों को धर दबोचाए जिनमें बल्ली निषाद (50 वर्ष) निवासी खिरहनी फाटक थाना कोतवाली, अनामिक बनर्जी (34 वर्ष) निवासी रबर फैक्ट्री रोड, गौतम बधवा, थाना कोतवाली, प्रिंस पाण्डेय (21 वर्ष) निवासी रबर फैक्ट्री रोड, देशहाई माता मंदिर, थाना कोतवाली, अंकित बरगाही(22 वष) निवासी रबर फैक्ट्री रोड, देशहाई माता मंदिर, थाना कोतवाली, जुनैद खान (32 वर्ष) निवासी तिलक कॉलेज, प्रेमनगर थाना एनकेज, राज निषाद (32 वर्ष) निवासी बड़ी खिरहनी, दुर्गा चौक, मुकेश कुमार पटेल (26 वर्ष) निवासी कंटगीकला, पुष्पराज सिंह(43 वर्ष) निवासी राजीव गांधी वार्ड, गोल्डन स्कूल के पास, थाना कोतवाली, बसंत शर्मा (58 वर्ष) निवासी एनकेजे मेन मार्केट, संजय बारसकर (53 वर्ष) निवासी संतनगर थाना कोतवाली, संदीप गुप्ता (41 वर्ष) निवासी गायत्री नगर थाना कोतवाली, अजय साहू (39 वर्ष) निवासी शास्त्री कॉलोनी थाना कोतवाली, आनंद निषाद (42 वर्ष) निवासी खिरहनी फाटक वार्ड नंबर 13 थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कार्रवाई के दौरान अंधेरे और जंगल का लाभ उठाकर साहिल दाहिया, संत कुमार भारती, सुरेन्द्र चौधरी, अमन निषाद, रामदास केवट, संजय नेपाली, अरबाज खान व सागर निषाद सहित 8 आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

स्थानीय पुलिस की भूमिका संदिग्ध, कटघरे में कार्यप्रणाली

इस पूरे घटना में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस क्षेत्र में रोजाना लाइट जलाकर जुए का बड़ा अड्डा संचालित हो रहा हो और कटनी से वाहन लेकर लोग पहुंच रहे हों, वहां की स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक न लगना असंभव सा प्रतीत होता है। यदि पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा को इस गैर-कानूनी गतिविधि की शिकायत सीधे मिलती है और उन्हें स्थानीय थाने को दरकिनार कर विशेष टीम भेजनी पड़ती है, तो यह साफ तौर पर स्थानीय पुलिस की भूमिका को संदिग्ध साबित करता है। बड़वारा क्षेत्र में स्पेशल टीम की इस रेड और हर रोज जमने वाली इस फड़ के खुलासे ने स्थानीय थाने की मिलीभगत की आशंकाओं को और पुख्ता कर दिया है। क्षेत्र में उत्खनन और मनमानी की शिकायतों के बीच इस घटना ने स्थानीय पुलिस की निगरानी व्यवस्था की पोल खोल दी है। फिलहाल, 13 आरोपियों की गिरफ्तारी और लाखों की जब्ती के बाद अब निगाहेंएसपी के अगले कदम पर टिकी है, जुआरियों पर वैधानिक शिकंजा कसेगा या फिर संदिग्ध भूमिका निभाने वाले स्थानीय स्तर के जिम्मेदारों पर भी विभागीय गाज गिरेगी।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

भारत ने 3-2 से सीरीज पर किया कब्जा

अंतिम मुकाबले में न्यूज़ीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

हैमिल्टन

ऐडम मिल्ने (चार विकेट) के बाद टिम साइफर्ट (93) और ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 65) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने रविवार को पांचवें टी-20 मुकाबले में भारत को 12 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। हालांकि भारत ने पांच मैचों की यह सीरीज 3-2 से अपने नाम की। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूज़ीलैंड को पहला झटका दूसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने फिन ऐलन (दो) को आउट कर दिया। इसके बाद डैरिल मिशेल ने टिम साइफर्ट के साथ दूसरे विकेट के लिए 73 रन जोड़े। नौवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने डैरिल मशेल (29) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे टिम साइफर्ट को नीतीश कुमार रेड्डी ने अपना शिकार बना लिया। साइफर्ट ने 50 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 93 रनों की पारी खेली। न्यूज़ीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 195 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 65 रनों की मैच विजयी पारी खेली। बेवन जैकब्स एक रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह, वरूण चक्रवर्ती और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।



नहीं काम आया श्रेयस-ईशान का अर्धशतक

इससे पहले आज यहां इशान किशन (61), कप्तान श्रेयस अय्यर (50) और नमन धीर (33) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने न्यूज़ीलैंड को जीत के लिए 192 रनों का लक्ष्य दिया था। न्यूज़ीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 रन पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिये। अभिषेक शर्मा (एक) और संजू सैमसन चार रन बनाकर आउट हुये। दोनों ही बल्लेबाजों को ऐडम मिल्ने ने आउट किया। इसके बाद इशान किशन और श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पारी को संभाला तथा तेजी के साथ रन भी बटोरे। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिए 93 रनों की साझेदारी हुई। 11वें ओवर में ब्लेयर टिकनर ने इशान किशन को आउट कर साझेदारी का अंत किया। इशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 61 रनों की पारी खेली।

ऐडम मिल्ने ने लिए चार विकेट

अगले ही ओवर में मिल्ने ने अपना अर्धशतक पूरा कर चुके श्रेयस अय्यर का शिकार कर लिया। श्रेयस अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 50 रन बनाये। उन्हें नेथन स्मिथ ने आउट किया। तिलक वर्मा छह रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी की जोड़ी ने मोर्चा संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। 19वें ओवर में टिकनर ने नमन धीर 23 गेंदों में 33 रन को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। पारी के आखिरी ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में 17 गेंदो में 22 रन बनाकर आउट हुए। इसी ओवर में भुवनेश्वर कुमार आठवें विकेट के रूप में छह रन बनाकर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 191 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लेकिन यह न्यूज़ीलैंड को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। न्यूज़ीलैंड के लिए ऐडम मिल्ने ने चार विकेट लिये। नेथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

पीवी सिंधु ने जीता बैडमिंटन का हाइलो ओपन खिताब

फाइनल में डेनमार्क की लाइन कजर्सफेल्ट को हराया

बर्लिन। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने डेनमार्क की लाइन केजर्सफेल्ट को रविवार को सीधे गेमों में 21-12, 21-14 से हराकर हाइलो ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला खिताब जीत लिया जो इस सत्र का उनका दूसरा खिताब है। पीवी सिंधु ने इस जीत के साथ अपने शानदार यूरोपीय दौरे का समापन किया और इस सीज़न का अपना दूसरा खिताब जीता। भारतीय शटलर ने जर्मनी में अपने बेहतरीन प्रदर्शन का समापन सीधे गेमों में जीत के साथ किया। यह जीत फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहने के एक हफ्ते बाद मिली है, जहाँ सिंधु फाइनल में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एन से यंग से हार गई थीं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन भी जीता था, और अब हाइलो ओपन इस सीज़न में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर उनका दूसरा खिताब बन गया है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान सिंधु का दबदबा रहा और वह एक भी गेम हारे बिना फाइनल में पहुँच गईं। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत अपनी ही देश की खिलाड़ी प्रकृति भरत के खिलाफ सीधे गेमों में जीत के साथ की, और इसके बाद फ्रांस की रोजी ओक्टाविया पंकासारी को हराया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की अमाली शुल्ज़ को हराकर अपना शानदार सफर जारी रखा, और फिर सेमीफाइनल में एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से मात दी।दूसरी ओर, लाइन केजर्सफेल्ट को फाइनल तक पहुँचने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। डेनमार्क की इस शटलर ने सेमीफाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन किया; एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 8-21, 21-19, 28-26 से हराया। 82 मिनट तक चले इस कड़े मुकाबले में उन्होंने चार मैच पॉइंट भी बचाए और सिंधु के खिलाफ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। फाइनल में पहले गेम में नेट पर एक और चतुराईपूर्ण स्पर्श, और सिंधु ने इसे 21-14 से अपने नाम कर लिया, जिससे मैच 39 मिनट में समाप्त हो गया। सिंधु ब्रेक में 11-7 से आगे थीं, केजर्सफेल्ट खेल में समाधान या लय खोजने में असमर्थ थीं।



विश्व चैंपियन मनीषा भनवाला की नजरें 2028 ओलंपिक पर



नयी दिल्ली। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए महिलाओं का पहला फ्रीस्टाइल स्वर्ण पदक जीतने के कुछ दिनों बाद, मनीषा भनवाला ने अपना ध्यान ओलंपिक योग्यता पर केंद्रित कर दिया है, उन्होंने पुष्टि की है कि वह 57 किग्रा वर्ग में एलए 2028 कोटा हासिल करेंगी। मनीषा भनवाला ने साई मीडिया द्वारा आयोजित एक मीडिया सत्र के दौरान खुलासा किया, अभी, अगले साल के लॉस एंजेलिस 2028 क्वालीफिकेशन के लिए, मैं 57 किग्रा में क्वालिफाई करने का प्रयास करूंगी। स्विच एक आवश्यक है. मनीषा ने 59 किग्रा वर्ग में अपना विश्व खिताब जीता, जो आगामी ओलंपिक में शामिल नहीं है। एलए 2028 में महिलाओं का कार्यक्रम केवल छह वजनों में लड़ा जाएगा - 50 किग्रा, 53 किग्रा, 57 किग्रा, 62 किग्रा, 68 किग्रा और 76 किग्रा - 57 किग्रा वर्ग को ओलंपिक प्रतियोगिता में वापस आने के लिए निकटतम मार्ग के रूप में छोड़ दिया जाएगा। हालाँकि, 62 किग्रा भी 29 वर्षीय के लिए एक व्यवहार्य विकल्प था। वह डिवीजन में पूर्व एशियाई चैंपियन हैं और उन्होंने 65 किग्रा भार वर्ग में अंतरराष्ट्रीय पदक भी जीते हैं।

भारत बना पहला कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियन

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया; महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से मात देकर जीता गोल्ड

नई दिल्ली

भारत ने अहमदाबाद में पहले कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में डबल टाइटल जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराकर पहला कॉमनवेल्थ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीते। पुरुष टीम ने लगातार 8 मुकाबले जीते, जबकि महिला टीम ने सभी 6 मैच अपने नाम किए।पुरुषों के फाइनल में एशियन चैंपियन भारत ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारत के स्टार रेडर आदित्य शिंदे ने 14 रेड में 10 अंक हासिल कर सुपर 10 पूरा किया। इसमें 4 बोनस अंक भी शामिल रहे।भारत हुड्डा ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 रेड में 8 अंक जोड़े। वे पूरे मैच में एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने 6 और उप-कप्तान नवीन कुमार ने 5 अंक का योगदान दिया। डिफेंस में योगेश दहिया ने 5 टैकल अटेम्प्ट्स में 5 सफल टैकल कर हाई-5 लगाया।



शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने भी 2-2 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। भारतीय टीम ने मैच में 30 रेड और 14 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। टीम ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया, जबकि खुद एक बार भी ऑल-आउट नहीं हुई। पहले हाफ में भारत ने 15-8 की बढ़त बनाई। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए हाफ-टाइम तक स्कोर 30-10 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने 24 अंक जुटाए, जबकि श्रीलंका 10 अंक ही बना सका।

करण सिंह ने शर्म अल शेख में जीता आईटीएफ एम15 डबल्स का खिताब

चंडीगढ़। राउंडग्लास टेनिस अकादमी के खिलाड़ी करण सिंह ने अपने नाम एक और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी कर ली है। उन्होंने मिस्र के शर्म अल शेख में आयोजित आईटीएफ मेन्स वर्ल्ड टेनिस टूर एम15 टूर्नामेंट में पुरुषों का डबल्स खिताब जीता है। अपने साथी भारतीय खिलाड़ी अथर्व शर्मा के साथ मिलकर, टॉप-सीडेड इस जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन रणनीतिक अनुशासन, शानदार नेट प्ले और मानसिक मजबूती का प्रदर्शन किया। यह जीत इस साल करण का 5वां खिताब है। पिछले दो महीनों में यह उनका तीसरा खिताब और पांचवां फाइनल है, जो उनके शानदार फॉर्म को दर्शाता है। करण और अथर्व ने एक कठिन अंतरराष्ट्रीय ड्रॉ में बहुत ही संयम के साथ मुकाबला किया। क्वार्टर फाइनल में, टॉप-सीडेड इस जोड़ी ने स्विट्जरलैंड के लार्स ऐरेगर और ऑस्ट्रिया के निकलास वाल्डनर की अंतरराष्ट्रीय जोड़ी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। टूर्नामेंट में अपनी लय को बरकरार रखते हुए, सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त तुर्की की जोड़ी - मेलिह अनावातान और एस. मेर्ट ओज़देमिर से हुआ।



वाहनों की बिक्री में अक्टूबर में जबरदस्त तेजी

कई कंपनियों ने बनाया नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली

घरेलू बाजार में वाहनों की बिक्री में पिछले एक साल से अधिक समय से जारी तेजी अक्टूबर में भी बरकरार रही और मारुति सुजुकी इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड कायम किया। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी की 2,16,789 इकाई दर्ज की गई। साथ ही निर्यात समेत कुल बिक्री 2,76,120 इकाई रही। दोनों ही नया मासिक रिकॉर्ड है। पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले इनमें क्रमश: 20 प्रतिशत और 25 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई है। देश की दूसरी सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की घरेलू बिक्री 21 प्रतिशत और निर्यात 852 प्रतिशत बढ़कर क्रमश: 73,894 इकाई और 1,532 इकाई पर पहुंच गया। इस प्रकार यात्री वाहनों की उसकी कुल बिक्री 75,426 इकाई रही जो एक साल पहले की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। साथ ही निर्यात समेत इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री 75 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,244 इकाई रही। रेनो इंडिया की बिक्री साल-दर-साल 35 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर में 4,577 इकाई हो गई। इस साल जनवरी से अक्टूबर तक कंपनी ने 39,955 वाहन बेचे हैं जो पिछले साल की इसी अवधि से 31 प्रतिशत और साल 2025 के पूरे 12 महीने से करीब पांच प्रतिशत अधिक है। हुंडई मोटर इंडिया ने भी मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाते हुए घरेलू बाजार में 62,799 और विदेशों में 19,500 यात्री वाहन बेचे। इनमें क्रमश: 16.7 फीसदी और 21.1 फीसदी की सालाना वृद्धि देखी गई। कुल बिक्री 17.7 प्रतिशत बढ़कर 82,299 इकाई रही जो अब तक उसका सबसे अच्छा मासिक प्रदर्शन है। महिंद्रा एंड महिंद्रा की यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई पर और निर्यात समेत कुल बिक्री 74,904 इकाई पर रही। अक्टूबर में उसने 33,037 इकाई वाणिज्यिक वाहन भी बेचे। इसमें चार फीसदी की वृद्धि रही। वाणिज्यिक वाहनों के खंड में टाटा मोटर्स की बिक्री सालाना 27 प्रतिशत बढ़कर 47,652 इकाई रही। यह एक साल पहले अक्टूबर में 37,530 इकाई थी।



इसमें घरेलू बाजार में उसने 39,784 वाणिज्यिक वाहन और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 7,868 वाणिज्यिक वाहन बेचे। इनमें क्रमश: 13 फीसदी और 225 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। आयशर मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 34.9 फीसदी बढ़कर 10,861 इकाई रही। इसमें घरेलू बिक्री में 36.9 प्रतिशत और निर्यात में 30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इनका आंकड़ा क्रमश: 9,676 इकाई और 911 इकाई रहा।

एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय पूंजी बाजार से की 24,475 करोड़ की शुद्ध निकासी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर 2026 में भारतीय पूंजी बाजार से 24,475 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। यह लगातार दूसरा महीना रहा जब एफपीआई पूंजी बाजार में बिकवाल रहे हैं। इससे पहले, सितंबर में उन्होंने 58,443 करोड़ रुपये की निकासी की थी। केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में एफपीआई ने इक्विटी और हाइब्रिड उपकरणों से शुद्ध निकासी की जबकि म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने अपना निवेश बढ़ा दिया। अकेले म्यूचुअल फंड में उनकी शुद्ध बिकवाली 34,843 करोड़ रुपये रही। हाइब्रिड उपकरणों से उन्होंने 297 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से अपना निवेश 690 करोड़ रुपये बढ़ा दिया। म्यूचुअल फंड में भी उन्होंने 9,975 करोड रुपये का शुद्ध निवेश किया।

ब्याज दरों में संभावित वृद्धि के बीच अक्टूबर में घरों का बिक्री नौ फीसदी बढ़ी

मुंबई। ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी के बीच गत अक्टूबर में मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 12,690 इकाई तक पहुंच गया। नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा महाराष्ट्र के रजिस्ट्रेशन और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर रविवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि अक्टूबर में स्टाम्प ड्यूटी कलेक्शन भी 12 प्रतिशत बढ़कर 1,173 करोड़ रुपये रहा। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने अक्टूबर में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की थी और अपने रुख को सख्त करने की घोषणा की थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा था कि निकट भविष्य में रेपो दर या तो स्थिर रहेगी या इसमें बढ़ोतरी की जाएगी। फिलहाल नरमी की कोई संभावना है। ऐसे में ग्राहकों को बैंकों द्वारा होम लोन पर ब्याज दर बढ़ने की आशंका भी है। नाइट फ्रैंक इंडिया ने कहा है कि मुंबई में आवासीय इकाइयों की यह मांग इसलिए भी खास है क्योंकि अक्टूबर में कई त्योहार और धार्मिक आयोजन थे। श्राद्ध के समय आमतौर पर प्रॉपर्टी के सौदे कम होते हैं। इसके बाद नवरात्र में पिछले साल की तुलना में इस साल प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के लिए कम कामकाजी दिन मिले। यह घर खरीददारों के मजबूत भरोसे और बाजार में मौजूद गहरी मांग को दिखाता है। नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, मुंबई का आवासीय बाजार लगातार बेहतरीन मजबूती और गहराई दिखा रहा है। अक्टूबर का प्रदर्शन उत्साहजनक है, क्योंकि यह तब हासिल हुआ जब एक तरफ श्राद्ध का समय था और दूसरी तरफ नवरात्र के कारण रजिस्ट्रेशन के लिए कम दिन उपलब्ध थे। सबसे खास बात यह है कि 2026 के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता बनी रही है। आवासीय इकाइयों की मांग काफी स्थिर रही है, मौसमी घटनाओं और किफायती होने के बावजूद खरीद की संख्या शहर के इतिहास के सबसे मजबूत स्तरों में से एक रही है। दिवाली से पहले बाजार काफी अच्छी स्थिति में है।



वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम लगातार तीसरी बार बढ़े

नयी दिल्ली

तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में नवंबर में लगातार तीसरी बार वृद्धि की है, हालांकि घरेलू इस्तेमाल वाले सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी है। अक्टूबर में इसकी कीमत 2,810 रुपये थी। इस प्रकार दिल्ली में यह 10 रुपये महंगा हुआ है। त्योहारों के समय में की गई इस वृद्धि से होटलों और रेस्त्रां में खाने-पीने की चीजों के दाम और बढ़ने की आशंका है।

अन्य शहरों में भी कीमतों में कर और परिवहन लागत के आधार पर थोड़े-बहुत अंतर के साथ लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की गई है। मुंबई में इसकी कीमत 10.50 रुपये बढ़कर आज से 2,775 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है। कोलकाता में यह 17 रुपये बढ़कर 2,971 रुपये का हो गया है। मद्रास में 11.50 रुपये कीमत बढ़ाने के बाद अब यह 2,994.50 रुपये का हो गया है। इस साल अगस्त के बाद यह लगातार तीसरी बार है जब वाणिज्यिक रसोई गैस महंगी हुई है। तीन बार में दिल्ली में इसकी कीमत 82 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ी है। गत 28 फरवरी को पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत के बाद से ही वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम ऊपर बने हुए हैं। पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर से दिल्ली में अभी इसकी कीमत 1,079.50 रुपये ऊपर है। वहीं, घरेलू इस्तेमाल वाले 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के मूल्य में गत 07 जून के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 942 रुपये और कोलकाता में 968 रुपये है। मुंबई में यह 941.50 रुपये का और चेन्नई में 957.50 रुपये का है।



जीएसटी संग्रह अक्टूबर में 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत कुल राजस्व संग्रह अक्टूबर में 22.9 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ 2.31 लाख करोड़ के पार पहुंच गया। सरकार द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2026 में सकल जीएसटी संग्रह 2,31,290 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल अक्टूबर के 1,88,125 करोड़ रुपये के मुकाबले 22.9 फीसदी अधिक है। इस वृद्धि में मुख्य योगदान आयात पर लगने वाले आईजीएसटी का रहा जिसमें 42.2 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई। ऐसा आयातित वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल के कारण हुआ है। अक्टूबर में आयात पर आईजीएसटी संग्रह 72,246 करोड़ रुपये रहा। घरेलू जीएसटी संग्रह 15.8 फीसदी बढ़कर 1,59,044 करोड़ रुपये हो गया। जीएसटी के तहत कुल रिफंड अक्टूबर में सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ रुपये रहा। इसमें घरेलू जीएसटी के मद में दिया जाने वाला रिफंड 9.8 प्रतिशत और निर्यातकों को जारी रिफंड 3.4 प्रतिशत बढ़कर क्रमश: 14,007 करोड़ रुपये और 13,927 करोड़ रुपये रहा। रिफंड की राशि घटाने के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व अक्टूबर में 2,03,356 करोड़ रुपये रहा। यह अक्टूबर 2026 के मुकाबले 25.6 प्रतिशत अधिक है। इसमें शुद्ध घरेलू राजस्व 1,45,037 करोड़ रुपये और शुद्ध सीमा शुल्क राजस्व 58,319 करोड़ रुपये रहा। दोनों में क्रमश: 16.4 प्रतिशत और 56.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

कंपनियों के तिमाही परिणाम, पीएमआई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर घरेलू स्तर पर पीएमआई के आंकड़ों और कंपनियों के तिमाही परिणामों पर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पश्चिम एशिया की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों पर होगी। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई के आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने हैं। आईटीसी, एनएसई इंडिया लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन और टाट स्टील जैसी कंपनियों के तिमाही परिणाम आने हैं। विशेष रूप से शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद एनएसई का यह पहला तिमाही परिणाम होगा। इसके अलावा, बिक्री के आंकड़ों से वाहन निर्माता कंपनियों के प्रति निवेशकों का रुख तय होगा। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया संकट के गहराने और कच्चे तेल की कीमतों में जारी उछाल से निवेश धारणा प्रभावित होगी। गत सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1,335.7 अंक यानी 1.83 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ शुक्रवार को 74,459.53 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक सप्ताह के दौरान 453.10 अंक यानी दो प्रतिशत चढ़कर 23,053.10 अंक पर पहुंच गया।



दिग्गज कंपनियों की तुलना में वृहत बाजार में तेज लिवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.78 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 4.08 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त में बंद हुआ। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। ट्रेंट में सबसे अधिक 11.02 फीसदी की तेजी रही। अडानी पोर्ट्स का शेयर 8.22 फीसदी, इटरनल का 8.20, इंडिगो का 7.34, कोटक महिंद्रा बैंक का 7.18 और पावरग्रिड का सात प्रतिशत चढ़ गया।

एनटीपीसी का शेयर 6.04 फीसदी, एलएंडटी का 5.84, भारती एयरटेल का 4.23, टाइटन का 3.47, आईटीसी का 3.27, बीईएल का 2.50, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.42, इंफोसिस का 2.38 और सन फार्मा का 2.02 प्रतिशत की बढ़त में रहा। मारुति सुजुकी का शेयर 1.37 फीसदी, बजाज फाइनेंस का 1.32, बजाज फिनसर्व का 0.72, एशियन पेंट्स का 0.43 और भारतीय स्टेट बैंक का 0.42 प्रतिशत चढ़ा। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 0.28 फीसदी, टाटा स्टील में 0.27, टेक महिंद्रा में 0.16, एक्सिस बैंक में 0.05 और एचडीएफसी बैंक में 0.03 प्रतिशत की तेजी रही। नुकसान उठाने वालों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर सप्ताह के दौरान 2.22 प्रतिशत और टीसीएस का 1.27 प्रतिशत टूट गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.14 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.14 और आईसीआईसीआई बैंक में 0.07 प्रतिशत की गिरावट रही।

प्लॉट और मकान भू-स्वामी का, पक्की रजिस्ट्री का पैसा सरकार देगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव



सरकार ने खोले भू-स्वामियों के समृद्धि के द्वार, प्रदेश में एक नवम्बर तक 12 लाख 87 हजार से अधिक रजिस्ट्री पंजीयन पूरे

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्लॉट और घर के साथ उसके पक्के राजस्व दस्तावेज होना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि ये दस्तावेज ही भू-स्वामी को उसका मालिकाना हक दिलाने के साथ उसे अपनी सम्पत्ति के क्रय-विक्रय का अधिकार भी दिलाते हैं। सरकार ने प्रदेश के ऐसे सभी भू-स्वामियों (जिनके पास उनके प्लॉट या मकान के पट्टे तो उपलब्ध हैं, परंतु पक्की रजिस्ट्री नहीं है), इन सभी को उनकी सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री कराकर निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत सभी पात्रताधारियों को उनकी जमीन के पट्टे की पक्की रजिस्ट्री कराकर दी जाएगी। पक्की रजिस्ट्री के लिए लगने वाली स्टॉम्प शुल्क की राशि राज्य सरकार अपने खजाने से भरेगी। इससे प्लॉट या मकान भू-स्वामी का होगा, रजिस्ट्री भी भू-स्वामी की ही होगी, परंतु उन्हें इस पक्की रजिस्ट्री का पैसा नहीं देना होगा। यह राशि सरकार खुद वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की अब तक की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इस महती योजना को एक बड़े अभियान के रूप में चलाकर जल्द से जल्द प्रदेश के सभी पात्र भू-स्वामियों के पट्टे की नि: शुल्क रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए हैं।

योजना का हो व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपने हक की सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री मिलने से भू-धारक की समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। पक्की रजिस्ट्री से भू-धारक अपनी सम्पत्ति पर ऋण आदि लेने के लिए पात्र हो जाएंगे। यह योजना भू-धारकों को आर्थिक रूप से भी मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि पक्की रजिस्ट्री कराकर देने वाला यह अभियान आगे भी लगातार चलेगा। अगले वर्ष हम इस अभियान को युवा वर्ष से भी जोड़ेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अमल में और भी तेजी लाएं। इस योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्री, सांसद और विधायक आगामी 6 नवम्बर को (धनतेरस के दिन) अपने पैतृक ग्राम या अपनी पसंद के किसी भी गांव में जाकर उस गांव की मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत की रजिस्ट्री खुद सामने रहकर पूर्ण करायेंगे। सभी जिला कलेक्टर्स इस संबंध में अपने प्रभारी मंत्री एवं स्थानीय मंत्रीगणों सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ आवश्यक सहयोग और समन्वय कर अपने जिले में रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूरी होने पर उस गांव में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक लघु कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे।

प्रदेश में 12 लाख 87 हजार 252 रजिस्ट्री पूर्ण

बैठक में प्रमुख सचिव राजस्व डॉ. ई. रमेश कुमार ने बताया कि एक नवम्बर 2026 की स्थिति में प्रदेश में 12 लाख 87 हजार 252 रजिस्ट्री (पंजीयन) पूरे कर लिए गए हैं। आगामी 15 नवम्बर तक प्रदेश में 20 लाख रजिस्ट्रियां पूरी कर लेने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जन-जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, सचिव परिवहन एवं आयुक्त जनसम्पर्क मनीष सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव चंद्रशेखर वालिम्बे, आयुक्त भू-अभिलेख सुश्री निधि निवेदिता सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।



मप्र की समृद्ध विरासत और विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार : खाद्य मंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)। किसान, युवा, महिलाओं की मेहनत और मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है, मध्यप्रदेश विकासशील राज्य से विकसित राज्य की ओर बढ़ रहा है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह बातें 71वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर सांदीपनि विद्यालय सागर में आयोजित समारोह में कही। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश केवल भारत के नक्शे पर बना एक राज्य नहीं, बल्कि देश की आत्मा, संस्कृति और सभ्यता का जीवंत स्वरूप है। यह राजा विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, सम्राट अशोक के इतिहास, रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई के शौर्य एवं बलिदान की भूमि है। भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन, भगवान श्रीराम के वनगमन पथ, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम और भगवान शिव के ज्योतिर्लिंगों से यह धरती आध्यात्मिक गौरव रखती है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की कल-कल बहती धारा, विंध्य और सतपुड़ा की पर्वत श्रृंखलाएं, कान्हा और बांधवगढ़ के वन, खजुराहो की अद्भुत कला तथा सांची का विश्वविख्यात इतिहास मध्यप्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। हमारा प्रदेश विविधताओं में एकता, परंपरा में आधुनिकता और संस्कृति में समरसता का अद्भुत उदाहरण है। मंत्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश की स्थापना 1 नवंबर 1956 को हुई थी और आज हम अपने प्रदेश के 71वें स्थापना दिवस का उत्सव मना रहे हैं। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती की सभी को बधाई देते हुए कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल ने देश का एकीकरण किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को भारत का हृदय प्रदेश और सागर को मध्यप्रदेश के हृदय कहा जाता है, यही हमारा गौरव है।

औद्योगिक विकास के नए रास्ते पर बढ़ रहा मध्यप्रदेश

आज किसान, युवा, महिलाओं की मेहनत और मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है और विकासशील राज्य से विकसित राज्य की ओर बढ़ रहा है। आज मप्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। कृषि, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थय के क्षेत्र में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आज मध्यप्रदेश में निवेश, उद्योग, स्टार्टअप और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आइए, हम सब मिलकर मध्यप्रदेश को एक आदर्श राज्य बनाएं। आइए, हम सब मिलकर मध्यप्रदेश के विकास में अपना योगदान दें। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश स्वास्थय, शिक्षा, सड़क, पानी सहित विकास के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट के साथ-साथ चीता स्टेट के गौरव से सुशोभित हो रहा है।

प्रदेश सरकार निरंतर किसान हितैषी कार्य कर रही है : राज्यमंत्री लोधी

कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने किसानों को वितरित किए बीज



दमोह (स्वतंत्र मत)। दलहनों में आत्मनिर्भर मिशन योजनांतर्गत कृषि विभाग जबेरा द्वारा मसूर बीज मिनिकिट का नि:शुल्क बीज वितरण कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी द्वारा किसानों को बीज वितरण किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कृषि विभाग से वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह ठाकुर ने राज्यमंत्री का स्वागत किया। राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा मध्य प्रदेश सरकार निरंतर किसान हितैषी कार्य कर रही है एवं कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ हर किसान तक पहुंचे ऐसी योजना बना रहे हैं। आज जो उन्नत बीज वितरण किया जा रहा है वह किसान अपने खेतों में जरूर लगाए और अच्छा उत्पादन करें। नरेंद्र सिंह ने किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा भारत सरकार द्वारा दलहनों में आत्मनिर्भर मिशन योजना चालू की गई है, जिसमें किसान अधिक से अधिक दलहनी फसलें लगावे और दलहनी फसलों को लगाने से सिंचाई कम खाद कम लागत कम लगती है और उत्पादन अच्छा मिलता है।

जिले में मदिरा दुकानों की एक साथ सघन जांच

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासन के निर्देशों एवं आमजन के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर पूर्ण सावधानी बरतते हुए जिले में संचालित सभी 58 मदिरा दुकानों की एक साथ औचक जांच कराई गई। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने बताया गठित 58 दलों द्वारा यह सघन कार्रवाई सुनिश्चित की गई है, ताकि शासन के नियमों का पूर्ण पालन हो सके और आमजन प्रभावित न हों। इस व्यापक जांच अभियान के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि शासन के निर्देशों का सही ढंग से पालन हो रहा है या नहीं।

शराब पीकर ट्रक चला रहा था चालक

जबेरा पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत की कार्रवाई



दमोह/जबेरा (स्वतंत्र मत)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जबेरा पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस ने शराब पीकर ट्रक चलाने वाले एक चालक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ट्रक को जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसारए शनिवार को थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान ट्रक को रोककर जांच की गई। वाहन चालक सुर्जन यादव 28 वर्ष पिता संतोष यादव निवासी नारायणपुर थाना भरुआ सुमेरपुर जिला हमीरपुर उप्र के व्यवहार पर संदेह होने पर पुलिस ने उसे ब्रीथ एनालाइजर मशीन से जांच के लिए थाने लाया। जांच के दौरान चालक के शरीर में अल्कोहल की मात्रा निर्धारित कानूनी सीमा से अधिक पाई गई। इसके बाद जबेरा पुलिस ने तत्काल ट्रक को जब्त कर चालक के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की। प्रकरण को अग्रिम कार्रवाई के लिए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान ने वाहन चालकों से अपील की है कि यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें और शराब पीकर किसी भी परिस्थिति में वाहन न चलाएं। ऐसा करना स्वयं के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। पुलिस का चेकिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार में श्यामचरण चौबे प्रथम



दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के तहत विकासखंड हटा की ग्राम पंचायत रनेह में ग्राम स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में श्यामचरण चौबे ने प्रथम स्थान हासिल किया जबकि रामचंद्र साहू दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे स्थान के लिए कोई प्रतिभागी चयनित नहीं हुआ और यह स्थान रिक्त रहा। प्रतियोगिता के लिए कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए थे लेकिन आयोजन में पांच प्रतिभागियों ने ही उपस्थिति दर्ज कराई। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले श्यामचरण चौबे को एक लाख रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले रामचंद्र साहू को 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र के अनुसार प्रथम पुरस्कार गिर नस्ल की गाय के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में हटा विधायक उमादेवी खटीक, मनीष तंतुवाय, कनई पटेल,शुवेंद्रु सिंह, नरेश चौबे, रामकृष्ण नामदेव, डॉ. बीके असाटी, डॉ. सिद्धार्थ चौरे, डॉ. दुर्गेश गुप्ता, एवीएफओ शिक्षा सिंह, तरुण चौरहा एवं राशि असाटी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत पशुपालन को प्रोत्साहित करना, पशुपालकों को बेहतर नस्ल के पशुओं के पालन के लिए प्रेरित करना तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना है।

बाल विज्ञान कांग्रेस अंतर्गत आयोजित विज्ञान मेला का परिणाम घोषित

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासकीय सांदीपनि विद्यालय दमोह में आयोजित बाल विज्ञान कांग्रेस के जिला स्तरीय मेले में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में से पांच प्रतिभागियों का राज्य स्तरीय प्रथम चरण हेतु निर्णयाकों द्वारा चयन किया गया है। सीनियर वर्ग में शासकीय सांदीपनि विद्यालय जबेरा के दिव्यांश जैन एवं अभिषेक मेहरा, शासकीय सरदार पटेल उमा विद्यालय दमोह की छात्रा शाल्या खान एवं सहाना खान, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय दमोह की सान्वी शिवहरे एवं नेहा पटेल का चयन किया गया है। जूनियर वर्ग में शासकीय सांदीपनि विद्यालय जबेरा की तृप्ति हरिणखेड़े एवं जैस्मिन श्रीवास तथा शासकीय उमा विद्यालय पटना बुजुर्ग की दुर्गा लोधी एवं सृष्टि यादव। इस तरह पांच परियोजनाओं को राज्य स्तर हेतु नामांकित किया गया है।

जिले में खाद वितरण व्यवस्था की कड़ी मॉनिटरिंग

भौतिक सत्यापन में गड़बड़ी मिलने पर समिति प्रबंधक और ऑपरेटर पर कार्रवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन की जनहितैषी और पारदर्शी व्यवस्थाओं के तहत जिला प्रशासन द्वारा खाद वितरण प्रणाली की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने हिंडोरिया सोसायटी का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान वहां उपस्थित किसानों से चर्चा कर संवाद स्थापित किया गया तथा ई.विकास पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के आधार पर भौतिक सत्यापन कराया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि ई विकास पोर्टल पर दर्शाई गई मात्रा के अनुसार भौतिक स्टॉक नहीं मिला। अधिकांश स्टॉक में कमी और वृद्धि जैसी गंभीर विसंगतियां पाई गईं। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्री यादव के निर्देशानुसार एडीए और एआरसीएस के माध्यम से एक विशेष जांच टीम गठित कर विस्तृत जांच कराई गई।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि विभिन्न प्रकार के खादों में कुल 8.59 मीट्रिक टन की विसंगति पाई गई है। अनियमितताओं और गंभीर लापरवाही को देखते हुए प्रशासन द्वारा तत्काल प्रभाव से संबंधित सहायक समिति प्रबंधक कमल यादव तथा हिंडोरिया के प्रबंधक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।



मप्र स्थापना दिवस पर कदम संस्था ने किया पौधारोपण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मप्र स्थापना दिवस के अवसर पर पिछले 20 वर्षों से प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही सामाजिक संस्था कदम द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के सदस्यों ने पौधे लगाकर मध्य प्रदेशस्थापना दिवस को पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया। इस अवसर पर डॉ. कार्तिक शर्मा, लता राज, शरद सोनी एवं कुबेर शर्मा ने अपना जन्मदिन कदम संस्था के साथ पौधारोपण कर मनाया। संस्था प्रमुख दीपक सेन ने शरद मिश्रा, संजय सेन, रक्षा श्रीवास्तव एवं इंदौर के पत्रकार गौरव कांछाल के जन्मदिन पर भी पौधारोपण कर उन्हें बधाई दी। कदम संस्था की परंपरा के अनुसार सभी जन्मदिन मनाने वालों के सम्मान में बधाई गीत गाया गया तथा सम्मान पत्र वितरित किए गए। इस अनूठी पहल के माध्यम से संस्था ने जन्मदिन को यादगार बनाने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के पश्चात डॉ. केदारनाथ शर्मा ने अपने पुत्र डॉ. कार्तिक शर्मा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों को बेडशीट एवं मिष्ठान वितरित किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

राज्य लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में अग्रसर

विकसित और स्वर्णिम मध्य प्रदेश के निर्माण का लिया संकल्प, छात्राओं ने प्रस्तुत किये रंगारंग मनमोहक सांस्कृति कार्यक्रम

दमोह (स्वतंत्र मत)।





मध्यप्रदेश के 71 वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। उन्होंने कहा कि यह बड़े ही हर्ष और प्रसन्नता का विषय है कि पूरा प्रदेश स्थापना दिवस का यह पावन पर्व उल्लास के साथ मना रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और स्वर्णिम मध्य प्रदेश के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। संस्कृति राज्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश को समृद्ध और विकसित बनाने के साथ.साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण का संकल्प भी लिया गया है।

दमोह जिले में पर्यटन के विकास पर प्रकाश डालते हुए मंत्री श्री लोधी ने कहा मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप दमोह को पर्यटन हब बनाने का कार्य तेजी से जारी है। उन्होंने कहा नौरादेही अभ्यारण्य को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है। बांदकपुर धाम, खर्राघाट धाम और नोहलेश्वर लोक का निर्माण कार्य चल रहा है। पतलौनी धाम के विकास कार्य भी जल्द शुरू होने वाले हैं। राज्यमंत्री ने कहा संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित स्वाभिमान पर्व के तहत आयोजित कृषि आधारित क्विज़ प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें जिले स्तर पर प्रथम पुरस्कार के रूप में ट्रैक्टर, द्वितीय पुरस्कार के रूप में बुलेट मोटरसाइकिल तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में ई स्कूटी प्रदान की गई। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में लकी कुर्मी, जेएनवी विद्यालय हटा एवं शीतल कुर्मी कमला नेहरू महाविद्यालय दमोह को 1-1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया जिससे आने वाली पीढ़ी में उत्साह और प्रेरणा का संचार हो सकेगा।

किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज-मध्य प्रदेश शासन द्वारा किसानों के कल्याण और उन्हें आधुनिक कृषि योजनाओं से जोड़ने के लिए आयोजित किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज प्रतियोगिता में दमोह जिले की महिलाओं ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। तारादेही की निवासी संध्या जैन ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

संध्या जैन ने बताया कि उन्होंने किसान कल्याण स्वाभिमान योजना के अंतर्गत आयोजित इस क्विज में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता के दौरान पूछे गए सभी 24 प्रश्नों के सही उत्तर देने पर उन्हें प्रथम पुरस्कार के रूप में ट्रैक्टर प्रदान किया गया है। अहरौरा की किसान रागिनी कमलेश कुर्मी को द्वितीय पुरूस्कार के रूप में बुलेट मोटरसाइकिल पुरस्कार मिला । इस प्रतियोगिता में अहरौरा निवासी किसान श्रीमति रागिनी कमलेश कुर्मी ने सभी 24 प्रश्नों के सही उत्तर देकर शानदार सफ्लता हासिल की है। इसमें पूछे गए सभी 24 प्रश्नों का सही जवाब देने पर उन्हें द्वितीय पुरस्कार के रूप में बुलेट मोटरसाइकिल प्रदान की गई है।

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित मप्र स्थापना दिवस समारोह में सांदिपनि विद्यालय और अनहद् कला केंद्र की प्रस्तुतियों ने मन मोहा। परिसर में आयोजित भव्य एवं गरिमामय सांस्कृतिक समारोह में स्थानीय कलाकारों और छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया।



महंगाई राहत और महंगाई भत्ते में वृद्धि के आदेश जारी

विद्युत कंपनियों के पेंशनर्स और कार्मिकों को मिला दीपावली का तोहफा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने प्रदेश की विद्युत कंपनियों के पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनधारकों को दीपावली पर्व पर तोहफा देते हुए पुनरीक्षित महंगाई राहत (डीआर) के आदेश जारी कर दिए हैं। अब पेंशनर्स को छठवें वेतनमान में 5 प्रतिशत तथा सातवें वेतनमान के अनुसार 2 प्रतिशत महंगाई राहत की वृद्धि का लाभ मिलेगा। इसी तरह वर्तमान कार्मिकों के महंगाई भत्ते में भी 2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। एमपी ट्रांसको के मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा ने बताया कि यह आदेश मध्यप्रदेश शासन के ज्ञापन क्रमांक एफआईएन/4/0009/2025/नियम-चार, दिनांक 30 अक्टूबर के अनुसार जारी किए गए हैं, जो 1 जुलाई 2026 (भुगतान अगस्त 2026) से प्रभावी होंगे।



जैविक हाट का आकर्षण रहीं मौसमी भाजियां और फल

उपभोक्ताओं ने किसानों से सीधे खरीदे प्राकृतिक उत्पाद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा कृषि उपज मंडी जबलपुर में रविवार को आयोजित साप्ताहिक जैविक हाट बाजार में स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादित जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद आकर्षण का केंद्र रहे। जैविक हाट में जैविक अनाजए दालें, सब्जियां, मसाले, मोटे अनाज, मौसमी फल एवं अन्य खाद्य उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहे। उपभोक्ताओं को यहां किसानों से सीधे जैविक उत्पाद खरीदने का अवसर मिला। जैविक हाट में के पी सिंह द्वारा विभिन्न प्रजातियों के उत्पादित अमरूद, अर्चना के मिलेट्स फूड तथा संदीप ठाकुर की आंवला कैंडी एवं अचार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की मौसमी भाजियां, सब्जियां और फलों में सीताफल, अमरूद एवं आंवला भी उपलब्ध रहे। हाट बाजार में जैविक उत्पादों के महत्व और उनके लाभों की जानकारी भी आमजन को दी गई।

शहर के व्यापारियों की चिंता कौन करेगा?

भाजपा आज निकालेगी लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ पद यात्रा, प्रमुख बाजार जाने वाले कई मार्ग रहेंगें बंद





जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज सोमवार को मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा में सीएम के साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सहित अनेक जन शामिल होने जा रहे हैं। इस यात्रा की शुरूआत दोपहर 3 बजे शहीद स्मारक गोलबाजार से प्रारंभ होगी, जो मालवीय चौक से लार्डगंज, बड़ा फुहारा होते हुए अंधेरदेव, तुलाराम चौक, करमचंद चौक, मालवीय चौक से पुन: शहीद स्मारक गोलबाजार में संपन्न होगी। ऐसे में त्यौहार के बीच प्रमुख बाजारों के बीच से इस यात्रा का आयोजन करना शहर के व्यापार में एक बड़ा असर डाल सकता हैं।

दोपहर 12 से शाम 06 बजे तक बंद रहेंगें मार्ग

पुलिस प्रशासन के मुताबिक दर्शाए गए मैप में रेड़ जोन में सभी प्रकार के वाहनों (दो पहिया, तीन पहिया, ऑटो, ई-रिक्शा, चार पहिया) का अवागमन समय दोपहर 12 बजे से शाम 06 बजे तक पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। पदयात्रा कार्यक्रम के दौरान यह संपूर्ण मार्ग रेड जोन रहेगा, गोल बाजार से प्रारंभ होकर श्याम टॉकीज तिराहा, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, बड़ा फुहारा, भार्गव चौक, तुलाराम चौक, करमचंद चौक मालवीय चौक। इस मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों (2 पहिया, तीन पहिया, ऑटो, ई-रिक्शा, चार पहिया) का आवागमन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। गोल बाजार क्षेत्र में भी किसी प्रकार के वाहन का प्रवेश वर्जित रहेगा।

इस प्रकार रहेंगें वैकल्पिक/डायवर्जन मार्ग

पुलिस प्रशासन के मुताबिक दमोह नाका की ओर से आने वाले वाहन गोल बाजार एवं बाजार क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेंगे। ये वाहन बल्देवबाग से उखरी की ओर होकर जा सकेंगे। गोहलपुर तरफ से आने वाले वाहन फ्लई ओवर का इस्तमाल करते हुए मदन महल, सुहागन आभूषण होते हुए तीनपत्ती चौक से शहर की तरफ जा सकेगें। हाईकोर्ट चौक की ओर से आने वाले वाहन घंटाघर चौक तैयबअली चौक तीनपत्ती चौक तिराह होते हुए रानीताल की ओर जा सकेंगे। बल्देवबाग से पाण्डेय चौक तक एवं बल्देवबाग से रानीताल चौक तक मालवाहक छोटे वाहनों में लोडिंग वाहनों का आवागमन तथा लोडिंग अनलोडिंग का कार्य समय दोपहर 12 बजे से शाम 06 बजे तक नहीं किया जावेगा। तीनपत्ती तिराहा से यातायात थाना तिराहा से फ्लाई ओवर के उपर से जा सकेगें। मदनमहल की तरफ से आने वाला ट्रैफिक गेट न 04 से डायवर्ट होकर अन्य जगह जा सकेगें। तीनपत्ती से ज्योति टॉकीज होते हुए तैयबअली चौक की ओर से शहर की ओर जा सकेंगे।

सता रहा भारी नुकसान का अंदेशा

इधर त्यौहार के बीच इस यात्रा के आयोजन से व्यापारियों का भारी नुकसान का आंदेशा सता रहा है। कइ व्यापारियों का कहना है कि क्या इस यात्रा का आयोजन दीपावली पर्व के बाद नहीं हो सकता था। या फिर यात्रा का आयोजन करना ही था तो ऐसा मार्ग तय किया जाता, जिसमें बाजार जाने वाले मार्ग ना हो। व्यापारियों का कहना है कि बीच बाजार से ही इस यात्रा को निकालने से व्यापार के साथ-साथ आम जनता को भी भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है।



डिवाइडर से टकराई स्कूटी 15 वर्षीय किशोरी की मौत

तिलवारा थाना अंतर्गत बरगी हिल्स रोड पर हादसा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तिलवारा थाना अंतर्गत बरगी हिल्स स्थित आईटी पार्क रोड पर रविवार सुबह तेज रफ्तार स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में स्कूटी सवार 15 वर्षीय जानवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद छोटी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इधर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया और मेडिकल कॉलेज में वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 10 बजे आईटी पार्क रोड पर हुआ। मृतका का परिवार मूल रूप से रीवा जिले का रहने वाला है।

जांच में जुटी पुलिस

बताया जा रहा है कि वर्तमान में परिवार जबलपुर के हनुमानताल थाना क्षेत्र के सिंधी कैंप में रह रहा था। हादसे के वक्त जानवी अपनी बहन के साथ स्कूटी पर सवार होकर जा रही थी। रास्ते में स्कूटी अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर में जानवी के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं, उसकी छोटी बहन घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया। घायल किशोरी के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

इलाज में देरी होने पर परिजन ने डॉक्टर को धमकाया



सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल में बीती रात इलाज में देरी को लेकर एक मरीज के परिजन ने हंगामा किया। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात मेडिकल ऑफिसर आशुतोष उपाध्याय को गाली दी और जान से मारने की धमकी दी। यह घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई। मेडिकल ऑफिसर आशुतोष उपाध्याय के मुताबिक अभिषेक पांडे अपने 5 साल के बच्चे अभ्युदय पांडे को लेकर अस्पताल पहुंचा था। अभिषेक पांडे सिहोरा के वार्ड क्रमांक 8, बमनऊ मोहल्ला का निवासी है। उसने बच्चे का तुरंत इलाज करने को कहा। उस समय डॉक्टर और अन्य स्टाफ पहले पहुंचे मरीजों की जांच कर रहे थे। आरोप है कि इसी बात पर अभिषेक पांडे ने डॉक्टर से गाली-गलौज शुरू कर दी। डॉक्टर ने उसे समझाया कि हंगामे से दूसरे मरीजों की जांच पर असर पड़ रहा है, लेकिन वह शासकीय काम में बाधा डालता रहा। इस दौरान अस्पताल के स्टाफ ने बीच-बचाव किया। डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आगमन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का सोमवार 2 नवंबर को जबलपुर आगमन होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव दोपहर 3.30 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा डुमना एयरपोर्ट आयेंगे। मुख्यमंत्री जबलपुर में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम 6.30 बजे डुमना एयरपोर्ट से भोपाल प्रस्थान करेंगे।

राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में जबलपुर के खिलाड़ियों का दबदबा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2026-27 की राज्य स्तरीय जूडो (पुरुष/महिला) प्रतियोगिता का भव्य आयोजन शासकीय कन्या पीजी महाविद्यालय, छतरपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के विभिन्न महाविद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें जबलपुर के जूडोकास ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग में विजेता और पुरुष वर्ग में उपविजेता की ट्रॉफी पर कब्जा



जमाया। प्रतियोगिता में जबलपुर दल के कोच डॉ. दीपेंद्र यादव और टीम मैनेजर देव नारायण रहे। वहीं, निर्णायक की भूमिका जबलपुर जिला जूडो संघ के सचिव व वरिष्ठ कोच आबिद हुसैन खान तथा एड अताउर्रहमान अंसारी ने निभाई। ये सभी विजेता खिलाड़ी अब आगामी दिनों में गुजरात में आयोजित होने वाली यूनिवर्सिटी वेस्ट ज़ोन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय और जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बस में रखकर लाया जा रहा था लाखों रूपए का गांजा



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने फिल्मी अंदाज में कार्यवाही करते हुए बस से आ रहे एक युवक के पास से 7 किलो 158 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 3 लाख 58 हजार रुपये आंकी गई है। इस मामले में बरगी थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि मुखबिर ने बताया कि एक संदिग्ध युवक, जिसकी उम्र लगभग 22 से 25 वर्ष है और जिसने काले रंग की जैकेट व ग्रे रंग की पैंट पहन रखी है, वह सिवनी की ओर से आ रही पवन बस में सवार होकर बरगी की तरफ आ रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पूछताछ करने पर अपना नाम दीपक बर्मन, उम्र 23 वर्ष, निवासी प्रेमासागर झंडा चौक, हनुमानताल बताया। तलाशी लेने पर पीठू बैग और एक प्लास्टिक की पन्नी के अंदर 4 अलग-अलग पैकेटों में अवैध गांजा भरा हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए पूछताछ शुरू कर दी है।

पमरे से गुजरने वाली 4 जोड़ी ट्रेनों के नम्बरों में हुआ बदलाव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेलवे द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे से होकर संचालित चार जोड़ी ट्रेनों को गैर-सुपरफास्ट श्रेणी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के अंतर्गत निम्नलिखित ट्रेनों के नंबरों में परिवर्तन किया जाएगा। परिवर्तित ट्रेन नंबर 1 जनवरी से प्रभावी होंगे। गाड़ी संख्या 22177 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-बनारस महानगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11093 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 22178 बनारस-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस महानगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11094 होगा। गाड़ी संख्या 22129 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट तुलसी



सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11065 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 22130 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस तुलसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11066 होगा। गाड़ी संख्या 12167 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11067 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 12168 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 11068 होगा। गाड़ी संख्या 12779 वास्को डी गामा-हज़रत निजामुद्दीन गोवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 17379 होगा। वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 12780 हज़रत निजामुद्दीन-वास्को डी गामा गोवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नया ट्रेन नंबर 17380 होगा।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

उपमुख्यमंत्री देवड़ा रहे उपस्थित, दिलाई स्वच्छता की शपथ



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र स्थापना दिवस के अवसर पर नगर निगम और मित्र संघ की ओर से आयोजित निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि नई पीढ़ी ही देश का भविष्य है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के निबंधों का प्रकाशन भी कराया जाए, ताकि उनकी प्रतिभा और विचार अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि नगर निगम और पत्रकार परितोष वर्मा की ओर से लंबे समय से विद्यार्थियों को देश की उपलब्धियों, केंद्र सरकार के कार्यों और जबलपुर के विकास से परिचित कराने का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर आदि उपस्थित रहे।

इंजी. संतोष कुमार मिश्र को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रेस्टीजियस पीस अवॉर्ड काउंसिल द्वारा पश्चिम विहार नयी दिल्ली के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में रामायण केंद्र जबलपुर इकाई के संयोजक संतोष कुमार मिश्र असाधु को श्रीरामचरितमानस पर उनके द्वारा सतत किए जा रहे शोध कार्यों के परिप्रेक्ष्य में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पश्चिम नयी दिल्ली के भूतपूर्व सांसद महाबल मिश्रा के माध्यम से प्रदान किया गया। ज्ञातव्य हो कि इसी माह 10 अक्टूबर को चेन्नई में आयोजित हुए कार्यक्रम में यूनाइटेड अमेरिकन यूनिवर्सिटी के द्वारा भी संतोष कुमार मिश्र असाधु को उनके साहित्य लेखन, संस्कृति एवं श्रीरामचरितमानस ग्रंथ के शोध कार्यों के परिप्रेक्ष्य में सम्मानित किया जा चुका है। श्री मिश्र द्वारा इस महत्वपूर्ण उपलब्धि हेतु उनके शुभचिंतको ने बधाइयां प्रेषित की है।



रायन मिनिथान में 1759 छात्रों ने लिया भाग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रायन इंटरनेशनल स्कूल शांतिनगर के तत्वाधान में 27वां मिनिथान का आयोजन सदर स्थित शिवाजी ग्राउंड में किया गया। मिनिथान में रायन ग्रुप के सेंट जविएर स्कूल शांतिनगर, गुप्तेश्वर व रायन इंटरनेशनल स्कूल शांतिनगर सहित शहर की लगभग 81 शालाओं के लगभग 1759 बच्चों ने भाग लिया। दौड़ के लिए प्रतिभागियो के विभिन्न ग्रुप रखे गए थे, जिसमे अंडर 12, अंडर 14, अंडर 16 व अंडर 18 बालक-बालिका वर्ग थे। छात्रों के उत्साहवर्धन व प्रोत्साहन के लिए अतिथियों के



रूप में वरिष्ठ जन जगत बहादुर सिंह महापौर, डॉ. प्रसन्नजीत चटर्जी मुख्य एथलेटिक्स कोच रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, लकी रजक राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, पुष्पेंद्र पटेल थाना प्रभारी कैंटोनमेंट पुलिस थाना आदि उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में बालक मंदिर शाला रामपुर, शाश्कीय हाई स्कूल रामपुर और बिल्हा बोंग इंटरनेशनल स्कूल ने जीत का परचम लहराया।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic
RUBY MOVIE MAGIC
NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

UDTA TEER (HINDI)	10:15 AM, 2:25 PM, 6:10 PM, 7:50 PM & 10:35 PM; RUBY 11:25 AM, 4:40 PM & 9:40 PM
PEHLA PYAAR DOOSRI BAAR (HIN)	9:50 AM | RUBY 1:35 PM
CLAYFACE (HIN)	9:25 AM
DRISHYAM THE CONCLUSION (HIN)	1:00 PM, 4:00 PM, 6:50 PM & 9:40 PM; RUBY 1:55 PM, 4:15 PM, 7:15 PM & 10:00 PM
NAYYI NAVELLI	11:40 AM & 4:15 PM | RUBY 7:00 PM
RAJINI: THE JAILER 2 (HIN)	12:40 PM, 7:00 PM & 10:10 PM

@moviemagic_jbp MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS
Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE
Bulk Booking / Advertising 9425807507
Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**